@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 10 फरवरी, 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 97 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2076-77, पेज (12) मूल्य 2.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत-सेशेल्स रिश्ते में नया आयाम

● कई एमओयू पर हस्ताक्षर ● मोदी बोले- जमीन-समुद्र से हवा तक मजबूत हो रहे संबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और सेशेल्स के रिश्तों को नई मजबूती देने की दिशा में दिल्ली के हैदराबाद हाउस में बड़ा कूटनीतिक कदम देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में रणनीतिक साझेदारी, समुद्री सहयोग और आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। इस दौरान दोनों नेताओं की मौजूदगी में कई अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जो दोनों देशों के संबंधों को नया आयाम देने वाले माने जा रहे हैं। इसके बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित कर रिश्तों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के रिश्तों और आपसी सहयोग पर बात की। साथ ही राष्ट्रपति हर्मिनी को सेशेल्स के राष्ट्रपति चुने जाने पर शुभकामनाएं भी दी। पीएम मोदी ने कहा कि 1.4 अरब भारतीयों की ओर से वह राष्ट्रपति हर्मिनी को सेशेल्स के राष्ट्रपति चुने जाने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हैं। पीएम मोदी ने बताया कि राष्ट्रपति बनने के बाद हर्मिनी की यह पहली भारत यात्रा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का रिश्ता अतीत, वर्तमान और भविष्य तक फैला हुआ है। समुद्री पड़ोसी और भरोसेमंद साझेदार के रूप में सेशेल्स, भारत की महासागर से जुड़ी सोच का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत और सेशेल्स के बीच सहयोग जमीन, समुद्र और हवा तीनों

क्षेत्रों में लगातार मजबूत हो रहा है।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा एक खास साल में हो रही है, क्योंकि सेशेल्स अपनी आजादी के 50 साल पूरे कर रहा है और भारत-सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों को भी 50 वर्ष हो चुके हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये ऐतिहासिक मौके दोनों देशों को रिश्तों को और नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रेरित करेंगे।

ब्लू इकॉनमी को लेकर क्या बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और सेशेल्स आने वाले समय में नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन से निपटने और आपदा से मजबूती (रेजिलिएंस) जैसे क्षेत्रों में सहयोग और बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि समुद्री पड़ोसी होने के नाते ब्लू इकॉनमी दोनों देशों के लिए सहयोग का स्वाभाविक क्षेत्र है। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश मिलकर न सिर्फ आपसी सहयोग को मजबूत करेंगे, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र के साझा भविष्य को भी आकार देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत-सेशेल्स रिश्तों की सबसे बड़ी ताकत लोगों से लोगों के बीच संबंध हैं। सेशेल्स में रहने वाले भारतीय समुदाय ने वहां के सामाजिक और आर्थिक विकास में अहम योगदान दिया है और पीढ़ियों से दोनों देशों की दोस्ती को मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि बैठक में पर्यटन, शिक्षा और खेल के जरिए इन रिश्तों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। साथ ही दोनों देशों के युवाओं के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर खास जोर दिया जाएगा।

हैदराबाद हाउस में क्या बोले सेशेल्स के राष्ट्रपती?

पीएम मोदी के बाद सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने संबोधन में कहा कि हैदराबाद हाउस में आकर उन्हें सम्मान महसूस हो रहा है। उन्होंने बताया कि जून में भारत और सेशेल्स अपने राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मनाएंगे, जो सेशेल्स की आजादी के 50 साल पूरे होने के साथ होगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रपति हर्मिनी ने कहा कि दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों के सहयोग को लेकर साझा विज़न पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता दोनों देशों के रिश्तों का अहम हिस्सा है। उन्होंने यह भी बताया कि सेशेल्स की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की बड़ी भूमिका है और भारत एक उभरता हुआ अहम बाजार है, जिसे बेहतर हवाई संपर्क का भी समर्थन मिल रहा है।

'तीन महीने में फैसला दे दिल्ली हाईकोर्ट'

कुलदीप सेंगर की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। मामले में कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वह इस मामले से जुड़ी अपीलों की सुनवाई तेजी से करे। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट ने निष्कासित भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। दरअसल, कुलदीप सिंह सेंगर को इस मामले में 10 साल की सजा सुनाई गई है। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में सजा निलंबित करने की मांग की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने इसे मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सेंगर ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। मामले में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन.वी. अंजरिया शामिल थे, ने कहा कि यह मामला ऐसा है जिसमें हाईकोर्ट को अपील पर आउट ऑफ टर्न यानी प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने साफ निर्देश दिया कि दिल्ली हाईकोर्ट इस अपील का निपटारा तीन महीने के भीतर करे।

● पीड़ित पक्ष ने क्या दलील दी?

सुनवाई के दौरान पीड़ित पक्ष के वकील ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने भी ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ अलग से अपील दाखिल की है। इसमें सजा की अवधि समेत कई बिंदुओं को चुनौती दी गई है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूंकि हाईकोर्ट के आदेश में उस अपील का कोई जिक्र नहीं है, इसलिए वह उस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी ध्यान में रखा कि आरोपी सेंगर पहले ही कुछ समय जेल में काट चुका है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने हाईकोर्ट से कहा कि वह मामले की जल्द सुनवाई करे और तय समयसीमा में फैसला सुनाए।

थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप से किया इनकार, हाईकोर्ट के आदेश को बताया संतुलित

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मदुरै स्थित थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी से जुड़े विवादित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को सुनवाई के दौरान मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें नल्लिथोप्पू क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय को केवल रमजान और बकरीद के अवसर पर ही नमाज अदा करने की अनुमति दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे मामले में सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि मद्रास हाईकोर्ट का आदेश संतुलित प्रतीत होता है और इसमें दखल देने की कोई आवश्यकता नहीं है। बता दें कि मद्रास हाईकोर्ट ने अपने आदेश में थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी के नल्लिथोप्पू इलाके में नमाज़ की अनुमति केवल दो प्रमुख इस्लामी त्योहारों, रमजान और बकरीद, तक सीमित कर दी थी। इसके अलावा, कोर्ट ने इस क्षेत्र में जानवरों की कुर्बानी पर भी रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के इस फैसले को स्थानीय निवासी और याचिकाकर्ता एम इमाम हुसैन ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दलील दी कि ट्रायल कोर्ट और प्रिवी काउंसिल पहले ही यह मान चुके हैं।

डिजिटल धोखाधड़ी मामले में अदालत का बड़ा आदेश

● कहा- आरबीआई की एसओपी पूरे भारत में लागू करे सरकार

एजेंसी

मुंबई। देश में तेजी से बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए इसे डकैती या लूट करार दिया है। अदालत ने कहा कि अब तक ?54,000 करोड़ से अधिक की राशि साइबर ठगी के जरिए निकाली जा चुकी है, जो बेहद गंभीर स्थिति को दर्शाता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा तैयार किए गए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को पूरे देश में औपचारिक रूप से लागू किया जाए, ताकि डिजिटल फ्रॉड पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

बैंक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों में बैंकों की लापरवाही या अधिकारियों की मिलीभगत की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम

कोर्ट ने आरबीआई और बैंकों से कहा कि वे ऐसे मामलों में समय पर और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। सुनवाई के दौरान अदालत ने बताया कि आरबीआई ने पहले ही एक एसओपी तैयार किया है, जिसके तहत साइबर फ्रॉड की आशंका होने पर अस्थायी रूप से डेबिट कार्ड को होल्ड पर डालने जैसी त्वरित कार्रवाई का प्रावधान है। इसका उद्देश्य धोखाधड़ी से होने वाले नुकसान को तुरंत रोकना है।

अंतर-विभागीय समन्वय के लिए बड़ा आदेश

डिजिटल अपराधों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक और अहम निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि अंतर-विभागीय एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के लिए चार सप्ताह के भीतर एक ड्राफ्ट मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) तैयार किया जाए। अदालत ने साफ शब्दों में कहा हम केंद्र सरकार को निर्देश देते हैं कि वह आरबीआई की एसओपी को औपचारिक रूप से अपनाए और पूरे भारत में लागू करे, ताकि डिजिटल धोखाधड़ी से निपटने में एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय हो सके। अदालत ने सीबीआई को निर्देश दिया है कि वह देशभर में सामने आए डिजिटल अरेस्ट मामलों की पहचान करे और उनसे जुड़े तथ्यों की विस्तृत जांच की जाए।

पंजाब सरकार ने नौजवानों को नशों से दूर रखने के उद्देश्य से खेलों की ओर प्रेरित करने के लिए पंजाब क्रिकेट लीग को दी मंजूरी: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 9 फरवरी-पंजाब की खेल विरासत बहाल करके नशों को खत्म करने के दृढ़ संकल्प के तहत भगवंत मान सरकार ने आज पंजाब क्रिकेट लीग (पी.सी.एल.) की शुरुआत को मंजूरी दे दी है। इस लीग के तहत खेलों को एक आउटरीच कार्यक्रम की बजाय नौजवानों के सशक्तिकरण के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप के रूप में देखा जाएगा। इंडियन प्रीमियर लीग (आई.पी.एल.) की तर्ज पर जिला और क्षेत्रीय स्तर पर टीमें बनाकर और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बी.सी.सी.आई.) तथा पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पी.सी.ए.) के सहयोग से करवाई जाने वाली इस लीग का उद्देश्य नौजवान प्रतिभा की पहचान करना, तैयार करना और पेशेवर राह पर ले जाना है। इसके साथ ही इसका उद्देश्य खेलों में जिला और राज्य-स्तरीय लीगों का एक व्यापक इको-सिस्टम स्थापित करना है ताकि राज्य के नौजवानों को नशों से दूर रखकर अनुशासन, नए मौकों और राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व की ओर ले जाया जा सके। मीटिंग में लिए गए कुछ फैसलों के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आज चंडीगढ़ में खेल और युवक सेवाएं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए मीटिंग की, जिसमें राज्य भर में खेल संस्कृति को उत्साहित करने पर विचार-विमर्श किया गया। सभी अधिकारियों को हिदायत की गई कि वे एक स्वस्थ समाज की सृष्टि के उद्देश्य से नौजवानों को खेलों में हिस्सा लेने के लिए उत्साहित करने में अपना अधिकतम योगदान दें। सरकार द्वारा राज्य में खेल संस्कृति बहाल करने और राज्य भर के नौजवानों को खेल मैदानों से जोड़ने के लिए लगातार काम किए जा रहे हैं। खेल विभाग की समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य भर से नौजवान प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के तालमेल से पंजाब क्रिकेट लीग करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी पहलकदमियों ने विश्व क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, इमरान खान और अर्जुन राणातुंगा जैसे क्रिकेटरों ने

ऐसी पहलकदमियों के माध्यम से विश्व क्रिकेट को कई प्रसिद्ध खिलाड़ी दिए और यह लीग पंजाब को क्रिकेट प्रतिभा की नर्सरी के रूप में उभारने में बहुत मदद करेगी। प्रस्तावित लीग ढांचे के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह लीग इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर करवाई जाएगी और टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए सभी जिलों और माझा, दोआबा तथा मालवा जैसे भौगोलिक क्षेत्रों के आधार पर टीमें बनाई जाएंगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह लीग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट टूर्नामेंटों के लिए क्रिकेटरों का प्रतिभाशाली पूल पैदा करने में मदद करेगी। इसके साथ ही उन्होंने राज्य भर में अन्य खेलों को उत्साहित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वॉलीबॉल, फुटबॉल, हॉकी, बास्केटबॉल, खो-खो और कबड्डी जैसी खेलों के लिए भी जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय लीग टूर्नामेंट करवाए जाने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार अच्छी तरह प्रशिक्षित और प्रतिभाशाली खिलाड़ी पैदा करने के लिए ठोस अभियान पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य यह यकीनी बनाना है कि अधिक से अधिक पंजाबी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय खेल मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व करें। पंजाब की अमीर खेल विरासत के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य में खेल प्रतिभा का भंडार है और सरकार इसे बढ़ने-फूलने में मदद करने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि पंजाब के नौजवानों में अथाह खेल प्रतिभा है और राज्य सरकार खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिस्सा लेकर देश के लिए तगमे जीतने योग्य बनाने के खातिर कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि खेल नौजवानों को आगे बढ़ने और राज्य का नाम रौशन करने के लिए सही दिशा प्रदान करते हुए हमारे नौजवानों को बुलंदियों छूने और अपनी शख्सियत निखारने के बेमिसाल मौके देते हैं। भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि सरकार खेल के क्षेत्र में राज्य की पुरातन शान बहाल करने के लिए दृढ़ है। शेष पृष्ठ 3 पर

'हथियार डाल दो, विकास की मुख्यधारा में शामिल हो जाओ'

बस्तर में माओवादियों से शाह की अपील

● गृह मंत्री शाह ने कहा कि यह क्षेत्र अब देश के सामने एक चमकते उदाहरण के रूप में उभर रहा है।

● 'पांच साल के भीतर, बस्तर छत्तीसगढ़ का सबसे विकसित डिवीजन बन जाएगा।'

एजेंसी

मुंबई। रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को माओवादियों से हथियार डालने और विकास की मुख्यधारा में शामिल होने की अपनी अपील दोहराई। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि आदिवासी गांवों की सुरक्षा और भविष्य सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बस्तर पंडुम उत्सव के समापन समारोह के दौरान गृह मंत्री शाह ने आदिवासियों की एक सभा को संबोधित किया। उन्होंने हथियार रखने वालों से सरेंडर करने की अपील की और उन्हें राज्य के आकर्षक पैकेज के तहत सम्मानजनक पुनर्वास का आश्वासन दिया, जिससे पहले ही 2,500 से ज्यादा लोग हिंसा छोड़ चुके हैं। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लगाते हैं, गांवों पर हमला करते हैं, या स्कूलों

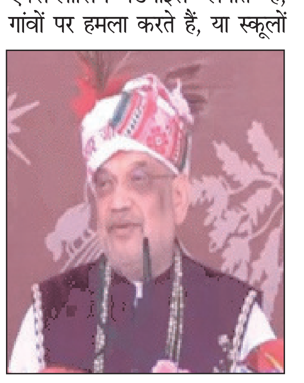

को नष्ट करते हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंसा का कड़ा विरोध किया जाएगा और माओवाद ने सिर्फ़ विनाश ही किया है।

बस्तर में हुए बदलाव पर प्रकाश डालते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि यह क्षेत्र अब देश के सामने एक चमकते उदाहरण के रूप में उभर रहा है। दशकों से बंद स्कूल फिर से खुल गए हैं। उन्होंने वादा किया कि पांच साल के भीतर, बस्तर छत्तीसगढ़ का सबसे विकसित डिवीजन बन जाएगा। गृह मंत्री शाह ने बस्तर के आदिवासी लोगों की एक बड़ी सभा को बताया कि 27 दिसंबर तक हर गांव में बिजली, मोबाइल कनेक्टिविटी और अस्पतालों, कॉलेजों, डाकघरों और अन्य ज़रूरी सुविधाओं तक पूरी पहुंच होगी।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार सभी आदिवासी किसानों का धान खरीदेगी और मुफ्त चावल, गैस सिलेंडर और पाइप से पानी देगी, जबकि नक्सलवाद खत्म होने के बाद एडवेंचर टूरिज्म, होमस्टे, कैनोपी वॉक और ग्लास ब्रिज जैसे नए अवसरों को बढ़ावा देगी। इस दौरान गृह मंत्री शाह ने कई बड़ी विकास परियोजनाओं की घोषणा की: एक नया 118 एकड़ का औद्योगिक क्षेत्र, इंद्रावती नदी पर एक सिंचाई और 120-मेगावाट बिजली परियोजना, पहले से चल रही 3,500 करोड़ रुपए की रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन, नदी जोड़ने की पहल और 90 हजार युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण।

मेरे नाबालिग बच्चों को राजनीतिक विवाद में घसीटना अस्वीकार्य : गौरव गोगोई

● गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री की कड़ी आलोचना की

एजेंसी

गुवाहाटी। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने सोमवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की कड़ी आलोचना की, जिन्होंने कथित तौर पर उनके नाबालिग बच्चों को राजनीतिक विवाद में घसीटा। उन्होंने सीएम सरमा के इस कदम को अस्वीकार्य और राजनीतिक शिष्टाचार की सभी हदें पार करने वाला बताया। गोगोई ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीतिक लड़ाई सख्ती से नेताओं के बीच लड़ी जानी चाहिए और इसमें बच्चों को कभी भी शामिल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने पांच साल और नौ साल के बच्चों के बारे में की गई टिप्पणियों पर दुख व्यक्त किया और कहा कि ऐसी बातों की सार्वजनिक चर्चा में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं अपने ऊपर होने वाले किसी भी व्यक्तिगत हमले का सामना करने के लिए तैयार हूं, लेकिन अगर मेरे बच्चों, कांग्रेस

कार्यकर्ताओं या आम नागरिकों को निशाना बनाया जाता है तो मैं चुप नहीं रहूंगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसी हरकतें जारी रहीं तो वह इस मुद्दे को आखिर तक ले जाएंगे। गौरव गोगोई ने सीएम सरमा को व्यक्तिगत मामलों को और आगे न बढ़ाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उनके बच्चों से संबंधित जानकारी का खुलासा करने की हद पार कर दी है। हम उनके परिवार के बारे में भी जानते हैं। हर कोई जानता है। लेकिन, हमने कभी भी ऐसा व्यवहार नहीं किया है। इन टिप्पणियों से असम को शर्मिंदगी हुई है।

भाजपा सांसदों ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा-

'इनके पास कोई मुद्दा नहीं, जनता को कर रहे गुमराह'

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की ओर से लाए जा रहे अविश्वास प्रस्ताव पर भाजपा सांसदों ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा सांसदों ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वे इसको लेकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा, 'लोकसभा स्पीकर विपक्ष के नेताओं को लगातार नियमों के तहत मार्गदर्शन दे रहे हैं, लेकिन विपक्ष उनके निर्देशों का पालन करने को तैयार नहीं है। चाहे वह कोई भी प्रस्ताव लाए, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।' भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा, 'विपक्ष जानता है कि अविश्वास प्रस्ताव का कोई असर नहीं होगा, लेकिन वे मीडिया में बने रहने के लिए इसे उछाल रहे हैं। पिछले कई सालों से वे निरंतर गलत मुद्दों पर चर्चा करने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे कि स्पीकर के खिलाफ आरोप लगाया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व कई बार चुनाव हार

चुका है और अब वे सिर्फ सुर्खियां बनाने के लिए यह सब कर रहे हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि स्पीकर ओम बिरला को बहुमत से चुना गया था और सदन में एनडीए का बहुमत है, ऐसे में विपक्ष का यह कदम व्यर्थ है। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, 'विपक्ष के पास कहने को कुछ नहीं है, इसलिए वे सदन में व्यवधान डाल रहे हैं।

बंगाल एसआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, एक हफ्ता बढ़ाई डेड लाइन, डीजीपी से मांगा हलफनामा

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को पश्चिम बंगाल के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) मामले पर सुनवाई हुई। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अन्य नेताओं की याचिकाओं पर यह सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में दस्तावेजों की पड़ताल और फाइनल वोटर लिस्ट की समयसीमा को 1 हफ्ते बढ़ाया। पहले फाइनल वोटर लिस्ट जारी करने की डेडलाइन 14 फरवरी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार सुनिश्चित करें कि उसकी ओर से उपलब्ध कराए गए 8505 ग्रुप बी के अधिकारी कल शाम 5 बजे तक निर्वाचन अधिकारी (निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी) को रिपोर्ट करें। ईसीआई चाहे तो अपने अधिकारियों की जगह इन अधिकारियों की सेवा ले सकता है। कोर्ट ने साफ किया कि माइक्रो ऑब्जर्वर या ग्रुप बी के अधिकारियों की भूमिका सिर्फ ईआरओ को सहयोग करने की रहेगी। वोटर लिस्ट पर अंतिम फैसला ईआरओ ही लेंगे। चुनाव आयोग की ओर से कोर्ट को शिकायत की गई कि ऑब्जेक्शन फॉर्म जलाने वाले लोगों के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की है। कोर्ट ने इस पर राज्य के डीजीपी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा कि डीजीपी हलफनामा दाखिल करें।

वहीं, सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्र उदय सिंह ने कहा कि नोटिस के जवाब पर चर्चा होनी चाहिए। शुरुआत में वकीलों की दलीलों में तालमेल न होने से चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि सब एक साथ बोल रहे हैं और एक-दूसरे की बात काट रहे हैं, जिससे सुनवाई करना मुश्किल हो रहा है। इसके बाद ममता बनर्जी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दिवान ने दलीलें शुरू कीं।

बाबा सिद्दीकी हत्या मामले के आरोपी आकाशदीप को मिली सशर्त जमानत

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सोमवार 9 फरवरी को इस केस के आरोपी आकाशदीप करज सिंह को सशर्त जमानत दी है। आकाशदीप इस मामले में जमानत पाने वाला पहला आरोपी है। न्यायमूर्ति नीला गोखले की एकल पीठ ने जमानत देते हुए स्पष्ट निर्देश दिया है कि मामले की सुनवाई पूरी होने तक आरोपी मुंबई नहीं छोड़ेगा। बता दें कि 12 अक्टूबर 2024 की रात मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में बाबा सिद्दीकी (66) की उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात को तीन हमलावरों ने अंजाम दिया था। मुंबई पुलिस ने इस मामले में पंजाब निवासी आकाशदीप करज सिंह (22) को नवंबर 2024 में गिरफ्तार किया था। जमानत याचिका में आकाशदीप सिंह ने खुद को निर्दोष बताते हुए दावा किया था, कि उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है। आरोपी का कहना था कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोप अस्पष्ट हैं और अभियोजन पक्ष ने हत्या में उसकी कोई विशिष्ट भूमिका स्पष्ट नहीं की है। याचिका में यह भी कहा गया कि उस पर केवल एक संगठित अपराध गिरोह का सदस्य होने का आरोप लगाया गया है, जबकि हत्या की साजिश या वारदात में उसकी सीधी संलिप्तता साबित नहीं होती। आरोपी की ओर से पेश वकील ने कोर्ट में दलील दी कि इस मामले की सुनवाई निकट भविष्य में शुरू होने की संभावना नहीं है और बिना ट्रायल के लंबे समय तक जेल में रखना आरोपी के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। इसी आधार पर जमानत की मांग की गई थी।

पटना में शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 को लेकर अभ्यर्थियों ने जोरदार प्रदर्शन किया

पटना (एजेंसी)। पटना में शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 को लेकर अभ्यर्थियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की शुरुआत पटना कॉलेज से हुई, जो करीब दो घंटे बाद जेपी गोलंबर पर आकर खत्म हुआ। अभ्यर्थी हाथों में 'शिक्षा मंत्री झूठा है' और 'आई लव टीआरआई-4' लिखे पोस्टर लेकर नीतिश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते दिखाई दिए। इस दौरान पुलिस ने उन्हें काफी समझाने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी जेपी गोलंबर तक पहुंचना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। बैरिकेडिंग के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच झूमाझटकी हुई। कई अभ्यर्थियों ने बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जबकि कुछ छात्र बैरिकेड के ऊपर चढ़ गए, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। दरअसल बीपीएससी ने वर्ष 2026 तक आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया है, लेकिन इसमें शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 का कोई उल्लेख नहीं है। इस बात को लेकर अभ्यर्थियों का आरोप है कि सरकार जानबूझकर टीआरई-4 को टालना चाहती है। कैलेंडर से टीआरई-4 के गायब रहने से हजारों अभ्यर्थियों में गुस्सा और निराशा दोनों बढ़ गई है। पिछले सोमवार को जारी बीपीएससी के परीक्षा कैलेंडर में 70वीं, 71वीं और 72वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (सीसीई), न्यायिक सेवा, एपीओ, तकनीकी और प्रशासनिक पदों सहित 50 से अधिक भर्तियों की संभावित तिथियां दी गई हैं। इस कैलेंडर में विशेष शिक्षक, सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी जैसी भर्तियों का भी जिक्र है, लेकिन टीआरई-4 पूरी तरह नदारद है।

जोधपुर दौरे पर पहुंची थाईलैंड की राजकुमारी....रातोंरात हो गया शहर का कायाकल्प

जोधपुर (एजेंसी)। थाईलैंड की राजकुमारी सिरीवनावरी नरीरत्ना राजकन्या राजस्थान के जोधपुर दौरे पर है। रविवार को जोधपुर के एयरपोर्ट स्टेशन से राजकन्या उम्मेद भवन पैलेस पहुंची यहां से रात को घंटाघर और भीतरी शहर के हवेली में पहुंची। जहां पर उन्होंने डिनर किया। सोमवार को उनका जोधपुर के मेहरानगढ़ किला जसवंत थड़ा सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर जाने का कार्यक्रम है। थाईलैंड की राजकुमारी के स्वागत में जोधपुर पुलिस भी पूरी तरह से अलर्ट पर है। उनके जोधपुर दौरे को देखकर पुलिस ने भारी सुरक्षा और यातायात के बंदोबस्त किए गए हैं। वीवीआईपी मूवमेंट को लेकर शहर में कई जगहों पर यातायात रोक दिया गया। इसके चलते लोग जाम में भी फंसे नजर आए। जहां जोधपुर के घंटाघर बाजार में भी आम दिनों में जहां अतिक्रमण और ठेलों की भीड़भाड़ रहती है। वह भी राजकुमारी के दौरे के कारण साफ सुथरा नजर आया। इस लेकर भी शहर के लोगों ने सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि जब एक दिन में पूरी तरह से व्यवस्था बदल सकती है, तब बाकी दिनों में घंटाघर का बाजार अतिक्रमण, जाम और पार्किंग की वजह से क्यों बदहाल नजर आता है।

सोनम वांगचुक की हिरासत से जुड़े मामले में सुनवाई टली.... अब बुधवार को फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक की हिरासत से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई बुधवार को होगी। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) केएम नटराज ने मामले की सुनवाई एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का अनुरोध किया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने लंबी अवधि के स्थगन की मांग स्वीकार नहीं कर मामले को बुधवार के लिए सूचीबद्ध किया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल से सवाल किया कि इस मामले में अब तक क्या प्रगति हुई है। दरअसल, पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति को देखकर उनकी हिरासत पर पुनर्विचार करने का सुझाव दिया था और केंद्र सरकार से इस संबंध में उचित निर्णय लेने को कह दिया था। केंद्र सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि वांगचुक को हिरासत के दौरान बेहतर चिकित्सा सुविधा और इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार ने अदालत को आश्वासन दिया कि उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। गौरतलब है कि लद्दाख में 24 सितंबर को हुई हिंसा में चार लोगों की जान गई थी। यह हिंसा लेह में लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई। करीब 90 लोग हिंसा के दौरान घायल हुए थे। बाद में, 26 सितंबर को सोनम वांगचुक को लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़काने के आरोप में हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल में भेजा गया। इसके अलावा, प्रशासन ने चार लोगों की मौत के मामले में मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया है।

क्या रूस छोड़कर अमेरिका से तेल खरीदेगा भारत, मंत्री पीयूष गोयल ने स्थिती स्पष्ट कर दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते पर देश का दृष्टिकोण स्पष्ट किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका से कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी की खरीद भारत के रणनीतिक हितों के अनुकूल है, क्योंकि इससे भारत को अपने ऊर्जा संसाधनों में विविधता लाने का अवसर मिलता है। गोयल के अनुसार, व्यापार समझौते का मुख्य उद्देश्य दो देशों के बीच कारोबार के रास्ते को सुगम बनाना और प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारतीय उत्पादों को विशेष पहुंच प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 18 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क होने के बावजूद, यह समझौता भारत को अन्य विकासशील देशों के मुकाबले बढ़त दिलाता है, जो वैश्विक बाजार में भारत के प्रमुख प्रतिस्पर्धी हैं।

भारत की भविष्य की ऊर्जा और तकनीकी जरूरतों पर चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने एक बड़ा लक्ष्य सामने रखा। उन्होंने कहा कि भारत को अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने में कोई कठिनाई नहीं होगी। उन्होंने इस आंकड़े को काफी रूढ़िवादी बताया और कहा कि 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखने वाले देश के लिए यह राशि बहुत कम है। गोयल ने स्पष्ट किया कि अकेले विमानन क्षेत्र के लिए ही भारत को कम से कम 100 अरब डॉलर से अधिक की आवश्यकता है। इसके अलावा, भारत वर्तमान में अन्य देशों से जो 300 अरब डॉलर का सामान आयात कर रहा है, उसे आसानी से अमेरिकी बाजार की ओर मोड़ा जा सकता है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को और मजबूती मिलेगी।

रणनीतिक पहलुओं पर बात करते हुए पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि व्यापार समझौता यह तय नहीं करता कि कौन खरीदार किससे और क्या खरीदेगा। तेल या अन्य संसाधनों की खरीद के फैसले मुख्य रूप से घरेलू खरीदारों द्वारा ही लिए जाते हैं। जब उनसे रूसी तेल की खरीद और उस पर अमेरिका के साथ हुई डील के संभावित प्रभाव के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने बहुत ही नपे-तुले अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह मामला उनके मंत्रालय के दायरे में नहीं आता और भू-राजनीतिक मुद्दों पर विदेश मंत्रालय ही बेहतर जानकारी दे सकता है। उन्होंने यह संकेत दिया कि विभिन्न मंत्रालय अपने निर्धारित क्षेत्रों में काम करते हैं और व्यापारिक समझौतों का प्राथमिक उद्देश्य आर्थिक लाभ और बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करना होता है। दोनों देशों द्वारा जारी संयुक्त बयान के अनुसार, भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिकी ऊर्जा उत्पादों, विमानों के पुर्जे, कीमती धातुओं, प्रौद्योगिकी उत्पादों और कोकिंग कोयले की खरीद में गहरी रुचि दिखाई है। यह समझौता न केवल दोनों देशों के बीच व्यापारिक घाटे को कम करने में मदद करेगा, बल्कि भारत की रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेगा। पीयूष गोयल के बयानों से यह साफ है कि भारत अपनी संप्रभुता और रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखते हुए अमेरिका के साथ एक मजबूत और दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

कोविड वैक्सीन को लेकर फैलाई गई भ्रांतियां सिरे से खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोविड वैक्सीन और महिलाओं की फर्टिलिटी के बीच किसी भी तरह के नकारात्मक प्रभाव का कोई प्रमाण नहीं है। लगभग 60,000 महिलाओं पर किए गए एक बड़े वैज्ञानिक अध्ययन ने कोविड-19 वैक्सीनेशन को लेकर फैलाई गई भ्रांतियों को सिरे से खारिज कर दिया है। कोविड-19 वैक्सीनेशन को लेकर शुरुआत से ही कई तरह की भ्रांतियां फैलाई जाती रही हैं—खासकर सोशल मीडिया पर यह मिथक बार-बार दोहराया गया कि कोरोना वैक्सीन महिलाओं की प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकती है या गर्भधारण की संभावना कम कर देती है। महामारी के बाद के वर्षों में कुछ देशों, विशेषकर स्वीडन में, जन्म दर में गिरावट दर्ज की गई थी। इससे यह आशंका उभरी कि कहीं यह कमी वैक्सीनेशन की वजह से तो नहीं हुई। इसी सवाल का जवाब खोजने के लिए स्वीडन की लिंकोपिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने विस्तृत अध्ययन किया। सोशल मेडिसिन के प्रोफेसर टॉमस टिम्पका के नेतृत्व में हुए इस शोध में स्पष्ट कहा गया कि कोविड-19 के खिलाफ एमआरएनए वैक्सीन का जन्म दर में आई कमी से कोई लेना-देना नहीं है। टिम्पका के शब्दों में, 'हमारा निष्कर्ष यही है कि वैक्सीनेशन और जन्म दर में गिरावट के बीच संबंध होने की संभावना बेहद कम है।' इस अध्ययन में वैक्सीनेटेड और नॉन-वैकसीनेटेड महिलाओं के बीच बच्चों के जन्म और गर्भपात के मामलों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं मिला। वैज्ञानिकों ने 18 से 45 वर्ष की लगभग 60,000 महिलाओं के हेल्थ रिकॉर्ड का गहन विश्लेषण किया। इनमें से 75 प्रतिशत महिलाओं को 2021 से 2024 के बीच एक या दो बार कोविड वैक्सीन लगाई गई थी। शोध में जन्म, गर्भपात, टीकाकरण और मौतों से जुड़े सभी आंकड़ों को शामिल किया गया। अध्ययन की सबसे अहम बात यह है कि इसमें सामान्य गर्भाधान और गर्भावस्था पर प्रभाव की जांच की गई, जबकि पहले की अधिकांश स्टडीज सिर्फ इनफर्टिलिटी ट्रीटमेंट करा रहे जोड़ों पर केंद्रित थीं। उम्र, पूर्व बीमारियां और अन्य कारक जो गर्भधारण को प्रभावित कर सकते हैं, उन्हें भी विश्लेषण में शामिल किया गया। पिछले कई अध्ययनों की तरह इस रिसर्च में भी यह तथ्य दोहराया गया कि कोविड संक्रमण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक खतरनाक साबित हो सकता है, जबकि वैक्सीनेशन इस जोखिम को काफी हद तक कम कर देता है।

महिला बोली सॉरी ! गलती से मैसेज पहुंच गया, व्यक्ति ने शुरु की चैटिंग, गवां दिए 70 लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। साइबर ठगों ने एक विक्टिम के बैंक खाते से 70 लाख रुपए उड़ा दिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बेंगलुरु स्थित प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले 50 साल के एक व्यक्ति के पास टेलीग्राम पर एक महिला का मैसेज आया। महिला ने अपना नाम प्रिया बताया, इसके बाद उसने कहा कि वह किसी राहुल नाम के व्यक्ति को मैसेज कर रही थीं और गलती से विक्टिम से पास पहुंच गया। महिला ने सॉरी कहकर मैसेज इग्नोर करने को कहा। इसके बाद विक्टिम ने चैटिंग जारी रखी। फिर दोनों के बीच वॉट्सऐप नंबर शेयर किए गए। फिर महिला ने कहा कि वह लंदन बेस्ड कंपनी में काम करती है और अपने परिवार का बिजनेस चलाती है। लंबी चैटिंग के बाद महिला ने विक्टिम का भरोसा जीत लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने बिटकॉइन ट्रेडिंग पर चर्चा शुरू कर दी। महिला ने बताया कि बीते पांच साल में उन्होंने बिटकॉइन ट्रेडिंग से मोटी कमाई की है। इसके बाद महिला ने विक्टिम को इनवेस्टमेंट के लिए राजी कर लिया और इंस्टैंट प्रोफिट का भी वादा किया। इसके बाद विक्टिम को एक लिंक शेयर किया। विक्टिम ने जब लिंक पर क्लिक किया तो वह उसको एक ऐसे प्लेटफॉर्म पर लेकर गया, जो देखने में ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जैसा था। इसके बाद शख्स ने वहां अकाउंट क्रिएट किया और 9 दिसंबर को पहला इनवेस्टमेंट किया। इस इनवेस्टमेंट का अमाउंट 50 हजार रुपए था। विक्टिम ने कुछ समय इंतजार किया और उनको डैशबोर्ड पर प्रोफिट नजर आने आया। इसके बाद विक्टिम ने 8 अलग-अलग बैंक अकाउंट में 60 लाख रुपए ट्रांसपर कर दिए। इसके बाद व्यक्ति ने बैंक से लोन तक लिया और रुपये लगा दिए। विक्टिम को प्रोफिट के रूप में 2.6 करोड़ रुपये नजर आने लगे। साइबर ठगी का खुलासा तब हुआ, जब विक्टिम ने अपने प्रोफिट के रुपए निकालने की कोशिश की। इसके बाद विक्टिम के प्रयास असफल रहे।

औवेसी ने सीएम सरमा के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की... वीडियो को लेकर विवाद

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग कर हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर को औपचारिक शिकायत दी। औवेसी ने यह शिकायत एक कथित विवादित और अब डिलीट हो चुके वीडियो को लेकर की गई है, जिसमें सीएम सरमा को मुसलमानों पर गोली चलाते हुए दिख रहे है। पुलिस कमिश्नर को लिखे पत्र में ओवैसी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सरमा पिछले कई वर्षों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, सार्वजनिक भाषणों और अन्य मंचों के माध्यम से मुस्लिम समुदाय के खिलाफ बयान दे रहे हैं, जिसमें से कई बयान अब भी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध हैं।

हाल के महीनों में मुख्यमंत्री सरमा ने जानबूझकर अपने नफरत भरे भाषणों को और तेज किया है, जिसका साफ और सचेत इरादा मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना और हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दुश्मनी और नफरत को बढ़ाना है। ओवैसी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने शाहीन अब्दुल्ला बनाम यूनियन ऑफ इंडिया और अन्य के मामले में साफ तौर पर कहा है कि मौलिक अधिकारों की रक्षा करना, संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखना और राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक चरित्र, विशेष रूप से कानून के शासन की रक्षा करना राज्य और कानून लागू करने वाली एजेंसियों का संवैधानिक कर्तव्य है। सुप्रीम कोर्ट ने आगे निर्देश दिया कि पुलिस को औपचारिक शिकायत के अभाव में भी नफरत भरे भाषणों के मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं यह बताना चाहता हूं कि असम भारतीय जनता पार्टी के आधिकारिक एक्स अकाउंट द्वारा 7 फरवरी को पोस्ट किया गया हालिया वीडियो, जिस वीडियो को एक दिन बाद हटा दिया गया था लेकिन अभी भी सोशल मीडिया पर उपलब्ध है, उसमें सरमा को हथियार से लैस दिखाया गया है और वे उन लोगों को निशाना बना रहे हैं जिन्हें साफ तौर पर मुसलमान दिखाया गया है और उन्हें गोली मार रहे हैं। उक्त पोस्ट और वीडियो, उसमें इस्तेमाल की गई तस्वीरों और पॉइंट ब्लैंक शॉट और कोई दया नहीं जैसे बयानों के साथ, मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, धार्मिक समुदायों के बीच नफरत और दुर्भावना को बढ़ावा देने और सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के इरादे से किया गया एक जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य है।

हिमालया का लिव 52 नकली बनाकर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफास, 5 गिरफ्तार

गाजियाबाद (एजेंसी)। मुरादनगर पुलिस ने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह एक प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक कंपनी के नाम का दुरुपयोग कर लीवर की प्रसिद्ध दवा लिव-52 की नकली टैबलेट बनाकर बाजार में बेच रहा था। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान गिरोह के सरगना मयंक अग्रवाल सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से लगभग 50 हजार नकली टैबलेट, डेढ़ हजार खाली सफेद डिब्बियां, भारी मात्रा में रैपर और अन्य पैकेजिंग सामग्री बरामद की गई है। इस सफलता पर पुलिस टीम को 20 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की गई है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोदीनगर निवासी सरगना मयंक अग्रवाल, दिल्ली निवासी अनूप गर्ग, नंदग्राम के तुषार ठाकुर व आकाश ठाकुर और निवाड़ी के नितिन त्यागी के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी नितिन त्यागी 2023 में नगर पंचायत अध्यक्ष पद का निर्दलीय चुनाव भी लड़ चुका है, जबकि तुषार ठाकुर गाजियाबाद के एक मेडिकल कॉलेज में पैरामेडिकल द्वितीय वर्ष का छात्र है। तुषार को दवाओं की तकनीकी जानकारी थी, जिसका उपयोग वह सप्लाई और कूरियर नेटवर्क संभालने में करता था।इस अवैध धंधे का खुलासा तब हुआ जब संबंधित नामी कंपनी के प्रतिनिधियों को अलीगढ़ के बाजार में नकली दवाएं बेचे जाने की गुप्त सूचना मिली। जांच करने पर पता चला कि इन दवाओं की खेप मुरादनगर से कूरियर के जरिए भेजी गई थी। पुलिस ने कूरियर कंपनी से मिले सुरागों के आधार पर एनपी ट्रेडिंग नामक एक फर्म का पता लगाया, जिसे फर्जी तरीके से पंजीकृत कराया गया था। 3 जनवरी 2026 को इस संबंध में औपचारिक मामला दर्ज किया गया, जिसके बाद पुलिस ने साक्ष्य जुटाते हुए आरोपियों को दबोच लिया।

अभी भी गिरोह के छह अन्य सदस्य फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। पूछताछ के दौरान गिरोह के काम करने के संगठित तरीके का खुलासा हुआ। आरोपियों ने महज चार महीने पहले ही यह काम शुरू किया था। वे मेरठ से सफेद डिब्बियां और ढक्कन बनवाते थे, जबकि खैरनगर में प्रिंटिंग प्रेस के जरिए हूबहू दिखने वाले रैपर तैयार कराए जाते थे। नकली टैबलेट्स का निर्माण सोनीपत स्थित एक प्रयोगशाला में कराया जा रहा था। इन सभी सामानों को एकत्र करने के बाद मुरादनगर में इनकी पैकिंग की जाती थी। गिरोह ने जीएसटी की फर्जी बिलिंग के लिए भी अलग से इंतजाम कर रखे थे ताकि किसी को शक न हो। यह गिरोह अब तक उत्तर प्रदेश के कई जिलों जैसे अलीगढ़, मथुरा, बिजनौर, आगरा, मेरठ और शामली में 50 हजार से अधिक नकली गोलियां खपा चुका है। वे मेडिकल स्टोर संचालकों को असली दवा के बाजार भाव से 20 प्रतिशत कम कीमत पर यह माल उपलब्ध कराते थे। पुलिस अब उन मेडिकल स्टोर संचालकों की भी भूमिका की जांच कर रही है जिन्होंने कम मुनाफे के चक्कर में इन नकली दवाओं को खरीदा। डीसीपी देहात ने बताया कि बरामद दवाओं के सैंपल लैब में जांच के लिए भेज दिए गए हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन नकली दवाओं में किन हानिकारक तत्वों का उपयोग किया गया था। यह मामला न केवल कॉपीराइट का उल्लंघन है, बल्कि आम जनता के जीवन के साथ किया गया एक गंभीर अपराध भी है।

खामियों से भरी मतदाता सूची से ही चुनाव कराना चाहती हैं ममता बनर्जी: भाजपा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राज्य सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा इस प्रक्रिया के विरोध पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) राज्य में पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश कर रही है और गलतियों से भरी मतदाता सूची के सहारे चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में है।

पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और सांसद समिक भट्टाचार्य ने राज्य सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा एसआईआर प्रक्रिया को पूरी तरह से समाप्त करना है। उन्होंने दावा किया कि सत्ताधारी दल त्रुटिपूर्ण वोटर लिस्ट के साथ चुनाव कराने के लिए बेताब है ताकि चुनावी लाभ लिया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बंगाल में हिंसा का दौर थम नहीं रहा है। भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद बड़े पैमाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुईं और महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध किए गए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां इन मामलों की जांच कर रही हैं, लेकिन स्थानीय पुलिस साक्ष्यों को मिटाने के प्रयासों में जुटी है। वहीं, भाजपा के दिग्गज नेता दिलीप घोष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर किए जाने को ड्रामा करार दिया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य सरकार जब भी शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाती है, उसे हार का सामना करना पड़ता है क्योंकि उनकी अपीलों का कोई ठोस कानूनी आधार नहीं होता। घोष ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार लोगों को न्याय देने में विफल रही है, जिसके कारण आम जनता को बार-बार अदालतों की शरण लेनी पड़ती है। दिलीप घोष ने ममता सरकार पर तुष्टीकरण और विपक्षी दमन का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के गांवों में महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं और विपक्षी कार्यकर्ताओं को निरंतर प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे क्षेत्रों में विशेष समुदाय के लोगों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। भाजपा नेताओं ने पुलिस की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े किए और आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन टीएमसी के एक अंग के रूप में कार्य कर रहा है। इन बयानों के बाद बंगाल की राजनीति में एक बार फिर संवैधानिक प्रक्रियाओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई बहस छिड़ गई है।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता : गुजरात के उद्योगों के लिए विकास का नया द्वार

– टैरिफ में बड़ी कटौती से टेक्सटाइल, हीरा, फार्मा, केमिकल और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर को मिलेगा अभूतपूर्व लाभ

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौता किया गया है, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह समझौता विशेष रूप से गुजरात के उद्योगों के लिए विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर लगाए गए कड़े टैरिफ को लगभग 50 प्रतिशत से घटाकर करीब 18 प्रतिशत कर दिया है। इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की कीमतें अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगी और उनकी मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में गुजरात आज भारत का सबसे बड़ा निर्यातक राज्य बन चुका है। राज्य में टेक्सटाइल, फार्मास्युटिकल्स, केमिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स, जेम्स एंड ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में मजबूत औद्योगिक आधार मौजूद है। इस व्यापार समझौते से इन सभी क्षेत्रों को नया प्रोत्साहन मिलेगा। इस समझौते का सबसे अधिक लाभ टेक्सटाइल और कपड़ा उद्योग को मिलने की संभावना है। टैरिफ में कमी के चलते गुजरात के गारमेंट और होम टेक्सटाइल उत्पाद अन्य देशों की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। इसके परिणामस्वरूप मध्यम अवधि में टेक्सटाइल निर्यात में 100 से 150 प्रतिशत तक की वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। इससे राज्य के प्रमुख टेक्सटाइल क्लस्टरों में उत्पादन बढ़ेगा, अमेरिका से नए ऑर्डर प्राप्त होंगे और उद्योग की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी।

यह समझौता विशेष रूप से सूरत के लिए नई उम्मीद लेकर आया है। दुनिया के सबसे बड़े डायमंड पॉलिशिंग हब के रूप में पहचाने जाने वाले सूरत के हीरा उद्योग को इस निर्णय से बड़ा फायदा होगा। टैरिफ में कटौती से उद्योग का मार्जिन सुधरेगा और मांग में पुनः तेजी आएगी। साथ ही, पहले उच्च टैरिफ के कारण हुए नुकसान की भरपाई होगी और अमेरिकी बाजार में हीरा उद्योग की पकड़ फिर से मजबूत होगी।

इसके अलावा, भरूच, वापी और अहमदाबाद स्थित केमिकल और फार्मा क्लस्टरों को भी इस व्यापार समझौते से बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। पहले इन क्षेत्रों के निर्यात में लगभग 25-30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी, अब इसमें सुधार आएगा और उद्योगों को नई गति मिलेगी। कई फार्मास्युटिकल उत्पादों को शून्य या कम शुल्क का लाभ मिलने से अमेरिका जैसे रेगुलेटेड मार्केट में गुजरात की स्थिति और मजबूत होगी।

रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में, विशेष रूप से सोलर मैन्युफैक्चरिंग को इस समझौते से नया प्रोत्साहन मिलेगा। सोलर पैनल और उनके कंपोनेंट्स का उत्पादन बढ़ेगा और अमेरिका को इनका निर्यात अब व्यावसायिक रूप से अधिक लाभकारी होगा। इससे वैश्विक सप्लाई चेन में गुजरात की भूमिका और सशक्त बनेगी।

इसके साथ ही, ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े हस्तशिल्प और पारंपरिक कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को भी अमेरिकी बाजार में आसान प्रवेश मिलने से बड़ा लाभ होगा। निर्यात और औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि का सीधा सकारात्मक प्रभाव राज्य की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। एमएसएमई इकाइयों, फैक्ट्रियों, लॉजिस्टिक्स और सहायक सेवाओं में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

निर्यात से जुड़े एमएसएमई सशक्त होंगे, जिससे उद्यमियों और श्रमिकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति और मजबूत बनेगी। कुल मिलाकर, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता गुजरात के

औद्योगिक विकास के लिए एक 'बूस्टर डोज़' के समान सिद्ध होगा। टैरिफ में कटौती और व्यापारिक सुगमता से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा, एमएसएमई को गति मिलेगी और गुजरात वैश्विक मूल्य श्रृंखला—विशेष रूप से उच्च मूल्य वाले अमेरिकी बाजार—में एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरेगा।

खून से लाल हुई सड़क, इधर-उधर बिखरी थी पांच लाशें; हादसे का मंजर देखकर कांप गए लोग

कौमी पत्रिका

खंदौली (आगरा)। आगरा-जलेसर मार्ग पर शनिवार पूर्वाह्न 11:30 बजे नशे में करीब 80 किमी. की रफ्तार से कंटेनर दौड़ा रहे चालक ने सवारियों से भरे दो ऑटो में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ऑटो हवा में उछलकर सड़क किनारे बने गड्ढों में पेड़ों के बीच जा गिरे। एक ऑटो में सवार पांच श्रद्धालुओं और चालक की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए। वहीं दूसरे ऑटो में बैठे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दर्दनाक हादसे का मंजर देखकर लोगों के दिल कांप गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अचानक तेज धमाका हुआ। उनकी नजर गई तो ऑटो हवा में उछलते हुए दिखाई दिए। एक महिला ऑटो से निकलकर कंटेनर के आगे गिर गई मगर उसकी जान बच गई। पहले टकराए ऑटो में सवार आठ लोग फंस गए। घायलों की चीखपुकार सुनकर सभी लोग दौड़ पड़े। ऑटो में फंसे लोगों में किसी के सिर से खून निकल रहा था तो किसी के हाथ-पैरों में लोहे की सरिया घुसी हुई थी। सड़क पर भी खून ही खून बिखरा था। किसी तरह लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। हरी मोहन और सुशील राजपूत ने बताया कि वे नगला चंदन गांव में अपनी खाद-बीज की दुकान पर बैठे हुए थे। तभी जलेसर की ओर से एक कंटेनर आता दिखाई दिया, जो अनियंत्रित हो रहा था। आरोप है कि कंटेनर चालक शराब के नशे में था और वाहन को ठीक से नियंत्रित नहीं कर पा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे सवारियों से भरे दोनों ऑटो को चालक ने गलत दिशा में जाकर टक्कर मार दी। तेज धमाके के साथ दोनों ऑटो उछलकर गड्ढों में जा गिरे। वहीं पास में ही खड़े अभय कुमार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सबसे पहले घायलों को ऑटो से बाहर निकालना शुरू किया। घायलों को निकालते समय उनके कपड़े खून से सन गए थे। हादसे के बाद मृतकों का सामान बिखर गया। इनमें गंगाजल से भरी केन भी शामिल थीं। यह घटनास्थल पर ही पड़ी हुई थीं। मृतकों के चप्पल-जूते और अन्य सामान भी था। आगरा-जलेसर मार्ग पर हुए भीषण हादसे के बाद सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। घायलों और मृतकों को अस्पताल भेजने के बाद जाम खुलवाया। इसी दौरान कुछ बाइक सवार बिना हेलमेट और तीन सवारी बैठाकर निकलते दिखाई दिए। पुलिस ने बिना हेलमेट और तीन सवारी वाले कई बाइक सवारों के चालान काटे। हादसे की सूचना मिलने पर क्षेत्रीय विधायक धर्मपाल सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल पर मौजूद अपर पुलिस आयुक्त रामबदन सिंह से हादसे की जानकारी ली। विधायक ने बताया कि प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद दिलाई जाएगी।

दारू के लिए राजू बना राक्षस:बेटे ने मां को बेरहमी से पीटा

शाहबाद। यूपी के रामपुर स्थित जगेसर गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना ने लोगों को झंकझोर दिया है। शराब पीने के लिए रुपये न देने पर एकलौते बेटे ने अपनी ही मां को इस कदर बेरहमी से पीटा कि इलाज के दौरान मेरठ में महिला ने दम तोड़ दिया। शुक्रवार शाम को जगेसर गांव निवासी राजू भारती ने अपनी मां मायावती (50) से शराब पीने के लिए रुपये मांगे रहा था। मां ने रुपये देने से इनकार कर दिया। रुपये देने से मना करने पर आरोपी बेटे ने अपना आपा खो दिया और लाठी-डंडों से मां पर हमला कर दिया। पिटाई इतनी की गई कि महिला का उल्टा हाथ टूट गया और सिर में गंभीर चोटें आई थी। महिला की चीख-पुकार सुनकर जब ग्रामीण बचाव के लिए दौड़े तो आरोपी छत पर चढ़ गया और ईंट-पत्थर बरसाने लगा। हालात बिगड़ते हुए देखकर ग्रामीणों ने डायल 112 पर सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह घायल महिला को बचाया और सीएचसी में भर्ती कराया गया था, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर महिला को मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया। इस मामले में महिला की बेटी रोनी ने शुक्रवार रात को आरोपी भाई राजू भारती के खिलाफ कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने शनिवार सुबह को आरोपी राजू भारती को जानलेवा हमले के आरोप में जेल भेज दिया था। इसी बीच शनिवार को किसी समय इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि अब मामले में हत्या की धारा बढ़ाई जाएगी और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सभी स्कूलों में 220 दिन अनिवार्य रूप से होगी पढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली के सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों को अपर प्राइमरी कक्षाओं के लिए अनिवार्य रूप से न्यूनतम 220 दिन पढ़ाई करानी होगी। जबकि प्राइमरी कक्षाओं के लिए अनिवार्य दिन प्रति शैक्षणिक वर्ष 200 दिन होगी। शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से काफी पहले पढ़ाई के दिनों और अवकाश के संबंध में एक परिपत्र जारी किया है। इसमें कहा कि स्कूलों को सुनिश्चित करना होगा कि कम से कम इतने दिनों की पढ़ाई हो। शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों को इस संबंध में एक शपथ पत्र देने के लिए भी कहा है। इसके लिए निदेशालय की ओर से स्कूलों को शपथ पत्र का प्रारुप भी भेजा है। निदेशालय की ओर से जारी परिपत्र में सभी स्कूल प्रमुखों को आरटीई अधिनियम 2009 की धारा 19 में दिए गए प्रावधान का पालन करने का निर्देश दिया है। जिसमें एक शैक्षणिक वर्ष में अपर प्राइमरी कक्षाओं के लिए न्यूनतम 220 कार्य दिवसों का पालन करने के लिए कहा है। एक शैक्षणिक वर्ष अप्रैल से अगले मार्च तक कम से कम इतने कार्यदिवस पूरे करने होंगे। निदेशालय ने कहा है कि स्कूल यह सुनिश्चित करेंगे कि शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए प्रत्येक स्कूल वर्ष 2026 के लिए छुट्टियों की योजना बनाते समय कम से कम इतने दिवस पूरे करें। स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरूआत एक अप्रैल 2026 से होगी। ग्रीष्मकालीन अवकाश 11 मई से 30 जून तक होंगे। 29 व 30 जून शिक्षकों के लिए कार्य दिवस होंगे। शरदकालीन अवकाश 17 अक्तूबर से 19 अक्तूबर तक होंगे। शीतकालीन अवकाश एक जनवरी 2027 से 15 जनवरी 2027 तक होंगे। सभी स्कूल प्रमुख जारी किए गए प्रारूप में अधिकारी को एक शपथ पत्र जमा करेंगे।

पुलिस ने जंगल में बरामद किया सवा आठ माह के नवजात का शव

देहरादून। चमोली कोतवाली के थानाध्यक्ष अनुरोध व्यास ने बताया कि शनिवार को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की ओर से अपराह्न करीब सवा दो बजे कोतवाली पुलिस को जंगल में नवजात का शव पड़ा होने की सूचना दी गई। जिस पर पुलिस टीम क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता के साथ मौके पर पहुंची। आशा कार्यकर्ता ने बताया कि शव करीब सवा आठ माह का है। उन्होंने बताया कि शव को सिर की तरफ से जंगली जानवरों ने नोंच दिया है।

सीजेएम कोर्ट से दो आरोपियों को मिली जमानत, इन सख्त शर्तों के राहत

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-150 के पास सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में शुक्रवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में सुनवाई हुई। अदालत ने मामले में लोटस ग्रीन बिल्डर कंपनी के कर्मचारी रवि बंसल और सचिन करनवाल को जमानत दी है। अदालत ने शर्तों के साथ जमानत दी है। हालांकि अदालत ने जमानत के साथ शर्तें भी लगाई है। इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने पिता राज कुमार मेहता की तहरीर पर एमजेड विजटाउन व लोटस ग्रीन बिल्डर कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज कर एमजेड बिल्डर कंपनी के निदेशक अभय कुमार के अलावा एमजेड विजटाउन के बिल्डर रवि बंसल और सचिन करनवाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोपियों के अधिवक्ता व जिला दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज भाटी बोड़ाकी ने बताया कि शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत को अवगत कराया कि आरोपियों ने कोई अपराध नहीं किया है और उन्हें झूठा फंसाया गया है। सुनवाई के दौरान अभियोजन अधिकारी ने न्यायालय को अवगत कराया कि मामला जमानतीय प्रकृति का है। न्यायालय ने अभियोजन अधिकारी और बचाव पक्ष के अधिवक्ता के तर्कों को सुनने के बाद केस डायरी व अभिलेखों का अवलोकन किया। न्यायालय ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि आरोपियों द्वारा कथित रूप से किया गया अपराध जमानतीय है और प्रकरण के तथ्यों व परिस्थितियों को देखते हुए जमानत के पर्याप्त आधार मौजूद हैं। हालांकि, अदालत ने आरोपियों को 25-25 हजार रुपये के एक-एक जमानती व इतनी ही धनराशि के व्यक्तिगत बंधपत्र पर जमानत प्रदान दी है। इसके साथ ही न्यायालय ने कुछ शर्तें भी निर्धारित की हैं। जमानत की शर्तों के अनुसार आरोपी विवेचना में पूर्ण सहयोग करेंगे। बिना न्यायालय की अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे और विवेचना के दौरान अभियोजन साक्ष्यों से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करेंगे।

2028 से राजधानी में केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया का होगा पंजीकरण

दिल्ली सरकार नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति के जरिये राजधानी के प्रदूषण से निपटने के लिए अब सबसे बड़े कारक दोपहिया वाहनों पर सीधा फोकस करने जा रही है। प्रस्तावित नीति के तहत 2028 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का ही नया पंजीकरण होगा। इसका मकसद राजधानी की सड़कों से चरणबद्ध तरीके से पेट्रोल, डीजल और सीएनजी से चलने वाले दोपहिया वाहनों की निर्भरता खत्म करना है।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Deepak Singh S/o Mr. Karan Singh is the absolute owner of Freehold Residential Built-up Property Bearing No. 553/1/2, Southern Portion with Terrace/Roof Rights measuring 45.99 Sq. Mtrs. i.e. 55 Sq. Yds. Situated at abadi of Gali Jain Mandir, in the area of Village Chandrawali alias Shahdara, Illaqa Shahdara, Delhi-110032. by virtue, Gift Deed dated 09.12.2025 Vide Doc. No. 2025/18/1/10762, Book No. 1, Vol. No. 6050, Page No. 127-142, dated 09.12.2025 in SR- IV-B Vivek Vihar., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) SMC of Late Mr. Har Narain Singh, (2) SMC of Late Mr. Randhir Singh died on dated 10.12.2004 & (3) Mrs. Chand Kaur W/o Mr. Randhir Singh Chaudhary died on dated 13.12.2024 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mr. Amar Singh and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Pitampura, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्री मोती राम पुत्र स्वर्गीय कर्ण सिंह निवासी 1151, गली NO.47/46A, मोलर बंद विस्तार, बदरपुर साउथ दिल्ली -110044 , का देहांत दिनांक को 05.06.2020 में हो गया था। कि दिवंगत ने अपनी अंतिम वसीयत दिनांक 28.09.2016 निष्पादित की थी, जिन्होंने अपनी अचल संपत्ति नो. 1151, AREA 10'X13' गली NO. 47, मोलर बंद विस्तार, बदरपुर साउथ दिल्ली -110044 में स्थिति हे की वसीयतनामा श्रीमती नर्मदा देवी धर्मपत्नी गुलाब चन्द्र पुत्री स्वर्गीय श्री मोती राम निवासी 1151, गली NO. 47, मोलर बंद विस्तार, बदरपुर साउथ दिल्ली -110044 के पक्ष में की हैं। यदि किसी व्यक्ति को उक्त वसीयत की प्रॉपर्टी पर मालिकाना हक दिए जाने पर कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर उपरोक्त पते पर लिखित में संपर्क करे।

सार्वजनिक सूचना

श्री नीरज हसीजा, गुरुग्राम तहसील और जिला गुरुग्राम (हरियाणा) के अर्जुन नगर/वीर नगर नामक आवासीय कॉलोनी में स्थित 40 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले मकान संख्या 421/11 के लिए **मेसर्स कैन फिन होम्स लिमिटेड** से ऋण मांग रहे हैं; जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा गया है। **श्रीमती नीरज हसीजा ने हमें बताया है कि उन्होंने दिनांक 21.08.2023 को श्रीमती नीरज हसीजा के पक्ष में हस्ताक्षरित विक्रय** विलेख संख्या 132270992600080 (विक्रय पत्र संख्या 132270992600080) कहीं खो दिया है या गुम कर दिया है, जो न तो मिल रहा है और न ही प्राप्त हो पा रहा है। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 9991119392

PUBLIC NOTICE

I, Surendra Kumar S/o Late Sh. Rajendra Prasad r/o E-122, Nandgram, Ghaziabad-201003 declare that the name Surender Kumar was inadvertently mentioned in my Driving License bearing no.UP14 20060037991, but as per my Aadhar Card my actual name is Surendra Kumar. The name shall be considered to be of the same person.

NAME CHANGE

I,KM SADAF SAMREEN W/O - ABDUL SHAWAIZ KHAN R/O- H.NO-340 GALI NO-38 ZAKIR NAGAR ,NEW FRIENDS COLONY DELHI-110025 HAVE CHANGED MY NAME FROM KM SADAF SAMREEN TO SADAF SAMREEN KHAN ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I hitherto known as PRINCE KUMAR S/o SAUN PRASAD, R/o 1,Ram Nagar, Lavkush Nagar, Chharbag Tiraha, Firozabad, PO: Firozabad, Distt: Firozabad, Uttar Pradesh-283203, have changed my name and shall hereafter be known as RAJ KUMAR, for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD CHAND S/O MOHD HANIF Residing at H No-A-155 Street No-10 Near Al-quresh Jama Masjid Chauhan Bangar Seelampur North East, Delhi-110053 have changed my name to MOHD CHAND for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD HANIF KHAN S/O ABDUL HAKIM Residing at H No-A-154 Gali No-10 Near Al-quresh Jama Masjid Chauhan Bangar New Seelampur North East, Delhi-110053 have changed my name to MOHD HANIF for all future purpose.

NAME CHANGE

I, ANUJ KUMAR GARAWAL S/o Sadhu Singh R/o 1001 10th Floor Tower A Spring Meadows Greater Noida West Bishrakh Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh-201306 have changed my minor son name from AHAN aged 17 years to YUG GREWAL

NAME CHANGE

I, Mo Shanabaaj Kha S/O Dharam Singh R/O E-932 Balraj Hall Ram Park Extension, Loni Dehat, PO: Loni , Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as Arjun.I have changed only my name, not my religion

NAME CHANGE

I, Adesh Kumar alias Aadesh S/O Harvir R/O Mursana, Mursana, Bulandshahr, Shahkarinagar, Uttar Pradesh - 203150, have changed my name and shall hereafter be known as Adesh Kumar

NAME CHANGE

It is for general information that I, JASPAL BISHT S/O ALAM SINGH BISHT R/O House Number G-78, Sector-20 Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as JASPAL, ANJALI and AKSHITA in my minor daughter's namely AKSHITA BISHT aged 11 years in her school records. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are JASPAL BISHT, ANJALI BISHT and AKSHITA BISHT Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, DEVINDRA S/O JISUK R/O Thapkhera, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207, declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as DEVENDRA and JAYRASH in my minor son namely AYUSH aged 16 years in his Aadhaar Card No 8960 0219 3626. The actual name of mine and my minor son are DEVINDRA and AYUSH Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Ansha Devi Rana W/O Manoj Rana, R/o 246, GHEVRA VILLAGE, North West Delhi, Delhi -110081 have changed my name to Ansha Devi for all future purposes .

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Sunita W/o Mr. Datinder Kumar is the absolute owner of Freehold Residential Property built on Upper Ground Floor without roof/ Terrace right, Front Side, area measuring 60 sq. yds. i.e. 50.7 sq. mtrs., built up property bearing no.49, out of Khasra No.18/6, 15, 19/10, 11, Gali No. 4, situated in the area of Vilage Matiala and the Colony Known as New T-Block, Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue, Relinquishment Deed dated 29.01.2026 Vide Doc. no. 2026/25/I/2553, Book no.1, Vol. no. 17215, Pages No. 41-50, SR II B Janakpuri, New Delhi., & Sale Deed dated 07.08.2019 Vide Doc. no.16641, Book, no.1, Vol. no.4607, Pages No.108-117 SR II B Janakpuri, New Delhi., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. SMC of Late Mr. Datinder Kumar now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Mamta Devi W/o Mr. Ramnath Thakur and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Peeragarhi, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I GULISTAN NOOR D/O MOHD NOOR ALAM R/O F-69, SADIQ MANZIL, JAMIA NAGAR, ABUL FAZAL ENCLAVE-I, SOUTH DELHI, DELHI-110025 declare that name of my mother has been wrongly written as GULSHAN NOOR in my 12th class educational documents. The actual name of my mother is GULSHAN KHATOON which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I SADIYA D/O NASRULLAH KHAN R/O B-16, OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR OKHLA, PO NEW FRIENDS COLONY, DIST SOUTH DELHI, DELHI-110025 declare that name of my father and my mother have been wrongly written as NASRULLAH and KANIZA in my educational documents. The actual name of my father and my mother are NASRULLAH KHAN and KANIZA KHATOON respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SHINDE MAHENDRA TULSHIRAM, is legally father of No. 2822073A, Rank – Sep, Name – SHINDE SWAPNIL MAHENDRA, At/Post – Mangharun, Tehsil – Mahad, Dist – Raigarh, State – Maharashtra, Pin – 402302, have changed my name from SHINDE MAHENDRA TULSHIRAM to MAHENDRA TULSHIRAM SHINDE for all future purposes. Vide affidavit dated 03/02/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Kasaim S/O Ikbal, E-57 C 123 JUGGI, sunder nagari, DIST: North East, Delhi-110093, have changed my name and shall hereafter be known as KASIM.

NAME CHANGE

I Meena Kumari W/0 Surendra Kumar Verma R/0 3/154 J - Extension Near Anar Wali Masjid Laxmi Nagar Delhi 110092 Changed my name to Meena Verma

NAME CHANGE

I AZHARUDEEN ANSARI, S/O QAYAMUDDIN ANSARI R/O S82/79 JAGDAMBA CAMP, SHEKH SARAI PHASE1,MALVIYA NAGAR, NEW DELHI 110017,HAVE CHANGED MY NAME TO AZHARUDDIN ANSARI FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE

I, RESHMI DEVI is legally mother of No. 15704129K Rank- HAV Name-DEVENDRA SINGH YADAV presently residing at VPO-RIWALI, TEH-BEHROR, DIST-ALWAR, (RAJASTHAN)-301701 have changed my name from RESHMI DEVI TO RESHMI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 06/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, No.GS-191551-L. Rank-MT/DVR Name- DILIP KUMAR R/O VILL. GADARHERI, PO-SARSAWA, DIST-SAHARANPUR, UTTAR PRADESH, PIN-247232, have changed my minor son name from MANDEEP KUMAR to MANDEEP SEHGAL for all future purposes. vide affidavit dated 04.02.2026 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, VINEETA DEVI is legally Wife of No. GS-191683Y Rank- MT/DVR-1 Name- DINESH KUMAR R/O VILL. & POSTPARECHHA, TEH-LAHAR, DISTT-BHIND, STATE-M.P PIN-477447 have changed my name from VINEETA DEVI to VINEETA and my date of birth from 15/03/1989 to 15/04/1989 for all future purpose. vide affidavit dated 04.02.2026 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I SHAHABUDDIN S/O BUNDU SHAH R/O H.NO J-1, DILSHAD COLONY DELHI -110095, I have changed my name to SABU SHAH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MADEENA W/O SABU SHAH R/O H .NO J-1 DILSHAD COLONY DELHI -110095, I have changed my name to MADINA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SUSHMA W/O JOGINDER AGGARWAL R/O H.NO-75 -U B GROUND FLOOR BLOCK - U B, JAWAHAR NAGAR DELHI-110007, I have changed my name to SUSHMA AGGARWAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I banarsi d/o sunder u-1-78 Budh Vihar ph-1 budh vihar north west Delhi - 110086 changed my name to banarsi Dinesh kumar

NAME CHANGE

I Mohammad Israyel S/O Shakil /R/O / date of birth 30-09-1999 D-1-119 Madan gir, Dr Ambedkar nagar, south Delhi 110062 changed Father name to mohmmad Izrail Change my date of birth 19-09-1999

NAME CHANGE

I hitherto known as Jaitun W/O Amiru Din R/O H.NO- 816, BLOCK-Y, MANGOL PURI, Mangolpuri N Block, North West Delhi, Delhi, 110083, have changed my name and shall hereafter be known as JAITUN BEGUM.

NAME CHANGE

I hitherto known as Shariq Siddiqui alias Mohd Shariq S/O Mohd. Rashid, R/O H NO-D-640, Street NO-2, Near Mubarak Masjid, Chauhan Banger, New Seelampur, PO: Bhajan Pura, DIST: North East, Delhi-110053, have changed my name and shall hereafter be known as SHARIQ SIDDIQUI.

NAME CHANGE

I hitherto known as Kanti Ballab S/O Ganga Datt, H-65, 2nd Floor, ., Aruna Nagar, Majnu Ka Tila, Civil Lines, North Delhi, Delhi, 110054, have changed my name and shall hereafter be known as KANTI BALLABH.

NAME CHANGE

I, Rehan Ahmed S/o Kafil Ahmad R/o T-514, First Floor, Chamelian Road, Ahata Kidara, Delhi-110006 have changed my Name to Rehan Ahmad for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as RAM CHANDR S/o BACCHU, R/o B-1149, Jhuggi Cluster, Mayapuri Phase-2, South West Delhi, Delhi-110064, have changed my name and shall hereafter be known as RAJU, for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as H S BHASIN alias HARJASBIR SINGH BHASIN S/o KARTAR SINGH BHASIN, residing at E-180, New Rajinder Nagar, New Delhi, Central Delhi, Delhi-110060, have changed my name and shall hereafter be known as HARJASBIR SINGH BHASIN.

NAME CHANGE

I, BHUBAN SINGH S/O MOHAN SINGH R/O B-303 ISLE DE ROYALE RESIDENCES , ASF INSIGNIA SEZ,GWAL PAHARI, SECTOR-45, GURGAON, HARYANA-122003, HAVE CHANGED MY NAME TO BHUBAN SINGH RAWAT FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I,RAKESH S/O PARBHU DAYAL R/O HOUSE NO-2448, NURPUR, BADSHAHPUR, GURGAON, HARYANA-122101 HAVE CHANGED MY NAME TO RAKESH YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Rama Swamy S/O Sri Rangan R/O H.no- J-1/14 J.J colony, Wazirpur, Ashok vihar, North West Delhi 110052 changed my name to Raman

NAME CHANGE

I, Keshar Singh S/O Sate Singh Negi R/O 152, Raksha enclave mohan garden uttam nagar new Delhi 110059 changed my name to Kesar Singh Negi

NAME CHANGE

I,Priyanka Sawhney D/o Umesh Sawhney R/o Flat No.703, Tower No.4, Sunworld Arista, Sector-168, Noida, U.P.-201301 have changed my name to Priyanka.

NAME CHANGE

I, KIRTI UPADHAYA Wife of VINAY PANDEY R/o H NO. B-53, GALI NO-6, BHAJANPURA, GARHI MENDU, NORTH EAST DELHI, DELHI-110053, have changed my name from KIRTI UPADHAYA to KIRTI UPADHYA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Anil Kumar Jain S/o Madan Lal Jain R/o B-80, 2nd Floor, Gali No.12, New Gupta Colony, GTB Nagar, Delhi-110009 have changed my name to Anil Jain.

NAME CHANGE

I hitherto known as MADEEHA D/o DARAKHSHAN R/o HOUSE NUMBER-270, GALI NO-3, ZAKIR NAGAR, OKHLA, NEW Delhi-110025, have changed my name and shall hereafter be known as MADEEHA SIDDIQUI.

NAME CHANGE

I, Ashok Kumar S/O Karan Singh R/O plot no-6 dairy 60 rani Jhansi road aram bagh pahar Ganj delhi 110055 changed my name to Ashok Thakur
Name change

NAME CHANGE

I hitherto known as Nisho W/O Tajeem, R/O house no.305, heera paari patati, Barla, PO: Barla, DIST: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh-251307, have change my name and shall hereafter be known as ANEESA.

NAME CHANGE

I KM SHWETA W/O MADAN PANDEY R/O M-64 FIRST FLOOR OLD DUBBLE STOREY LAJPAT NAGAR SOUTH DELHI 110024 HAVE CHANGED MY NAME TO SHWETA AGGARWAL

NAME CHANGE

I, BABLU KHAN S/O HEEMAT KHAN R/O HOUSE NUMBER D-36, WARD NO.3, VILLAGE MALAI 272, HATHIN PALWAL, PALWAL, HARYANA-121102 HAVE CHANGED MY NAME TO BABUL.

NAME CHANGE

I MEENAKSHI MISHRA W/O VISHAL KUMAR TIWARI R/O H.NO 03 , H-BLOCK, PHASE-6 AYA NAGAR EXT., NEAR PRACHIN SHIV MANDIR NEW DELHI- 110047, I have changed my name to MEENAKSHI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Arif, Mohammad Aarif S/o Mohammad Aalim R/o RZ-/375, Gali No.2, Shiv Puri West Sagar Pur, Delhi-110046 have changed my name to Aarif.

NAME CHANGE

I, Aisha Zulka W/o Mohsin R/o H.No.E-10/A-34, T-Huts, Near CPJ-II-Block, New Seelampur, Delhi-110053 have changed my name to Aisha.

Name Change

I Kusum Goyal W/O Ashok Kumar Goyal HOUSE N0-106, FOURTH FLOOR MEERA ENCLAVE CHOKHANDI, Tilak Nagar S.O, West Delhi Delhi, 110018 have changed my name to Kusum Goel for all future purposes.

Name Change

I Ashok Kumar Goyal S/O Late. Parmeshwari Das HOUSE N0-106, FOURTH FLOOR MEERA ENCLAVE CHOKHANDI, Tilak Nagar S.O, West Delhi Delhi, 110018 have changed my name to Ashok Kumar Goel for all future purposes.

Name Change

I Rachit Goyal S/o Ashok Kumar Goel R/o 106, IVth FLOOR, MEERA ENCLAVE, CHOUKHANDI, VTC: Tilak Nagar 5.0, District : West Delhi, State: Delhi, PIN Code: 110018, have changed my name to Rachit Goel for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Mohd Imtiaz alias Imtiaz R/o H. No 281-C-23 ward 2 Mehrauli New Delhi 110030 inform that the name of mine has been mentioned wrongly in the documents of my daughter Priyanka as Imtiaz whereas my Correct name is Mohd Imtiaz which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ANKITA BANSAL D/O VINOD KUMAR JAIN W/o SAURABH BANSAL, R/o Flat No.334, Nav Sansad Vihar Apartments, Sector-22, Dwarka, New Delhi-110077, declare that name of mine has been wrongly written as ANKITA JAIN BANSAL in my passport no.W7090495. The actual name of mine is ANKITA BANSAL, which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is For General information I SURAJ SON OF RAM NARESH PAL Residing At 139, Gali No-6 Station Block, Prem Nagar-1, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086. declare that name of my father has been wrongly written as RAM NARESH in my 12th class Educational documents. The actual name of my father is RAM NARESH PAL, respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I hitherto known as Zabbaar S/o Maksud R/o House Number - 2/411 Chiranjeev Vihar Sec - 2 Post. Kavi Nagar Distt. Ghaziabad Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as JABBAR.

NAME CHANGE

I hitherto known as Soni Sharma W/o Kalyan Kumar Singh R/o House No-B-503, Near N.H-24 By Pass, Yusufpur Chak Shahberi, Chipyana Khurd, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201009 have changed my name and shall hereafter be known as Soni Kumari.

PUBLIC NOTICE

Be it known that I, Sh. Podar Shah S/o Late Ramnath Shah along with my wife Smt. Kaushlya Devi W/o Podar Shah residents of G-358, Shiv Durga Vihar, Lakarpur Suraj Kund, Nearby Yadav Chakki Atta Shop, Faridabad, Haryana-121009 have severed all relations with my son Sonu Kumar S/o Podar Shah, his wife Veena Kumari W/o Sonu Kumar and his son Saransh Gupta S/o Sonu Kumar.

They further declare that they are disowning them specifically from the built-up property Two-Side Open Property Measuring 50 Square Yards, and hereby debar and disinherit them from all their movable and immovable properties at situated in Delhi as well as Native Village. They declare that neither they nor their family members shall have any control or responsibility over them. Any person dealing with them shall do so at their own risk and consequences, and they shall not be responsible for any act or deed done by them in the present or future.

MOHAMMAD RAJA ADVOCATE
CH.NO.357, SAKET COURT,
NEW DELHI-110017

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री छोटेलाल पुत्र श्री सुल्तान सिंह एवं श्रीमती सुमन कुमारी पत्नी श्री छोटेलाल, निवासी मकान संख्या 366, K-1-18. रतिया मार्ग, संगम विहार, नई दिल्ली-110080, ने अपने पुत्र श्री लक्ष्मण, श्री गौरव एवं श्री सौरव तथा उनकी पत्नियों श्रीमती उषा, श्रीमती अंजना एवं श्रीमती प्रियंका से सभी संबंध समाप्त कर दिए हैं तथा उन्हें अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल एवं वंचित कर दिया है। अब उनका मेरी मुवक्किलों की संपत्ति में कोई अधिकार या दावा नहीं होगा। यदि कोई व्यक्ति उनसे किसी प्रकार का लेन-देन करता है, तो वह अपने जोखिम एवं जिम्मेदारी पर करेगा।

अरबिन्द नायक अधिवक्ता,
साकेत न्यायालय, नई दिल्ली
मो.- 8527665316

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती निशा , मेसर्स कैनरा बैंक लिमिटेड से मकान संख्या 60/5, संपत्ति आईडी संख्या 78छ140542, 159 वर्ग गज (2360 वर्ग फुट) भूमि, खसरा संख्या 742/538/47, याकूबपुरा, गुरुग्राम, तहसील गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित संपत्ति के लिए ऋण मांग रही हैं; श्रीमती निशा ने हमें बताया है कि पूर्व स्वामी श्री सचिन शर्मा ने निम्नलिखित दस्तावेज, अर्थात् **विक्रय विलेख 635 दिनांक 29.04.1991, श्री कृष्ण लाल के पक्ष में (विधेयक संख्या 132271012600072**) कहीं खो दिया है या गुम कर दिया है, जो न तो मिल रहा है और न ही खोज में आ रहा है।

यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 9991119392

Public Notice

This is to inform the general public that Muthoot Homefin (India) Ltd., having its branch office at Ghaziabad, U.P., intends to extend a financial facility to Mr. Sachin Kumar against the Security of Residential House area measuring 50 Sq. Yds., i.e., 41.80 Sq. Meters, out of Khasra No. 728, Situated at Mohalla Braham Puri, in the area of Village Begma Bad Budana, Pagana Jalalabad, Tehsil Modinagar, District Ghaziabad, U.P. The said property was originally owned by Mr. Jaipal Singh, S/o Mr. Khachoru, by virtue of a Sale Deed dated 08.03.1978, duly registered as Document No. 2836 on 08.03.1978, executed by Mr. Prabhu Pandey, S/o Mr. Jai Narayan Pandey. Thereafter, Mr. Jaipal Singh died intestate on 09.08.2011.

Upon the demise of Mr. Jaipal Singh, his wife Mrs. Shanti Devi executed a registered Will dated 09.10.2014, duly registered as Document No. 597 on 09.10.2014, whereby she bequeathed the property in favour of her son Mr. Nirmal Singh and share to her daughter-in-law Mrs. Rakesh, W/o Mr. Nirmal Singh. Subsequently, Mrs. Shanti Devi died intestate on 28.11.2014, and Mr. Nirmal Singh, S/o Mr. Jaipal Singh, died intestate on 01.07.2023.

Any person(s) having any claim, right, title, interest, lien, charge, or objection of whatsoever nature in respect of the said property or against the proposed mortgage in favour of Muthoot Homefin (India) Ltd. are hereby called upon to submit their objections in writing, along with supporting documentary evidence, within seven (7) days from the date of publication of this notice to Adv. Rishi Maheshwari (Mobile: +91-9340118309). Failing which, it shall be presumed that no claims or encumbrances exist, and the transaction shall proceed accordingly.

Rishi Maheshwari (Advocate)
Office At : RZ-29,
Upper Ground Floor, Bhagwati
Garden Jain Road,
Near Dwarka More
New Delhi 110059.
Contact No- +91- 9340118309

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Godhan Singh is purchasing the Upper Ground Floor Portion (without roof/terrace rights) (referred to as "said floor"), part of Property bearing No. 1511, in Block-B, having land area measuring 50 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 104/4/1, situated at Gali No. 7, in the abadi known as Baba Colony, in the area of village Burari, Delhi from Mr. Manoj Gupta who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 30.07.2025 and Intend to mortgage the said property with Aditya Birla Housing Finance Ltd. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,2nd floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री दिनेश चौहान उक्त संपत्ति के निर्मित तृतीय तल (छत अधिकार सहित) के स्वामी हैं, जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, जो संपत्ति संख्या छ-31-A, रेक्ट. नं. 17, किला नं. 16/2 का हिस्सा है, जो साउथ अनारकली की आबादी, ग्राम खुरेजी खास, दिल्ली-110051 में स्थित है। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री राफू दीन थे, जिन्होंने इसे बिक्री विलेख दिनांक 30.07.1966 के माध्यम से श्री छोटे लाल को विक्रय किया। इसके पश्चात श्री छोटे लाल ने जीपीए / एग्रीमेंट टू सेल / वसीयत दिनांक 10.08.1987 के माध्यम से संपत्ति का हस्तांतरण श्रीमती श्यामा देवी तथा श्री मेला राम एवं श्री रघुबर दयाल के पक्ष में किया, जिन्होंने आगे समान दस्तावेजों के माध्यम से अपना अधिकार श्री राज कुमार को हस्तांतरित किया। इसके बाद श्री राज कुमार ने जीपीए / एग्रीमेंट टू सेल / वसीयत दिनांक 14.12.1987 एवं 03.02.1988 के माध्यम से संपत्ति श्री राजीव अरोड़ा के पक्ष में स्थानांतरित की। तत्पश्चात संपत्ति का निरंतर हस्तांतरण जीपीए / एग्रीमेंट टू सेल / वसीयत के माध्यम से निम्नानुसार हुआ- श्री किशन लाल ? श्रीमती जगदीश कौर (19.07.1988) श्री तरसेम लाल एवं श्री सुभाष सेठी (18.08.1988)? श्री कृपाल सिंह (03.04.1989) ? श्री संजय (23.09.1991)। श्री संजय ने संपत्ति को पंजीकृत जीपीए दिनांक 22.11.1996 के माध्यम से श्रीमती सुदेश अरोड़ा के पक्ष में स्थानांतरित किया, जिन्होंने आगे पंजीकृत जीपीए / एग्रीमेंट टू सेल / वसीयत दिनांक 10.11.1998 के द्वारा श्री सुरिंदर कुमार को हस्तांतरित किया। श्री सुरिंदर कुमार ने पंजीकृत जीपीए / एग्रीमेंट टू सेल / वसीयत दिनांक 14.08.2001 के माध्यम से सम्पूर्ण निर्मित संपत्ति श्रीमती यश रानी के पक्ष में स्थानांतरित की। श्रीमती यश रानी का देहांत 10.10.2020 को हो गया तथा उनके पति श्री मदन लाल कुमरा का भी पूर्व में देहांत हो चुका था। उनके विधिक उत्तराधिकारी श्रीमती विमलेश चुघ (पुत्री), श्री जितेंद्र कुमरा (पुत्र) एवं श्रीमती अवनिता कुमरा (पुत्री) हैं। श्रीमती विमलेश चुघ ने परित्याग विलेख दिनांक 18.12.2020 के माध्यम से अपना हिस्सा श्री जितेंद्र कुमरा एवं श्रीमती अवनिता कुमरा के पक्ष में त्याग दिया। इसके पश्चात श्री जितेंद्र कुमरा एवं श्रीमती अवनिता कुमरा ने विभाजन विलेख दिनांक 25.06.2022 के माध्यम से संपत्ति का विभाजन किया, जिसके अनुसार श्रीमती अवनिता कुमरा को तृतीय तल (छत अधिकार सहित) प्राप्त हुआ। तत्पश्चात, श्रीमती अवनीता कुमरा ने दिनांक 19.01.2026 की उपहार विलेख (Gift Deed) के माध्यम से उक्त भाग श्री दिनेश चौहान के पक्ष में उपहार स्वरूप प्रदान किया। परिणामस्वरूप, श्री दिनेश चौहान उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी हैं। कृपया यह भी ध्यान दें कि वर्तमान में यह संपत्ति आरबीएल बैंक लिमिटेड (RBL Bank Ltd.), शाखा- गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मनीष जैन एवं श्री मुकुल जैन संपत्ति संख्या क-8, क्षेत्रफल 70 वर्ग गज, P-ब्लॉक, पांडव नगर, मयूर विहार, फेज-।, गांव घरौंदा नीम का बांगर उर्फ पटपड़गंज, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110091 की आबादी में स्थित संपत्ति के मालिक हैं। कि प्रारम्भ में दिनांक 12.04.1967 को एम/एस दिल्ली हाउसिंग कंपनी द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में श्रीमती रावल देवी के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया (दस्तावेज संख्या 5897)। जिन्होंने दिनांक 15.06.1983 को नोटरी सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी श्री अनिल कुमार सरीन के पक्ष में निष्पादित की। जिन्होंने दिनांक 14.05.1984 को नोटरी सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी श्री किशन चंद के पक्ष में निष्पादित की। जिन्होंने दिनांक 27.10.1984 को नोटरी सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी श्रीमती शकुंतला जैन के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में निष्पादित की। जिनका देहांत दिनांक 27/04/2021 को हो गया तथा उनके पति श्री रघुबर दयाल जैन का देहांत दिनांक 27/12/2015 को पूर्व में हो चुका था, जिनके पीछे उनके वैध उत्तराधिकारी श्रीमती मीनाक्षी जैन, श्री मनीष जैन एवं श्री मुकुल जैन रह गए। अंततः दिनांक 22.08.2022 को श्रीमती मीनाक्षी जैन द्वारा उक्त संपत्ति में अपने हिस्से के संबंध में श्री मनीष जैन एवं श्री मुकुल जैन के पक्ष में परित्याग पत्र निष्पादित किया गया (दस्तावेज संख्या 7607)। जो उक्त संपत्ति को इच्छित उधारकर्ता को विक्रय करना चाहते हैं, जो अपनी वास्तविक आवश्यकताओं हेतु उक्त अचल संपत्ति को एल एंड टी फाइनेंस लिमिटेड के पक्ष में बंधक रखेगा। यदि किसी व्यक्ति को उक्त बंधक या उक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति, दावा, अधिकार या हित हो तो वह इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करे, अन्यथा यह माना जाएगा कि किसी को भी कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 09/02/2026

प्रज्ञाभूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय:एन-204, निचला भूतल, जी.के.-I, नई दिल्ली
9968006418

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आठ चैम्पियन पशुपालकों को 20 लाख रुपये के इनाम दिए

एजेंसी

चंडीगढ़। 41वीं राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अलग-अलग नस्ल मेल व फीमेल चैम्पियनशिप में आठ पशुपालकों को कुल 20 लाख रुपए की इनाम राशि दी है। इन पशुपालकों को अपने-अपने वर्ग के लिए 2.50 -2.50 लाख रुपए का चेक दिया गया है। अहम पहलू यह है कि राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी में कुल 53 वर्गों में 298 विजेताओं को कुल 50 लाख 20 हजार 600 रुपए की राशि वितरित की गई है। हरियाणा के पशुपालन विभाग के महानिदेशक डा. प्रेम सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि मुर्रा नस्ल मेल चैम्पियनशिप में पानीपत के गांव बूरसम निवासी नरेंद्र सिंह, मुर्रा नस्ल फीमेल चैम्पियनशिप में हिसार के गांव सिंघवा खास निवासी ईश्वर सिंह की मुर्रा नस्ल की भैंस को चैम्पियन पुरस्कार दिया गया। इन दोनों पशुपालकों को इनाम के रूप में 2.50- 2.50 लाख रुपए की राशि का चेक दिया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा नस्ल मेल चैंपियनशिप

में पानीपत के गांव डिडवानी निवासी नरेंद्र की हरियाणा नस्ल के सांड ने चैम्पियन पुरस्कार हासिल किया है। इस पशुपालक को इनाम के रूप में 2 लाख 50 हजार रुपए का चेक दिया गया है। इसी तरह हरियाणा नस्ल फीमेल चैंपियनशिप में झज्जर के गांव गवालिशन निवासी अनूप की हरियाणा नस्ल गाय चैम्पियन रही, साहीवाल नस्ल मेल चैम्पियनशिप में करनाल के तरावड़ी निवासी अनुज के साहीवाल बैल चैम्पियन रहा। इसी प्रतियोगिता के फीमेल वर्ग में करनाल के दादूपुर रोडाना निवासी राजबीर की साहीवाल नस्ल की गाय चैंपियन रही। उन्होंने कहा कि एक्सोटिक क्रॉस ब्रीड मेल चैम्पियनशिप में गांव सगा निवासी पवन का पशु चैम्पियन रहा। इसी तरह करनाल के गांव गलिबखेडी का अक्षदीप की फीमेल पशु चैम्पियन रही। इन पशुपालकों को 2 लाख 50 हजार रुपए इनाम का चैक दिया गया है। उन्होंने कहा कि रोहतक निवासी सन्नी के पशु को मुर्रा युवा बुल प्रतियोगिता में प्रथम आने पर 51 हजार रुपए, महेंद्रगढ़ के झौक निवासी इंद्रजीत के पशु को मुर्रा बफेलो ड्राई प्रतियोगिता में प्रथम आने पर 51 हजार रुपए, रोहतक के भगवतीपुर निवासी रामनिवास के पशु को मुर्रा बफेलो हेल्फर प्रतियोगिता में प्रथम आने पर 51 हजार रुपए, जींद के गांव अलेवा निवासी मोनू के पशु को मुर्रा मेल काफ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में 21 हजार रुपए, झज्जर के गांव वजीरपुर निवासी प्रदीप कुमार के पशु को मुर्रा बफेलो फीमेल काफ प्रतियोगिता में प्रथम आने पर 21 हजार रुपए, यमुनानगर के अलहर निवासी गोपाल कृष्ण की गाय को हरियाणा गाय इन मिल्क श्रेणी प्रतियोगिता में प्रथम आने 51 हजार रुपए, कैथल के खरक पांडवा निवासी विक्रम की गाय को हरियाणा गाय ड्राई प्रतियोगिता में प्रथम आने पर 51 हजार रुपए, भिवानी के गांव भवानी खेड़ा निवासी आशीष के पशु को हरियाणा पेयर बुललॉकस की श्रेणी वाली प्रतियोगिता में प्रथम पुरुस्कार के तौर पर 51 हजार रुपऐ की राशि इनाम के तौर पर दी गई है।

चहुंमुखी विकास राज्य सरकार का मुख्य लक्ष्य : कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा क्षेत्र के लिए करोड़ों रुपये की घोषित विकास परियोजनाओं पर काम शुरू हो गया है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर नरवाना विकसित क्षेत्र के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि नरवाना क्षेत्र ने विकास की नई उड़ान भर ली है। निकट भविष्य में प्रगति की इस रफतार को और गति मिलेगी तथा क्षेत्रवासियों को विकास परियोजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी स्थानीय पीडब्ल्यूडी रैस्ट हाउस की अतिरिक्त नई बिल्डिंग के शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने 9 करोड़ 54 लाख 80 हजार रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाली रैस्ट हाऊस की अतिरिक्त तीन मंजिला इमारत की नींव रखी। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि यह भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा और इसकी दो मंजिलों पर अति विशिष्ट व्यक्तियों के ठहराव के लिए कमरे व ऑफिस बनाए जाएंगे। इस भवन का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य जून 2027 निर्धारित किया गया है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जल्द ही क्षेत्रवासियों की वर्षो पुरानी मांग पर बस स्टैंड और नागरिक अस्पताल के नये भवनों के निर्माण की शुरुआत भी की जाएगी। नरवाना शिक्षित, सुरक्षित और विकसित क्षेत्रों की अग्रणी पंक्ति में शुमार हो, यह उनका सपना है और इसे साकार करने के लिए वे निरंतर प्रयासरत है।

गुरुग्राम: नेपाल से बस में अवैध रूप से चरस लेकर आया व्यक्ति काबू

गुरुग्राम। पुलिस ने नेपाल मूल के एक आरोपी को अवैध चरस सहित काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने रविवार को बताया कि पहचान बहत्तर बुद्धा निवासी जिला रुक्म (नेपाल) के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार अपराध शाखा सैक्टर-39 की पुलिस टीम ने नजदीक किंगडम ऑफ ड्रीम्स सैक्टर-29 से एक युवक को अवैध मादक पदार्थ चरस सहित काबू किया। आरोपी के कब्जा से एक किलो 622 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना डीएलएफ सैक्टर-29 में एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस पूछताछ में ज्ञात हुआ कि आरोपी नेपाल से बस के माध्यम से आता है। उसके कब्जा से बरामद हुई चरस इसने नेपाल से सात लाख रूपये में खरीदा था। गुरुग्राम में इसे छोटी-छोटी मात्रा में बेचने की फिराक में था।गुरुग्राम पुलिस द्वारा उसे पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया।

गुरुग्राम में मेट्रो स्टेशन से सूचना बोर्ड व पंखा चोरी

गुरुग्राम। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) के गुरुग्राम स्थित इफको चौक मेट्रो स्टेशन पर चोरी की घटना हुई है। दिल्ली मेट्रो के सेक्शन इंजीनियर भोपाल सिंह ने बताया कि मेट्रो स्टेशन से चोर एक पंखा व एलईडी लाइटें चोरी कर ले गए। पुलिस में मेट्रो स्टेशन के प्रबंधक की ओर से दी गई शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। इफको चौक मेट्रो स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात सीनियर सीआरए धीरज कुमार रात के समय निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि मेट्रो स्टेशन से सूचना बोर्ड की लाइट गायब है। उन्होंने रात ढाई बजे सीआईएसएफ और मेट्रो स्टेशन कंट्रोल को सूचित किया। सुबह मेट्रो पुलिस थाना इफको चौक को जानकारी दी गई। पुलिस ने शिकायत मिलने पर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। साथ ही प्रबंधक की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। सीसीटीवी फुटेज की जांच, संदिग्धों की तलाश और स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है।

हिसार की भैंस राधा बनी प्रदेश की मिल्क ब्यूटी ब्रीड चैंपियन

हिसार। नारनौंद क्षेत्र के गांव सिंघवा खास के किसान ईश्वर सिंघवा की भैंस राधा इस साल की मिल्क ब्यूटी ब्रीड चैंपियन बनी है। इससे पहले राधा दूध देने में विश्व रिकॉर्ड बना चुकी है। कुरुक्षेत्र में आयोजित 41वीं राज्य पशुधन प्रदर्शनी में गांव सिंघवा खास के किसान ईश्वर सिंघवा की भैंस राधा ने मिल्क ब्यूटी ब्रीड चैंपियन बनने का रिकॉर्ड बनाया है। इस प्रदर्शनी में प्रदेश भर से करीब 1500 भैंसों ने हिस्सा लिया था। राधा ने पहले नंबर पर रही। उसने तीन लाख एक हजार का नकद इनाम भी जीता

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को किसान को इनाम और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। भैंसराधा ने अक्टूबर 2025 सबसे ज्यादा दूध देने का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। राधा ने 35 किलो 669 ग्राम दूध दिया था। इससे पहले वो रिकॉड कैथल के किसान की भैंस रेशमा के नाम था। उसने 33 किलो 800 ग्राम दूध दिया था। किसान ईश्वर सिंघवा ने बताया कि हर किसान खेती के साथ कुछ पशु पालकर अपने परिवार की आमदनी बढ़ा सकता है। हमने खेती के साथ मुरहा नस्ल की भैंस रखी। लाखों रुपए की भैंसे बेच चुके हैं। जो भैंस सबसे पहले ली थी। उसको नहीं बेचा बल्कि पिछले दिनों उसकी जीवन जग की थी। उसको भी राज्य स्तर पर काफी पुरस्कार मिल चुके हैं।

आदेशों की अवहेलना पर मार्केट कमेटी सचिव निलंबित

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने अनुशासनहीनता व सरकारी आदेशों की अवहेलना पर मतलौडा मार्केट कमेटी के सचिव कृष्ण कुंडू को निलंबित करने के आदेश दिए हैं। यह कार्रवाई मार्केट कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष रमेश पंवार और उपाध्यक्ष अश्वनी के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों में बरती गई भारी लापरवाही पर की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पंचायत मंत्री ने स्वयं सचिव कृष्ण कुंडू को फोन किया और उन्हें तुरंत व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के आदेश दिए। सचिव ने मंत्री के सीधे आदेशों की भी अवहेलना कर दी और कार्यालय को ठीक करने से इनकार कर दिया।

जानकारी के अनुसार, मतलौडा मार्केट कमेटी कार्यालय में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होना था। प्रोटोकॉल के तहत सरकार की ओर से मार्केट कमेटी सेक्रेटरी को कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। कार्यक्रम से पहले जब भाजपा कार्यकर्ता व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे, तो वहां का नजारा देख दंग रह गए। कार्यालय में कोई भी तैयारी पूरी नहीं थी। कार्यकर्ताओं ने जब सेक्रेटरी कृष्ण कुंडू से अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के बैठने के कार्यालय को दुरुस्त करने और अन्य व्यवस्थाएं करने को कहा, तो सेक्रेटरी ने सहयोग करने के बजाय कथित तौर पर जवाब देते हुए कह दिया कि यह उनका काम नहीं है। पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि मार्किट कमेटी मतलौडा के अध्यक्ष रमेश पंवार व उपाध्यक्ष अश्वनी के शपथ ग्रहण समारोह में सचिव ने उनके लिए बैठने की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी और प्रोटोकॉल के अनुसार उनके वहां पहुंचने पर स्वागत के लिए अपने कार्यालय से बाहर तक नहीं आया। कुर्सियां भी अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने खुद आकर लगवाई।

पलवल में नाबालिग से दुष्कर्म, पुलिस ने दर्ज किया केस

एजेंसी

पलवल। पलवल जिले के मुंडकटी थाना क्षेत्र में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ रेप की वारदात सामने आयी है। तीन युवकों ने रात के अंधेरे में घर में घुसकर पीड़िता को जबरन खींच लिया और कार में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। मिली जानकारी के अनुसार 6 फरवरी की देर रात पीड़िता शौच के लिए घर से बाहर निकली थी। तभी अमृत, संदीप और दक्ष नामक आरोपी दीवार फांदकर अंदर घुसे और युवती को दीवार के ऊपर से बाहर खींच लिया। आरोपियों ने युवती को पास खड़ी कार में जबरन बैठा दिया। कार में अमृत ने दरवाजा बंद कर रेप को अंजाम दिया, जबकि संदीप व दक्ष बाहर पहरा देते रहे। 15-20 मिनट बाद आरोपियों ने पीड़िता को दीवार से फेंक दिया और परिवार को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़िता ने तुरंत मां को पूरी घटना बताई है। थाना प्रभारी तेजपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता

कार में अमृत ने दरवाजा बंद कर रेप को अंजाम दिया, जबकि संदीप व दक्ष बाहर पहरा देते रहे।

अपने परिवार संग मुंडकटी थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) व पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

प्राकृतिक खेती कम खर्चीली व आय बढ़ाने का माध्यम: राज्यपाल देवव्रत

एजेंसी

सोनीपत। किसानों को रासायनिक खेती से बाहर निकालकर प्रकृति आधारित खेती से जोड़ने के उद्देश्य से खरखौदा स्थित भरत वाटिका में प्राकृतिक खेती समृद्ध किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने वैज्ञानिक तथ्यों के साथ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्राकृतिक खेती को कम खर्चीली और आय बढ़ाने का माध्यम बताया। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि प्राकृतिक खेती प्रकृति के नियमों पर आधारित, कम खर्चीली और दीर्घकालिक रूप से लाभकारी पद्धति है। इसका मूल आधार देसी गाय है। देसी गाय के गोबर और गोमूत्र में मौजूद करोड़ों लाभकारी सूक्ष्म

जीवाणु मिट्टी को जीवंत बनाते हैं। उन्होंने जीवामृत बनाने और उपयोग की विधि बताते हुए कहा कि देसी गाय के गोबर, गोमूत्र, गुड़, दाल का बेसन और खेत की मिट्टी से तैयार जीवामृत डालने से सूक्ष्म जीवाणु तेजी से बढ़ते हैं। इससे केंचुए बढ़ते हैं, मिट्टी की जल धारण क्षमता सुधरती है और भूमि दोबारा उपजाऊ बनती है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से मित्र कीट और सूक्ष्म जीवाणु लौटते हैं, वर्षा जल धरती में 9समाता है और भूजल संरक्षण होता है। यह पद्धति किसान की लागत घटाकर आय बढ़ाती है तथा पर्यावरण और जल संरक्षण में सहायक है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक खेती छोड़कर कम से कम अपनी जमीन के एक हिस्से में प्राकृतिक खेती की शुरुआत करें। केंद्र सरकार ने प्राकृतिक खेती को राष्ट्रीय मिशन के रूप में अपनाया है और हरियाणा सरकार द्वारा किसानों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और विधायक पवन खरखौदा ने भी प्राकृतिक खेती को किसान, समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए आवश्यक बताया। जिन्होंने स्वयं खेतों में मेहनत कर मिट्टी की खुशबू और किसान के पसीने की महक को महसूस किया है। धरती माता को किसानों के लिए धर्म का तीर्थ बताते हुए कहा कि यही हमारी सभ्यता, संस्कृति और त्याग का सबसे बड़ा आधार है।

गौ हत्या पर 10 वर्ष कारावास और 1 लाख जुर्माना : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा गोवंश संरक्षण एवं गौ संवर्धन अधिनियम-2015 के तहत गौ हत्या करने वाले व्यक्ति को 10 वर्ष तक कारावास व एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया है। महिला सशक्तिकरण के लिए महिला किसान डेयरी योजना के तहत महिलाओं को एक लाख रुपये तक का ऋण बिना ब्याज उपलब्ध करवा रहे हैं। इसके तहत अब तक 287 महिला किसान डेयरी खोली जा चुकी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र में आयोजित 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी समारोह के तीसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का निरीक्षण कर पशुओं की विभिन्न नस्लों को देखा और पशुपालकों से बातचीत की। मेले में बनाए कैटवॉक पर अच्छी नस्ल के पशुओं का प्रदर्शन देखा। इस दौरान ऊंट ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का माला पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विभिन्न

कैटेगरी में अव्वल आने वाले पशुपालकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीन, जल और वायु को प्रदूषित होने की सभी समस्याओं का हल प्राकृतिक खेती है। वर्ष 2025-26 के दौरान 1 लाख एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की 53 एकड़ 4 कनाल भूमि पर प्राकृतिक खेती करने का निर्णय लिया है। यह जमीन जिला कैथल के गांव अण्टेहडी में है। इसे पायलट परियोजना के रूप में लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 2.20 लाख पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बैंकों द्वारा स्वीकृत किए गए हैं। बैंकों द्वारा राज्य के पशुपालकों को 3 हजार 449 करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है। प्रदेश में अब तक 14,168 डेयरियां स्थापित हुई हैं।

उन्होंने कहा कि इस स्कीम के तहत 10 दुधारू पशुओं तक की मिनी डेयरी खोलने के लिए पशु की लागत पर 25 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि विश्व के अंदर कुरुक्षेत्र का बहुत बड़ा नाम है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए सरकार ने भावांतर भरपाई योजना, मेरी फसल मेरा ब्यौरा, फसल बेचने के 48 घंटे के अंदर किसानों के खाते में सीधे पेमेंट दी जा रही है।

मनरेगा में किए गए बदलाव मजदूर और किसानों के हित में : हरविंदर कल्याण

एजेंसी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित राष्ट्र के विज़न के लिए जरूरी है कि राष्ट्र का हर व्यक्ति आत्मनिर्भर हो।

उन्होंने कहा कि धरातल पर गांवों को मजबूत करना जरूरी है। गांव देश की तरक्की का अड्डर हैं। हरविंदर कल्याण आज करनाल के घरौंडा हलके के गांव फुरलक और बसताड़ा के आरपीआईआईटी कॉलेज में आयोजित जी राम जी सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि राष्ट्र की तरक्की के लिए आवश्यक है, मजदूरों के हाथों में काम हो और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की स्थिति मज़बूत बने। इसी कड़ी में मनरेगा में बदलाव करके किसानों एवं मजदूरों के हक में इसे वीबी-जी राम जी किया गया है।

कल्याण ने इस मौके पर हलके में पिछले 11 सालों में कराए गए मुख्य विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब हरियाणा में सरकारी नौकरियां केवल सिफारिश पर मिलती थी।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा की गई व्यवस्था परिवर्तन के परिणाम स्वरूप आज मेरिट पर नौकरियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि सुधार के लिए व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव करने पड़ते हैं। पता चलने पर कमियों को भी दूर किया जा रहा है। कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों, मजदूरों व गरीबों का दर्द समझते हैं। इस अवसर पर कई वरिष्ठ अधिकारी और आम जन उपस्थित थे।

सनातन परंपरा मानवता, नैतिकता और सामाजिक संतुलन की आधारशिला: महंत कृष्णानंद जी

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गांधीधाम बस्ती एवं भारत सेवक नगर बस्ती के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में अजात आश्रम, व्यासपुर से पधारे महंत कृष्णानंद जी सरस्वती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

महंत कृष्णानंद जी सरस्वती ने अपने उद्बोधन में कहा कि सनातन परंपरा भारतीय समाज की वैचारिक रीढ़ है, जो मानव जीवन को नैतिक अनुशासन, करुणा और सह-अस्तित्व की भावना से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि यह जीवन को मर्यादा, संतुलन और उत्तरदायित्व के साथ जीने की प्रेरणा देती है। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा को भारत की वैश्विक सोच का आधार बताते हुए कहा कि यही विचार मानवता को विभाजन से ऊपर उठाता है। धर्म जागरण अंबाला विभाग के सह विभाग संयोजक पंडित उदयवीर शास्त्री ने अपने संबोधन में सामाजिक विमर्श की शुद्धता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज को भ्रमित करने वाले मिथ्या विचार और दोहरे आचरण सामाजिक एकता को

कमजोर करते हैं। उन्होंने नागरिकों से सजग रहने और सांस्कृतिक मूल्यों को व्यवहार में उतारने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने परिवार व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। जिला कार्यवाह राकेश नंदगढ़ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्ष 1925 में आरंभ हुआ यह संगठन आज राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और चरित्र निर्माण के क्षेत्र में व्यापक योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि अनेक चुनौतियों और प्रतिबंधों के बावजूद संघ निरंतर अपने उद्देश्यों के साथ आगे बढ़ता रहा है। कार्यक्रम संयोजक योगी मनोज कुमार ने योग को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ आत्मिक संतुलन का प्रभावी माध्यम बताया। नगर संयोजक अश्वनी सिंगला ने नागरिक कर्तव्यों की चर्चा करते हुए सामूहिक प्रयासों को सामाजिक प्रगति का आधार बताया।

राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी में राष्ट्रीय गौशाला धड़ौली ने जीते छह पुरस्कार

एजेंसी

जींद। कुरुक्षेत्र में आयोजित 41वीं राज्यस्तरीय पशु प्रदर्शनी में राष्ट्रीय गौशाला धड़ौली के पशुओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश ही नही बल्कि देशभर में गौशाला का नाम रोशन किया है। इस प्रदर्शनी में गौशाला धड़ौली के पशुओं ने दो प्रथम पुरस्कार, एक द्वितीय पुरस्कार तथा तीन सांत्वना पुरस्कार प्राप्त कर कुल छह पुरस्कार अपने नाम किए। गौशाला की इस उपलब्धी पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह और पशु पालन विभाग के मंत्री श्याम सिंह राणा ने गौशाला को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

गौशाला के प्रधान स्वामी यज्ञ मुनि ने जानकारी देते हुए बताया कि यह उपलब्धि गौशाला में वर्षो से किए जा रहे वैज्ञानिक गौपालन, उत्तम नस्ल संरक्षण, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और समर्पित सेवा का परिणाम है। गौशाला धड़ौली का उद्देश्य केवल पुरस्कार प्राप्त करना नही बल्कि भारतीय देशी गौवंश का संरक्षण, संवर्धन और प्रोत्साहन करना है। प्रधान यज्ञमुनि ने बताया कि राज्यस्तरीय पशु प्रदर्शनी में प्रदेश भर की अग्रणी गौशालाओं एवं पशुपालकों ने भाग लिया। जहां विशेषज्ञों की टीम द्वारा पशुओं की नस्ल, शारीरिक बनावट, स्वास्थ्य, दुग्ध क्षमता और देखभाल के मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया गया। इन सभी मानकों पर राष्ट्रीय गौशाला धड़ौली के पशुओं ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय गौशाला से जुड़े मास्टर सतबीर अत्री, पशु चिकित्सक राजू शर्मा, रामकुमार देशवाल समेत सेवाभावी कार्यकर्ताओं, पशु चिकित्सकों, दानदाताओं और सहयोगियों को देते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से ही यह गौरवपूर्ण उपलब्धि संभव हो सकी है। प्रधान यज्ञमुनि ने विश्वास जताया कि भविष्य में भी राष्ट्रीय गौशाला धड़ौली इसी प्रकार गौसेवा, गौवंश संरक्षण और समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करती रहेगी।

भारत की सबसे बड़ी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजेता को मिलेगा एक करोड़ पुरस्कार : कार्तिकेय शर्मा

एजेंसी

जींद। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि भारत में जितने भी स्कूल हैं, उन सबको एक न्योता दिया जा रहा है कि भारत का सबसे बडी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसका पुरस्कार एक करोड़ रुपये होगा। उन्होंने जींद के सभी स्कूलों से आह्वान किया कि इस प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर भाग लें। इस प्रतियोगिता में जो भी स्कूल टीम जीतेगी, उसे पुरस्कार के तौर पर एक करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। वो उम्मीद करते हैं कि जब भी इस प्रतियोगिता का रिजल्ट आए और उसमें जींद के स्कूल का नाम आए और वो एक करोड़ रुपये का पुरस्कार जीते तो उन्हें बहुत खुशी होगी। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा भिवानी रोड स्थित ज्ञान गंगा ग्लोबल अकेडमी द्वारा आयोजित वार्षिक समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा भी मौजूद रहे। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में हमें मातृ शक्ति का भी ध्यान रखना है। चाहे वो ड्रोन दीदी की बात हो, लखपति दीदी की बात हो, जिस भी तरीके से हमारी

मातृशक्ति जो हमारे घर को संभालती हैं, उनकी चिंता हमें करनी है। इसीलिए उन्होंने नमो शक्ति रथ नाम से एक पहल की शुरूआत उन्होंने की है। इस रथ के माध्यम से माताओं व बहनों में गंभीर बीमारियों का उपचार किया जा सके। कैंसर से हमारी माताओं व बहनों का बचाना है। उन्होंने कहा कि नमो शक्ति रथ एक ऐसी पहल है, जिसका उद्देश्य यह है कि अगर हमारी माताएं व बहनें स्वस्थ हैं तो हमारा परिवार स्वस्थ है। अगर हमारा परिवार स्वस्थ है तो हमारा देश स्वस्थ है। इसीलिए नमो शक्ति रथ की शुरूआत की है ताकि स्वास्थ्य सुविधाओं से कोई भी माता या बहन वंचित न रहे। वो घोषणा करते हैं कि जींद में भी वो एक रथ भेज रहे हैं। यहां भी जल्द ही कैंसर को लेकर माताओं व बहनों की स्क्रीनिंग शुरू होगी। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि आज भारत की संज्ञा दुनिया में बदल गई है। इसके कारण आज दुनिया भारत को अलग तरीके से देख रही है।

बुजुर्गों के हक पर प्रहार बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस: दीपेन्द्र हुड्डा

एजेंसी

पलवल। रोहतक से सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यंत्र-तंत्र और षड्यंत्र के तहत जनभावनाओं की चोरी से बनी सरकार अब बुजुर्गों के हक और सम्मान पर प्रहार कर रही है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा पेंशन कोई भीख नहीं, बल्कि बुजुर्गों का सम्मान है। पलवल जिले की हथीन विधानसभा में विधायक मोहम्मद इजराईल खान द्वारा आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर क्षेत्र की जनता ने उनका पगड़ी बांधकर जोरदार स्वागत किया। हुड्डा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में सुनियोजित तरीके से बुजुर्गों की पेंशन काटी जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा चार माह पहले पेंशन में 200 रुपये वृद्धि की घोषणा की गई थी, जो अब तक लागू नहीं हुई। सरकार बताए कि कितने बुजुर्गों की पेंशन बंद की गई और जिला-वार आंकड़े सार्वजनिक क्यों नहीं किए जा रहे। उन्होंने आय सीमा 3 लाख रुपये तय करने के फैसले पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे हजारों बुजुर्ग प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने नौ वर्षों में पेंशन में 233 प्रतिशत वृद्धि की, जबकि भाजपा 12 वर्षों में भी 200 प्रतिशत तक ही पहुंची। हम बुजुर्गों की पगड़ी झुकने नहीं देंगे। सड़क से लेकर संसद और विधानसभा तक आवाज उठेगी तथा 15 फरवरी को सोनीपत में बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए हुड्डा ने कहा कि कृषि क्षेत्र में अमेरिकी उत्पादों को बढ़ावा देना भारतीय किसानों के हितों पर कुठाराघात है। देश पहले से खाद्यान्न सरप्लस है, ऐसे में आयात से किसानों और अर्थव्यवस्था दोनों को नुकसान होगा। इस मौके पर चौधरी उदयभान, विधायक रघुबीर तेवतिया, पूर्व विधायक नीरज शर्मा, शहीदा खान, जिला अध्यक्ष नेत्रपाल अधाना, निशित कटारिया सहित अनेक कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार में अमेरिकी एफपीआई की हिस्सेदारी बढ़ी

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष में वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बावजूद भारतीय बाजार में अमेरिकी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की हिस्सेदारी बढ़ी है। एक अखबार द्वारा डिपॉजिटरी आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार जनवरी 2025 में कुल विदेशी शेयरधारिता में अमेरिकी एफपीआई की हिस्सेदारी 39.7 प्रतिशत थी, जो जनवरी 2026 में बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब एफपीआई ने डेट और इक्विटी में मिलाकर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध बिकवाली की। इसके बावजूद अमेरिकी एफपीआई का कुल निवेश मूल्य 29.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 32.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान डेट निवेश में लगभग 15,000 करोड़ रुपये और इक्विटी परिसंपत्तियों में 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। बाजार के जानरकारों के अनुसार अमेरिकी एफपीआई का बड़ा निवेश लार्ज-

कैप शेयरों में है, जिनमें बीते वर्ष सीमित लेकिन सकारात्मक बढ़त रही। इसी अवधि में बीएसई सेंसेक्स 6.1 प्रतिशत चढ़ा। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता कम होने और अमेरिकी बाजारों की कमजोरी के चलते आगे एफपीआई की खरीदारी बढ़ सकती है।

सोना और चांदी में हफ्ते की जोरदार शुरुआत

- सोने का भाव 549 रुपए तेज, चांदी भी 9752 रुपए उछली

नई दिल्ली । इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोना और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में मजबूती देखने को मिल रही है। सोमवार को घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव करीब 1,58,000 रुपये, जबकि चांदी के वायदा भाव लगभग 2,62,750 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 549 रुपये की तेजी के साथ 1,56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,55,451 रुपये था। कारोबार के दौरान सोने का भाव 2,500 रुपये की बढ़त के साथ 1,57,951 रुपये तक पहुंच गया। इस दौरान सोने ने दिन का उच्च स्तर 1,58,500 रुपये और निचला स्तर 1,55,546 रुपये छू लिया। बीते महीने सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी मजबूत तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रेक्ट 9,752 रुपये की बढ़त के साथ 2,59,887 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,49,892 रुपये था। इस समय चांदी का भाव 12,847 रुपये की तेजी के साथ 2,62,739 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान चांदी ने 2,64,885 रुपये का उच्च और 2,59,887 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल चांदी का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलो रहा है।

भारत-अमेरिका ऊर्जा व्यापार, दोस्ती के बावजूद त्वरित लाभ की राह कठिन

– अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेज़ वृद्धि करना भारत के लिए आसान नहीं होगा

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताओं में बढ़ती नज़दीकी को लेकर सरकार उत्साह जता रही है, लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में इससे तत्काल और ठोस लाभ मिलने की संभावना सीमित दिखती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेज़ वृद्धि करना भारत के लिए आसान नहीं होगा। वर्तमान में भारत अमेरिका से कच्चा तेल, एलएनजी, एलपीजी और कोकिंग कोल सहित सालाना 12 अरब डॉलर से अधिक का आयात करता है। हालांकि, माल ढुलाई की ऊंची लागत, कच्चे तेल की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय कीमतें और लंबी समुद्री यात्रा इस व्यापार को महंगा बनाती हैं। अमेरिका से तेल आने में 32 से 40 दिन लगते हैं, जबकि पहले यह अवधि 25 से 30 दिन की थी। नॉर्वे स्थित ऊर्जा अनुसंधान फर्म रायस्टैड एनर्जी के अनुसार रूस द्वारा दिए जा रहे भारी डिस्काउंट के मुकाबले अमेरिकी कच्चा तेल भारत को प्रति बैरल 12-15 डॉलर तक महंगा पड़ सकता है। इसके अलावा रूसी यूराल और अमेरिकी वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चे तेल की गुणवत्ता में बड़ा अंतर है। यूराल अधिक भारी और सल्फर युक्त है, जबकि डब्ल्यूटीआई हल्का है, जिससे दोनों को सीधे विकल्प के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस की जगह अमेरिकी कच्चा तेल लेने से भारत की रिफाइनरियों की लगभग 25 प्रतिशत क्षमता प्रभावित हो सकती है, क्योंकि उनकी संरचना भारी कच्चे तेल के अनुरूप है। भू-राजनीतिक जटिलताएं भी इस बदलाव को और कठिन बनाती हैं। भारत ने अगले पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की मंशा जताई है, लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने को लेकर कोई स्पष्ट खाका अभी सामने नहीं आया है। ऐसे में अमेरिका से ऊर्जा आयात बढ़ाने की राह फिलहाल चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

सीबीडीटी ने मसौदा आयकर नियम और फॉर्म सार्वजनिक किए

- घट जाएंगे फॉर्म और नियम, टैक्सपेयर्स को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली ।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिनियम, 2025 के लागू होने से पहले मसौदा नियम और फॉर्म सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए हैं। यह अधिनियम 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा। सरकार के अनुसार हितधारक 22 फरवरी तक ई-फाइलिंग पोर्टल पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। मसौदा नियमों में अनुपालन का बोझ काफी कम किया गया है। नियमों की संख्या 511 से घटाकर 333, जबकि फॉर्मों की संख्या 399 से घटाकर 190 की गई है। इसका उद्देश्य करदाताओं के लिए प्रक्रिया को सरल और सहज बनाना है। कर विशेषज्ञों के अनुसार सबसे महत्त्वपूर्ण बदलाव ट्रांसफर प्राइसिंग के खुलासे से जुड़ा है। इसके तहत फॉर्म 48 पेश किया गया है, जो पुराने फॉर्म 3सीईबी की जगह लेगा। यह फॉर्म अंतरराष्ट्रीय और कुछ विशेष घरेलू लेनदेन के खुलासे को आसान बनाएगा। पेशेवरों का कहना है कि विस्तृत खुलासों के कारण अनुपालन का बोझ बढ़ सकता है। प्राइस वाटरहाउस एलएलपी के पार्टनर जितेंद्र जैन ने कहा कि फॉर्म में उचित बाजार मूल्य की गणना, तुलनात्मक बेंचमार्क और संबद्ध उद्यमों की लागत शामिल होगी। मसौदा नियमों में वेतन के अलावा नियोक्ता से मिलने वाली सुविधाओं के आकलन और अनुपालन में भी बड़े बदलाव प्रस्तावित हैं।

मियाद बढ़ने से विदेशी आय और देर से रिटर्न भरने वालों को लाभ

नई दिल्ली । केंद्रीय बजट 2026 में संशोधित आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। फिलहाल करदाता को मूल रिटर्न दाखिल करने के बाद 9 महीने का समय मिलता है। नए प्रस्ताव के अनुसार यह अवधि बढ़ाकर 12 महीने या अगले कर निर्धारण वर्ष के समाप्त होने तक कर दी जाएगी, जो भी पहले हो। यह बदलाव 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। इसलिए यह कर निर्धारण वर्ष 2026-27 से यानी वित्त वर्ष 2025-26 के रिटर्न से चलेगी। इसके मुताबिक 31 दिसंबर के बाद लेकिन 31 मार्च से पहले संशोधित रिटर्न दाखिल करने वाले करदाता पर शुल्क लगेगा।

भारत के गोल्ड ईटीएफ ने जनवरी में रिकॉर्ड 2.49 अरब डॉलर निवेश किया

- दिसंबर 2025 के 1.25 अरब डॉलर की तुलना में 98 प्रतिशत अधिक

मुंबई ।

जनवरी 2026 में भारत के गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में शुद्ध निवेश 2.49 अरब डॉलर दर्ज किया गया, जो दिसंबर 2025 के 1.25 अरब डॉलर की तुलना में 98 प्रतिशत अधिक है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार यह लगातार आठवें महीने निवेश में वृद्धि को दर्शाता है। 2025 में भारत के गोल्ड ईटीएफ में कुल निवेश 4.68 अरब डॉलर रहा, जो 2024 के 1.29 अरब डॉलर से 262 प्रतिशत अधिक है। इसके पहले 2023 और 2022 में निवेश क्रमशः 31 करोड़ डॉलर और 3.3 करोड़ डॉलर था। वैश्विक निवेशकों ने जनवरी 2026 में फिजिकली बैक्ड गोल्ड ईटीएफ में 19 अरब डॉलर का निवेश किया, जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक निवेश है। सोने की कीमतों में जनवरी में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, ग्लोबल गोल्ड ईटीएफ के एसेट्स अंडर मैनेजमेंट 669 अरब डॉलर तक पहुंच गए। कुल होल्डिंग्स 4,145 टन तक बढ़ीं, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। एशियाई गोल्ड ईटीएफ में जनवरी में 10 अरब डॉलर का निवेश हुआ, लगातार पांचवें महीने वृद्धि दर्ज की गई। उत्तरी अमेरिका और एशिया ने वैश्विक मांग बढ़ाई, जबकि यूरोप में भू-राजनीतिक और व्यापारिक तनाव के बावजूद निवेश अच्छा रहा। महीने की शुरुआत में सोने की कीमतों में तेजी आई, लेकिन फेडरल रिजर्व के नए चेयरमैन के नामांकन के बाद महीने के अंत में गिरावट आई। इसके बावजूद महीने के आखिरी ट्रेडिंग दिन पर भी गोल्ड ईटीएफ में नेट पॉजिटिव फ्लो दर्ज किया गया।

रुपया 21 तेजी के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.71 पर बंद हुआ। आज सुबह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे मजबूत होकर 90.44 पर पहुंच गया। शुक्रवार को यह 90.65 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा बाजार में शुरुआती कमजोरी के बाद रुपये ने तेजी दिखायी। रुपए की मजबूती के पीछे सबसे बड़ा कारण भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार होना है। इस समझौते के तहत दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे। डॉलर इंडेक्स में 0.05 फीसदी की गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुझान ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे समझौते और बाजार स्थिरता रुपये की मजबूती के लिए सहायक रहेगी।

पंजाब नेशनल बैंक ने पांच साल की एफडी पर बढ़ाया रिटर्न

- वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा ज्यादा फायदा

मुंबई । हाल ही में रिजर्व बैंक की ब्याज दरों में कमी के बाद पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) दरों को अपडेट किया है। बैंक अब 7 दिन से लेकर 10 साल तक की एफडी सुविधा देता है। ब्याज दरें फिलहाल 3 फीसदी से शुरू होकर 7.2 फीसदी तक हैं। लंबी अवधि के निवेश के लिए 5 साल वाली एफडी उपयुक्त मानी जा रही है। आम नागरिकों को 6.10 फीसदी की दर पर 2 लाख निवेश करने पर मैच्योरिटी पर 2,70,701 रुपए मिलेंगे। यानी 70,701 रुपए का मुनाफा। 60 साल और उससे ऊपर की उम्र वाले वरिष्ठ नागरिकों को 6.60 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी। इसके तहत 2 लाख रुपए की राशि 5 साल बाद 2,77,445 रुपए तक बढ़ जाएगी, जो 77,445 रुपए का शुद्ध मुनाफा है। 390 दिन वाली स्पेशल एफडी में अति वरिष्ठ नागरिकों को 7.20 फीसदी तक का रिटर्न मिलता है।

पर्पल फाइनेंस इक्विटी वारंट से जुटाएगी 69.30 करोड़

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पर्पल फाइनेंस ने हाल ही में हुई निदेशक मंडल की बैठक में 1.26 करोड़ इक्विटी वारंट जारी करने का निर्णय लिया। प्रत्येक वारंट की कीमत 55 रुपये रखी गई है, जिससे कंपनी को कुल 69.30 करोड़ रुपये जुटाने की संभावना है। यह प्रक्रिया नियामकीय अनुमोदन पर निर्भर करेगी। कंपनी ने कहा कि मौजूदा और नए निवेशकों की भागीदारी उसके कारोबारी मॉडल, प्रशासनिक ढांचे और दीर्घकालिक वृद्धि रणनीति में भरोसा दर्शाती है। इक्विटी वारंट निवेशक को भविष्य में तय कीमत पर कंपनी के शेयर खरीदने का अधिकार देता है। यानी 55 रुपये में खरीदा गया वारंट भविष्य में इसी कीमत पर शेयर लेने का अवसर देता है, चाहे बाजार भाव बढ़ जाए। कंपनी का उद्देश्य अपने विस्तार और पूंजी आधार को मजबूत करना है।

वेलोसिटी एआई-आधारित 'शिपिंग' मंच के लिए 100 करोड़ का करेगी निवेश

- वेलोसिटी शिपिंग ने 2025 में शुरुआत के बाद से 900 से अधिक ब्रांड जोड़े

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स मंच वेलोसिटी अगले दो वर्षों में अपने लॉजिस्टिक्स कारोबार वेलोसिटी शिपिंग के विस्तार के लिए 100 करोड़ रुपये निवेश करेगा। यह निवेश पूरी तरह कंपनी के आंतरिक नकद भंडार और मुख्य कारोबार से होने वाली आय से किया जाएगा। वेलोसिटी शिपिंग ने 2025 में शुरुआत के बाद से 900 से अधिक ब्रांड जोड़ लिए हैं। मासिक आधार पर ऑर्डर की मात्रा में 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा रही है और यह वेलोसिटी की कुल आय का लगभग 40 प्रतिशत योगदान देता है। कंपनी का कहना है कि यह निवेश रणनीतिक नियुक्तियों, उत्पाद विकास और लॉजिस्टिक्स मूल्य श्रृंखला में एआई-आधारित नवाचार पर केंद्रित होगा। वेलोसिटी ने अपनी शिपिंग टीम दोगुना करने की योजना बनाई है और वरिष्ठ स्तर पर भी नियुक्तियां की हैं। वेलोसिटी शिपिंग कई तृतीय-पक्ष लॉजिस्टिक्स भागीदारों जैसे डेल्हीवरी, एकार्ट, अमेज़न, ब्लू डार्ट, ब्लिट्ज, पिकंडेल और एक्सप्रेसबीज के साथ काम करती है। यह देशभर में 19,000 से अधिक पिनकोड क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करती है। वेलोसिटी के एक प्रमुख अे धिकारी का कहना है कि कंपनी की शुरुआत डिजिटल-प्रथम ब्रांडों के लिए पूंजी और लॉजिस्टिक्स बाधाओं को हल करने के उद्देश्य से हुई थी। 100 करोड़ रुपये का यह निवेश दीर्घकालिक रणनीति और भारत के ई-कॉमर्स परिवेश के लिए श्रेणी-निर्धारक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करने के दृष्टिकोण को दर्शाता है। स्थापित 2020 में वेलोसिटी पूंजी, लॉजिस्टिक्स, इनसाइट्स और एआई-आधारित समाधानों से जुड़ी सेवाएं प्रदान करती है, और डिजिटल-प्रथम ब्रांडों के लिए एक समग्र समर्थन नेटवर्क तैयार कर रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुए । सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर आये साझा बयान से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक बढ़कर 84,065.75 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 173.60 अंक उछलकर 25,867.30 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पीएसयू बैंक, रियल्टी, इंडिया डिफेंस, मेटल, फार्मा और हेल्थकेयर के साथ करीब सभी शेयर लाभ के साथ ही उछलकर बंद हुए। सेंसेक्स पैक के शेयरों में एसबीआई, टाइटन, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, इंडिगो, एमएंडएम, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड, आईटीसी, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और मारुति के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर आये बयान से भी बाजार में उत्साह का माहौल है जिससे भी घरेलू बाजार उछला। भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ के 50 प्रतिशत से कम होकर 18 फीसदी होने से भी निवेशकों ने जमकर खरीदारी की । आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 938.45 अंक बढ़कर 60,441.15 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 447.25 अंक बढ़कर 17,385.90 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार ने जोरदार तेजी के साथ सप्ताह की शुरुआत की। सेंसेक्स करीब 418 अंकों की तेजी के साथ 83,999 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी 50 लगभग 123 अंकों की बढ़त के साथ 25,816 के आसपास खुला। निफ्टी ने 25,922 का इंट्रा-डे हाई भी छुआ, जिससे बाजार में मजबूती का संकेत मिला। वहीं एशियाई बाजारों में मजबूती, आई। जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजारों की तेजी से भी भारतीय बाजार उछला। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में आई मजबूत तेजी के असर से भी भारतीय बाजार को बढ़त मिली।

शेयर बाजार में चुनिंदा स्टॉक्स दे रहे ब्रेकआउट का संकेत

नई दिल्ली । शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कुछ चुनिंदा स्टॉक्स निवेशकों के लिए बड़ा अवसर बनकर उभर सकते हैं। बाजार के जानकारों के अनुसार मौजूदा चार्ट पैटर्न और वॉल्यूम मूवमेंट साफ संकेत दे रहे हैं कि ये शेयर अगली तेजी के लिए तैयार हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि श्नाइडर इले क्ट्रिक इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर निचले स्तरों से जबरदस्त वापसी कर चुके हैं। गिरते ट्रेंड को तोड़ते हुए शेयर ने ब्रेकआउट दिया है और सभी महत्वपूर्ण मूविंग एवरेज के ऊपर मजबूती से टिक गया है। निवेशक गिरावट पर सक्रिय खरीदारी कर रहे हैं। विशेषज्ञ का सुझाव है कि इस शेयर को 769 रुपये के आसपास खरीदा जा सकता है, स्टॉप लॉस 725 रुपये रखा जाए, और लक्ष्य 850 रुपये तय किया गया है। सी नियर फार्मास्यु टिकल्स लंबे समय से मजबूत अपट्रेंड में है और लगातार ऊंचे स्तर बना रहा है। फिलहाल का ठहराव कमजोरी नहीं बल्कि अगली बड़ी चाल की तैयारी माना जा रहा है। शेयर 835 रुपये के ऊपर मजबूती से बंद होने पर नई खरीदारी शुरू हो सकती है। विशेषज्ञ की राय में इसे 825 रुपये पर खरीदें, स्टॉप लॉस 780 रुपये और लक्ष्य 900 रुपये निर्धारित किया गया है। सुंदरम फाइनेंस का शेयर 5,500 रुपये के आसपास रुकावट का सामना कर रहा है, लेकिन अंदरूनी मजबूती बनी हुई है। अहम मूविंग एवरेज के ऊपर कीमतें यह दिखाती हैं कि निचले स्तरों पर लगातार खरीदारी हो रही है। अगर शेयर 5,500-5,550 रुपये के ऊपर टिकता है, तो नए रिकॉर्ड स्तर खुल सकते हैं। लक्ष्य 5,900-6,000 रुपये तय किया गया है, जबकि 5,250 रुपये को सपोर्ट और स्टॉप लॉस माना गया है।

भारत की जीडीपी वृद्धि 2026-27 में 6.4 फीसदी रहने का अनुमान- मूडीज

- बैंकिंग क्षेत्र की परिसंपत्ति गुणवत्ता मजबूत बनी रहेगी

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अनुमान लगाया है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2026-27 में 6.4 फीसदी होगी। एजेंसी ने कहा कि मजबूत घरेलू खपत, नीतिगत उपाय और स्थिर बैंकिंग प्रणाली के कारण भारत जी-20 देशों में सबसे तेज वृद्धि दर्ज करेगा। यह अनुमान वित्त मंत्रालय की 6.8-7.2 फीसदी की सीमा से थोड़ा कम है। चालू वित्त वर्ष (2025-26) में वृद्धि दर 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 6.5 फीसदी से अधिक है। मूडीज ने अपनी बैंकिंग प्रणाली परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि बैंकिंग क्षेत्र की परिसंपत्ति गुणवत्ता मजबूत बनी रहेगी। हालांकि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) में कुछ दबाव देखने को मिल सकता है। बैंकों के पास ऋण नुकसान झेलने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। समूची बैंकिंग प्रणाली में ऋण वृद्धि वित्त वर्ष 2026-27 में 11-13 फीसदी रहने की संभावना है, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 की 10.6 फीसदी से अधिक है। मूडीज ने कहा कि सितंबर 2025 में जीएसटी का युक्तिकरण और व्यक्तिगत आयकर सीमा बढ़ाने से उपभोक्ताओं की वहन क्षमता बढ़ेगी, जिससे खपत आधारित वृद्धि को मजबूती मिलेगी। मुद्रास्फीति नियंत्रण

में रहने और वृद्धि की गति मजबूत रहने के कारण, मूडीज ने अनुमान जताया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वित्तीरु 2026-27 में केवल तभी नीतिगत दर में ढील देगा जब आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती आएगी। वर्तमान में आरबीआई की नीतिगत दर 5.25 फीसदी है।

जनवरी में 13.68 करोड़ ईवे बिल जारी किए गए, 43 फीसदी की बढ़ोतरी

- पिछले साल जनवरी में मात्र 9.59 करोड़ ईवे बिल जारी किए गए थे

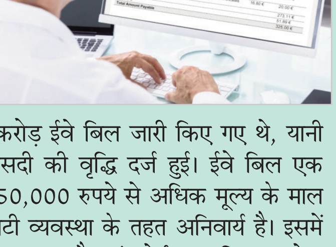

नई दिल्ली । जनवरी 2026 में देश में लगभग 13.68 करोड़ ईवे बिल जारी किए गए, जो अब तक का दूसरा सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है। इससे पहले दिसंबर में यह आंकड़ा 13.83 करोड़ था। पिछले साल जनवरी में मात्र 9.59 करोड़ ईवे बिल जारी किए गए थे, यानी इस साल जनवरी में 43 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई। ईवे बिल एक इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज है, जो 50,000 रुपये से अधिक मूल्य के माल की आवाजाही के लिए जीएसटी व्यवस्था के तहत अनिवार्य है। इसमें माल, भेजने वाला, प्राप्त करने वाला और ट्रांसपोर्टर का विवरण होता है। इसका मकसद कर चोरी रोकना और राज्यों में माल की रीयल-टाइम निगरानी करना है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि जीएसटी दरों में कटौती और सरकार के नीतिगत उपायों से घरेलू खपत मजबूत होने का संकेत देती है।

आखिर क्यों चर्चा में है खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन

सुनील कुमार महला

उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2 फरवरी 2026 को बीकानेर के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में हजारों पर्यावरण प्रेमियों, संतों और बिश्नोई समाज के लोगों का विशाल 'महापड़ाव' शुरू हुआ। इस दिन बीकानेर के बाजार पूरी तरह बंद रहे और स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया। इसके अगले दिन, 3 फरवरी 2026 को, कलेक्ट्रेट के सामने 363 संतों और पर्यावरण प्रेमियों ने आंखों पर पट्टी बांधकर 'आमरण अनशन' प्रारंभ किया। यह संख्या ऐतिहासिक खेजड़ली बलिदान की स्मृति में प्रतीकात्मक रूप से चुनी गई थी।

इन दिनों राजस्थान में खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन खास चर्चा में है। दरअसल, खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन राजस्थान के राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' के संरक्षण के लिए चलाया जा रहा एक जन-आंदोलन है। वास्तव में यह आंदोलन सोलर कंपनियों द्वारा पेड़ों की कटाई के कारण चर्चा में आया। आंदोलनकारियों का आरोप है कि राजस्थान के बीकानेर और आसपास के इलाकों में सोलर पावर प्रोजेक्ट्स स्थापित करने के लिए कंपनियां बड़े पैमाने पर खेजड़ी के पेड़ों की कटाई कर रही हैं। यह भी आरोप लगाया गया कि पकड़े जाने के डर से पेड़ों को रात के अंधेरे में काटकर जमीन में दबा दिया जाता है।

आंदोलनकारियों की मुख्य मांगें स्पष्ट हैं। वे पूरे राजस्थान में खेजड़ी की कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध चाहते हैं। इसके साथ ही राज्य में एक प्रभावी 'ट्री प्रोटेक्शन एक्ट' लागू करने की मांग की जा रही है, जिसमें अवैध कटाई पर भारी जुमार्ने (रू.1 लाख तक) और जेल की सजा का प्रावधान हो। आंदोलनकारियों का यह भी कहना है कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ऐसी जमीनों का ही आवंटन किया जाए, जहां पहले से हरे-भरे पेड़ मौजूद न हों।

यहां पाठकों को बताना जरूरी है कि इस आंदोलन की मुख्य और प्रभावी शुरूआत हाल ही में 2 फरवरी 2026 को राजस्थान के बीकानेर जिले से हुई। हालांकि बीकानेर कलेक्ट्रेट और करणीसर भाटियान क्षेत्र में पिछले लगभग एक महीने से शांतिपूर्ण धरने और प्रदर्शन चल रहे थे, लेकिन फरवरी 2026 के पहले सप्ताह में इसे 'महा-आंदोलन' का रूप मिला।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2 फरवरी 2026 को बीकानेर के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में हजारों पर्यावरण प्रेमियों, संतों और बिश्नोई समाज के लोगों का विशाल 'महापड़ाव' शुरू हुआ। इस दिन बीकानेर के बाजार पूरी तरह बंद रहे और स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया। इसके अगले दिन, 3 फरवरी 2026 को, कलेक्ट्रेट के सामने 363 संतों और पर्यावरण प्रेमियों ने आंखों पर पट्टी बांधकर 'आमरण अनशन' प्रारंभ किया। यह संख्या ऐतिहासिक खेजड़ली बलिदान की स्मृति में प्रतीकात्मक रूप से चुनी गई थी।

मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 5 और 6 फरवरी 2026 को आंदोलन के बढ़ते दबाव के बीच राज्य के उद्योग मंत्री के.के. बिश्नोई धरना स्थल पर पहुंचे। सरकार की ओर से जोधपुर और बीकानेर संभाग में खेजड़ी की कटाई पर तत्काल लिखित प्रतिबंध लगाने तथा विधानसभा में सख्त 'ट्री प्रोटेक्शन एक्ट' लाने के आश्वासन के बाद आमरण अनशन समाप्त किया गया।

यह भी उल्लेखनीय है कि इस जन-आंदोलन का मुख्य केंद्र बीकानेर रहा, लेकिन इसकी गूंज पूरे पश्चिमी राजस्थान(जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर) में विशेष रूप से सुनाई दी। इस आंदोलन में न केवल राजस्थान, बल्कि हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। आंदोलन को पूर्व मुख्यमंत्रियों वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत तथा हनुमान बेनीवाल जैसे प्रमुख नेताओं का भी समर्थन मिला, जिससे यह आंदोलन एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभरा।

फिलहाल आमरण अनशन समाप्त हो चुका है, लेकिन आंदोलनकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक विधानसभा में कानून पारित नहीं हो जाता, तब तक उनका प्रतीकात्मक धरना यानी 'महापड़ाव' जारी रहेगा। उनकी मांग है कि खेजड़ी कटाई पर लगाया गया प्रतिबंध पूरे राजस्थान में प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

यहां पाठकों को यह भी बताना आवश्यक है कि खेजड़ी संरक्षण का इतिहास राजस्थान की मिट्टी में गहराई से जुड़ा हुआ है। अमृता देवी बिश्नोई के नेतृत्व में वर्ष 1730 ईस्वी में 363 लोगों ने हरे पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। इन बलिदानियों में 69 महिलाएं और 294 पुरुष शामिल थे। खेजड़ली (जोधपुर) का यह बलिदान, वर्ष 1730 ईस्वी (विक्रम संवत 1787) में घटित, विश्व इतिहास की सबसे महान पर्यावरण संरक्षण घटनाओं में गिना जाता है। यह पेड़ों की रक्षा के लिए दिया गया पहला और सबसे बड़ा सामूहिक बलिदान माना जाता है।

इतिहास बताता है कि जोधपुर के तत्कालीन महाराजा अभय सिंह को अपने नए महल के निर्माण हेतु चूना पकाने के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी की आवश्यकता थी। इसके लिए उनके कारिंदे गिरधारी दास सैनिकों के साथ खेजड़ली गांव पहुंचे और खेजड़ी के हरे पेड़ों को काटने लगे। इसका अमृता देवी बिश्नोई ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने सैनिकों को चुनौती देते हुए ऐतिहासिक नारा दिया-सिर साठे रूंख रहे, तो भी सस्तो जाण। अर्थात यदि सिर कटने के बाद भी एक पेड़ बचता है, तो यह सौदा भी सस्ता ही समझा जाना चाहिए।

पेड़ों को बचाने के लिए अमृता देवी सबसे पहले खेजड़ी के पेड़ से लिपट गईं। सैनिकों ने पेड़ के साथ उन्हें भी काट दिया। उनके बाद उनकी तीन बेटियां-आसू, रत्नी और भागू-और फिर उनके पति ने भी अपने प्राणों की आहुति दी। यह दृश्य देखकर पूरे गांव और आसपास के 84 गांवों के लोग उमड़ पड़े और एक-एक करके पेड़ों से लिपटते चले गए।

जब महाराजा अभय सिंह को इस भीषण नरसंहार की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत पेड़ों की कटाई रुकवाई और भविष्य के लिए एक ताम्रपत्र यानी राजकीय आदेश जारी किया, जिसमें बिश्नोई बहुल क्षेत्रों में कभी भी हरे पेड़ न काटे जाने का निर्देश दिया गया।

यह भी उल्लेखनीय है कि आधुनिक काल का 'चिपको आंदोलन', जिसके प्रणेता सुंदरलाल बहुगुणा थे, इसी खेजड़ली बलिदान से प्रेरित माना जाता है। भारत सरकार और राजस्थान सरकार पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अमृता देवी के नाम पर 'अमृता देवी वन्य जीव पुरस्कार' (राष्ट्रीय पुरस्कार) भी प्रदान करती हैं। खेजड़ली गांव में आज भी एक भव्य शहीद स्मारक स्थित है, जहां हर वर्ष भाद्रपद शुक्ल दशमी को विश्व का एकमात्र 'वृक्ष मेला' आयोजित किया जाता है।

अंत में यह कहना उचित होगा कि खेजड़ी का केवल पर्यावरणीय ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व भी है। यह आंदोलन केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजस्थान की संस्कृति और आस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है। खेजड़ी राजस्थान का राज्य वृक्ष है, जिसका वैज्ञानिक नाम 'प्रोसोपिस सिनेरेरिया' है। इसे 'रेगिस्तान का कल्पवृक्ष' कहा जाता है और यह थार मरुस्थल की पारिस्थितिकी की रीढ़ की हड्डी मानी जाती है।

गौरतलब है कि राजस्थान सरकार ने 31 अक्टूबर 1983 को खेजड़ी को राज्य वृक्ष घोषित किया था। इसका उद्देश्य थार मरुस्थल के पारिस्थितिकी तंत्र में इसके महत्व को देखते हुए इसके संरक्षण को बढ़ावा देना था। यदि हम खेजड़ी वृक्षों से जुड़े आंकड़ों की बात करें, तो सरकार या किसी अन्य विश्वसनीय स्त्रोत द्वारा राज्य में खेजड़ी के कुल वृक्षों की वर्तमान आधिकारिक संख्या का कोई विस्तृत और ताजा डेटा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। हालांकि कुछ हालिया रिपोर्टों और विधायकों के बयानों से इसकी स्थिति का अनुमान लगाया जा सकता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार राजस्थान विधानसभा में एक स्थानीय विधायक ने यह बयान दिया कि पश्चिमी राजस्थान में पिछले 15 वर्षों में लगभग 26 लाख से अधिक खेजड़ी के पेड़ काटे जा चुके हैं और भविष्य में करीब 50 लाख खेजड़ी पेड़ों की कटाई की तैयारी बताई जा रही है। ये आंकड़े इस बात का संकेत देते हैं कि हजारों से लाखों की संख्या में खेजड़ी वृक्ष अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका अस्तित्व गंभीर खतरे में है।

हालांकि, यहां राहत की बात यह है कि खेजड़ी संरक्षण के प्रयास भी जारी हैं। इसी क्रम में पाठकों को जानकारी देना आवश्यक है कि एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र के अनुसार राज्य में सोलर ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2028 तक 10 लाख (एक मिलियन) नए खेजड़ी वृक्ष लगाने का लक्ष्य घोषित किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य में खेजड़ी की कुल संख्या बढ़ाना है।

आज भी पश्चिमी राजस्थान में लाखों खेजड़ी के पेड़ मौजूद हैं, लेकिन बड़ी संख्या में इन्हें काटा जा चुका है और भविष्य में कटाई की आशंका भी बनी हुई है। वास्तव में खेजड़ी बचाओ आंदोलन राजस्थान में खेजड़ी वृक्ष के संरक्षण के लिए चल रहा एक पर्यावरणीय और सामाजिक आंदोलन है। इसका मूल कारण खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई और उससे हो रहे पर्यावरणीय नुकसान के खिलाफ जन-आक्रोश है। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग कानूनी सुरक्षा और प्रभावी रोक की है। सामाजिक और राजनीतिक समर्थन, आमरण अनशन तथा सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों के कारण यह आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में बना हुआ है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि खेजड़ी केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि मरुस्थल की जीवनरेखा है। इसका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अनिवार्य है। वास्तव में खेजड़ी ही नहीं, सभी वृक्षों का संरक्षण संभव है और इसमें असंभव कुछ भी नहीं है। इसके लिए सबसे पहले अंधाधुंध कटाई पर सख्त रोक लगाना आवश्यक है। खाली पड़ी सरकारी भूमि, खेतों की मेड़ों और सड़कों के किनारे बड़े पैमाने पर खेजड़ी के नए पौधे लगाने का अभियान चलाया जाना चाहिए। नए पौधों के रोपण को प्राथमिकता देनी होगी। इसके साथ ही स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में खेजड़ी संरक्षण के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। खेजड़ी को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों, जैसे 'ग्लोबोटर्म्स' (दीमक), और विभिन्न रोगों से बचाने के लिए कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार उचित जैविक उपचार किए जाने चाहिए। खेजड़ली बलिदान से प्रेरणा लेकर समुदाय को संगठित करना और संरक्षण के प्रयासों को बिश्नोई पंथ जैसी परंपराओं से जोड़ना भी अत्यंत आवश्यक है। इसके अतिरिक्त पशु चराई पर नियंत्रण जरूरी है। खेजड़ी की वृद्धि दर बढ़ाने और इसे जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए उन्नत बीजों और आधुनिक तकनीकों पर शोध किया जाना चाहिए। खेजड़ी के आसपास जल संचयन की पारंपरिक विधियों, जैसे टांका और खडीन, को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि सूखे के समय भी इन पेड़ों को पर्याप्त नमी मिल सके।अति-दोहन पर रोक लगाने के साथ-साथ खेजड़ी संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और पंचायतों को पुरस्कार और आर्थिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए। यदि हम पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के प्रति सचेत और जागरूक रहेंगे, तो इसमें कोई संदेह नहीं कि हम वृक्षों को बचाने में सफल हो सकते हैं।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

किसानों की आशंकाएं

बीते शनिवार जारी किए गए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रारूप को लेकर उठ रहे सवालों ने फिर उस मूलभूत सवाल को पुख्ता किया है कि मुक्त व्यापार समझौते की कीमत कौन चुकाएगा? साथ ही यह भी कि इसका लाभ किसे मिलेगा? इस समझौते से जुड़ी आशंकाओं को लेकर कुछ किसान संगठन आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। निस्संदेह, उनकी आशंकाएं सिर्फ सोयाबीन तेल, सूखे अनाज और सेब पर आयात शुल्क में छूट को लेकर ही नहीं हैं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और भारतीय कृषि के भविष्य को लेकर भी हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलतः कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि कृषि और दुग्ध उद्योग संरक्षित रहेंगे। जबकि संयुक्त समझौते में कृषि और खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क कम करने और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की बात कही गई है। कम आय, बढ़ती लागत और बढ़ते कर्ज से जूझ रहे किसानों को इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टता चाहिए। यही वजह है कि कई किसान संगठनों, विपक्षी दलों और कुछ राज्य सरकारों ने मांग की है कि इस समझौते का पूरा विवरण संसद के समक्ष रखा जाए। निस्संदेह, यह मांग तार्किक है क्योंकि व्यापार समझौते भी घरेलू कानूनों की तरह ही आजीविका को गहराई तक प्रभावित करते हैं। कृषि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मजबूत घरेलू समर्थन, उचित मूल्य, सब्सिडी, बुनियादी ढांचे और जोखिम संरक्षण दिए बिना, बाजारों को खोलने के कदम छोटे और सीमांत किसानों पर भारी पड़ सकते हैं। इसी फिक्र के चलते हड़ताल एक चेतावनी है। यदि सरकार का मानना है कि यह समझौता वास्तव में किसानों के हितों को प्राथमिकता देता है तो उसे पारदर्शिता, संसदीय बहस और सार्थक परामर्श के माध्यम से इसे साबित भी करना चाहिए। अन्यथा, सुधारों की कहानी एक बार फिर देश के अन्नदाता की चिंताओं को दूर करने में विफल रहेगी। इसी तरह देश के सेब उत्पादकों को भी आश्वस्त करना होगा कि उनके सेब की खुशबू बरकरार रहेगी।

सूक्ति

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है
– चाणक्य

आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते है
– जॉर्ज वीनवर्ग

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है
– जॉन टिलोटसन

लोकतंत्र के सर्वोच्च आसन पर उठते सवाल

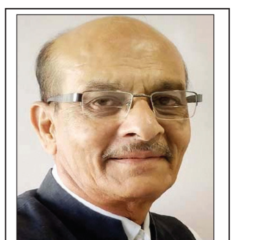

सनत जैन

लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। यह वह आसन है, जो सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखने का संवैधानिक प्रावधान एवं जिम्मेदारी का प्रतीक है। संविधान में परिभाषित है। लोकसभा का अध्यक्ष और राज्य सभा का सभापति पार्टीगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन का संचालन करेगा। दोनों ही सदन में सभी सदस्यों के हितों के संरक्षण की जिम्मेदारी अध्यक्ष और सभापति की होती है। हालिया घटनाक्रम ने इसी धारणा को कटघरे में खड़ा कर दिया है। विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी करना कोई साधारण राजनीतिक घटना नहीं है। संसदीय लोकतंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है। पिछले कई सत्रों से लोकसभा में विपक्ष आरोप लगाता रहा है, उन्हें सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा। बोलने के पहले तरह-तरह से उन्हें रोका जा रहा है। सदन के अंदर सदस्यों को बोलने की जो स्वतंत्रता थी, उसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बाधित किया जा रहा है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जैसे संवैधानिक और परंपरागत अवसर पर भी विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न मिलना वहीं सत्ता पक्ष के एक सदस्य को बोलने का अवसर दिया गया। इसने असंतोष को आर और पार की लड़ाई में लाकर खड़ा कर दिया है। विपक्ष का कहना है कि सत्ता पक्ष को खुली छूट दी जाती है। जबकि विपक्ष को सवालों ओर नियमों का हवाला देकर बोलने नहीं दिया जाता है। विपक्ष यह कहने से नहीं चूक रहा है, कि आसंदी द्वारा सत्ता पक्ष के लिए अलग, विपक्ष के साथ अलग व्यवहार किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष का यह तर्क कि 'सदन नियम और परंपरा से चलेगा' अपने आप में सही है, लेकिन सवाल यह है, कि क्या ये नियम सबके लिए समान रूप से लागू हो रहे हैं? पिछले 10 वर्षों में विपक्ष द्वारा जब भी कोई स्थगन प्रस्ताव अध्यक्ष को दिया गया, किसी को मंजूरी नहीं दी गई। जबकि परंपराएं और लोकसभा की कार्यवाही में ऐसे दर्जनों उदाहरण हैं जहां पर विपक्ष को स्थगन प्रस्ताव में बोलने का अवसर दिया गया। जब सत्ता पक्ष कांग्रेस को 'गद्दार' कहता है, तब वह सदन की मयार्दा है? और जब विपक्ष उसका जवाब देना चाहता है, तब उसे 'आउट ऑफ प्रोसीडिंग' बताकर रोक दिया जाता है। तो यह किस तरह की निष्पक्षता है? विपक्ष का आरोप है कि अध्यक्ष का व्यवहार निष्पक्ष एवं मध्यस्थता वाला नहीं है। ऐसा स्पष्ट रूप से दिख रहा है। आसंदी का व्यवहार सत्ता पक्ष के रक्षक का है। पिछले वर्षों में जिस तरह से बिल और कानूनों को बिना किसी चर्चा के हो हल्ले में पास कर दिया गया। यही कारण है कि विपक्ष ने अब अविश्वास प्रस्ताव जैसा असाधारण कदम उठाने का मन बनाया है। पिछले 76 सालों में लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव तीन बार लाया गया है। चौथी बार ऐसी स्थिति बनना अपने आप में असाधारण और चिंताजनक है। संविधान के अनुसार, अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ लिखित नोटिस आवश्यक होता है। यह प्रस्ताव तभी लाया जाता है जब विपक्ष यह मान ले कि अध्यक्ष सदन की निष्पक्षता बनाए रखने में असफल हैं। विपक्ष इस मुद्दे पर एकमत हैं। महिला सांसदों ने भी लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी नाराजी जताई है। जो यह दशार्ता है, असंतोष केवल एक दल अथवा एक वर्ग तक सीमित नहीं है। इस पूरे विवाद का सबसे गंभीर पहलू यह है, पिछले कई वर्षों में सदन के सत्र छोटे होते जा रहे हैं। संसद की कार्यवाही बार-बार ठप्प होना अब सामान्य हो गया है। इसका लाभ उठा कर सत्ता पक्ष बिल पास कर लेती है। बजट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बजाय बार-बार कार्यवाही स्थगित होना, अध्यक्ष द्वारा सत्ता पक्ष और विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया जाता है। जबकि नियमों के अनुसार विपक्ष की आवाज को अध्यक्ष का संरक्षण मिलना चाहिए। आसंदी की इस कार्रवाई से लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करता है। इतिहास गवाह है, जब-जब अध्यक्ष ने निष्पक्षता दिखाई, तब-तब विपक्ष ने भी मयार्दा का पालन किया है। जब कुर्सी की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं, तब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में टकराव बढ़ता है। वर्तमान में स्थिति यहां तक पहुंच गई है, अध्यक्ष का आसन राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। वर्तमान स्थिति केवल ओम बिरला या लोकसभा अध्यक्ष के पद या बजट सत्र की नहीं है, यह उस संविधान एवं लोकतांत्रिक परंपरा की परीक्षा है जिसे भारत के संसदीय लोकतंत्र ने कई दशकों में गढ़ा गया है। यदि अध्यक्ष की निष्पक्षता पर विश्वास उठता है, तो केवल विपक्ष नहीं, पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं संविधान भी कमजोर होता है। आवश्यकता इस बात की है, लोकसभा अध्यक्ष अपने पद की गरिमा को पुनः स्थापित करें। सत्ता और विपक्ष, दोनों के लिए समान नियम और समान अवसर सुनिश्चित करें। विपक्ष के पास बहुमत नहीं होता है इसलिए उसे संरक्षण की जरूरत होती है। सत्ता पक्ष की दादागिरी से अध्यक्ष ही विपक्ष को संरक्षण दे सकता है। लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं, बल्कि संवाद और विश्वास के सहारे चलता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर आवाम की आवाज को सदन में लेकर आते हैं। सत्ता पक्ष से ज्यादा वोट विपक्ष के पास होते हैं। विपक्ष बटा हुआ होता है, इसलिए सत्ता पक्ष राज करता है। सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोकसभा अध्यक्ष को इस बात को ध्यान में रखना जरूरी है। लोकसभा के अध्यक्ष भले बहुमत से चुने जाते हों, लेकिन अध्यक्ष चुने जाने के बाद सभी सदस्यों के अध्यक्ष होते हैं।

पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं दालें

योगेश कुमार गोयल

हर साल 10 फरवरी को मनाया जाने वाला 'विश्व दलहन दिवस' हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक गहरी कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल भोजन भर की नहीं है बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम 'विश्व की दलहनः सादगी से उत्कृष्टता की ओर' इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं। दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्त्रोत हैं। इनके साथ मिलने वाला आहार फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जिंक, फोलेट, मैग्नीशियम और बी-विटामिन्स जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। कम वसा और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं। पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें कम पानी की जरूरत पड़ती है और इनका कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। यही कारण है कि बदलते जलवायु परिदृश्य में दलहन को जलवायु-अनुकूल और भविष्य की फसल माना जा रहा है। सीमित संसाधनों और अनिश्चित मौसम के दौर में ये फसलें किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनती जा रही हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में भी दलहन की भूमिका निर्णायक है। तेजी से बढ़ती आबादी, कुपोषण और जलवायु अस्थिरता के बीच दालें सस्ती, सुलभ और पोषण से भरपूर समाधान प्रस्तुत करती हैं। भूखमुक्त समाज, बेहतर स्वास्थ्य और टिकाऊ विकास जैसे वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने में इनका योगदान प्रत्यक्ष और प्रभावी है। भारत में विश्व दलहन दिवस का महत्व केवल एक वैश्विक तिथि तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह देश की कृषि परंपरा, पोषण दृष्टि और सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ जाता है। भारत न केवल विश्व के प्रमुख दलहन उत्पादक और उपभोक्ताओं में अग्रणी है बल्कि यहां की खाद्य संस्कृति में दाल को संतुलित आहार की आत्मा माना गया है। दाल-चावल, दाल-रोटी और खिचड़ी जैसे सरल, सुलभ और पौष्टिक भोजन सदियों से भारतीय समाज में स्वास्थ्य, सादगी और सहजीवन के प्रतीक रहे हैं। दलहन केवल थाली की शोभा नहीं बल्कि पोषण सुरक्षा की मजबूत आधारशिला हैं। इनमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, खनिज और सूक्ष्म पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कुपोषण से लड़ने और स्वास्थ्य सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। विशेषकर शाकाहारी आबादी के लिए दालें सस्ती, टिकाऊ और भरोसेमंद प्रोटीन स्त्रोत हैं। कुल मिलाकर, यह दिवस किसानों के लिए भी नई संभावनाओं का द्वार खोलता है। दलहन आधारित फसल चक्र अपनाने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, नाइट्रोजन स्थिरीकरण के कारण रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटती है और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। परिणामस्वरूप किसानों की लागत कम होती है और आय में स्थिरता आती है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन के दौर में दलहन खेती पर्यावरण के अनुकूल समाधान प्रस्तुत करती है। उपभोक्ताओं के लिए यह अवसर अपने भोजन विकल्पों पर पुनर्विचार करने का संदेश देता है, अधिक पौध आधारित, स्थानीय और पोषण-संपन्न आहार की ओर लौटने का आह्वान। दालें यह सिद्ध करती हैं कि सादगी में भी उत्कृष्टता छिपी होती है। यदि नीति-निमार्ता, किसान और उपभोक्ता मिलकर दलहनों को प्राथमिकता दें तो स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था, तीनों को एक साथ मजबूती मिल सकती है। सच यही है कि छोटे-छोटे बीज मिलकर एक सुरक्षित, स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य की नींव रखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में टूर गाइड सेवा से मौके दे रहा भारतीय, केरल का जेम बना थॉमस टूर्स का उद्यमी

लंदन, एजेंसी। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) से मैक्रो-इकोनॉमिक्स में मास्टर्स कर चुके केरल के एक गांव के छात्र ने ब्रिटेन के कठिन रोजगार बाजार में साथियों का मनोबल बढ़ाने के लिए एक अनूठी टूर गाइड सेवा शुरू की है। थिरुवल्ला के मल्लापल्ली निवासी जेम थॉमस मैथ्यू ने अपने दादा के नाम पर थॉमस टूर्स नाम से एक सामाजिक उद्यमी बनने का फैसला किया, जो उनके जैसे नई नौकरी चाहने वालों को अंशकालिक आधार पर लाभकारी रोजगार का मौका देता है। 23 वर्षीय जेम ने एलएसई के एक तंगहाल छात्र के रूप में सीखी अपनी बजट-अनुकूल सोच का उपयोग किया। उन्होंने ऐसे यात्रा कार्यक्रम तैयार किए, जो आगंतुकों को लंदन को स्थानीय लोगों की तरह किफायती और यादगार तरीके से घूमने का मौका देते हैं। एजेंसी जेम ने कहा, लंदन आकर मैं साइकिल चलाता रहा हूं और शहर में घूमने के कई शॉर्टकट व पैदल यात्रा सीखी। मैं शहरी स्नातकों को सशक्त बनाने के मिशन के साथ अन्य पर्यटन विकल्पों की तुलना में आधे बजट में यात्रा कार्यक्रम बनाना जानता हूं। वे छात्रों को ब्रिटेन में नौकरी खोजने की अनुमति देकर रोजगार बाजार में आगे रखना चाहते हैं। जेम थॉमस मैथ्यू की योजना सामाजिक उद्यम की अवधारणा स्नातकों को लंदन में जीवन निर्वाह के लिए 14.80 पाउंड प्रति घंटा अर्जित करने में मदद करते हुए उन्हें सम्मान दिलाने की है। वह बोले, स्नातकों को लचीलापन चाहिए ताकि वे शहर में गुजारे के लिए कमाई करते हुए औपचारिक नौकरी के लिए आवेदन कर सकें। उनका प्रयास इसमें मदद करेगा।

अमेरिका में आव्रजन कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) और संघीय आव्रजन प्रवर्तन कार्रवाइयों के खिलाफ अमेरिका में विरोध उग्र होता जा रहा है। लोग आईसीई एजेंटों के खिलाफ सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। विभिन्न राज्यों में चल रहे प्रदर्शनों में लोगों का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर आव्रजन कार्रवाइयों के दौरान संघीय एजेंट मानवीय मूल्यों की लगातार अवहेलना कर रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को मिनेसोटा राज्य के सेंट पॉल में मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज के आवास के बाहर लोगों ने व्यापक प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां व पोस्टर बैनर लेकर आईसीई एजेंटों के खिलाफ नारे लगाए और विरोध जताया। पिछले दिनों एजेंटों की गोली से एक महिला व एक पुरुष की मौत हो गई थी। इसके बाद से पूरे देश में प्रदर्शन उग्र रूप से जारी है।

सूडान : अर्धसैनिक समूह के हमले में 24 लोग मारे गए

खार्तूम, एजेंसी। एक कुख्यात अर्धसैनिक समूह ने शनिवार को मध्य सूडान में विस्थापित परिवारों को ले जा रहे एक वाहन पर ड्रोन से हमला करके 8 बच्चों समेत 24 लोगों की जान ले ली। युद्ध पर नजर रखने वाले डॉक्टरों के समूह डॉक्टर्स नेटवर्क ने बताया, रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा किया गया यह हमला उत्तरी कोरदोफान प्रांत के रहाद शहर के पास हुआ। मृतकों में दो नवजात शिशु भी शामिल थे। वाहन में उत्तरी कोरदोफान में लड़ाई से भागे विस्थापित लोग सवार थे। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, इस विनाशकारी युद्ध में 40,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, लेकिन सहायता समूहों का कहना है कि यह आंकड़ा कम है और वास्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक हो सकती है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मेलोनी से की मुलाकात

इटली, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपने इटली प्रवास के दौरान मिलान में प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। वे एक सप्ताह तक दौरे पर हैं। वेंस ने ओलंपिक खेलों और कूटनीति के मुद्दों पर मेलोनी के साथ लगभग एक घंटे तक चर्चा की। मेलोनी को यूरोप में ट्रंप प्रशासन का करीबी सहयोगी माना जाता है। मुलाकात के बाद दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में लंच भी हुआ। इससे पहले वेंस ने अपने परिवार और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ मिलानो आइस स्केटिंग एरिना में फिगर स्केटिंग प्रतियोगिता देखी।

पनामा में हचिसन का अनुबंध रद्द, हांगकांग भड़का, दूत तलब

पनामा, एजेंसी। हांगकांग के वाणिज्य प्रमुख ने शुक्रवार को पनामा के महावाणिज्य दूत को तलब कर पनामा सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की कड़ी निंदा की, जिसने हांगकांग स्थित सीके हचिसन के दो बंदरगाहों के संचालन का अनुबंध रद्द कर दिया है। इससे पहले चीन के हांगकांग और मकाऊ मामलों के कार्यालय ने पनामा को भारी कीमत चुकाने की चेतावनी दी थी। इस मामले से दोनों देशों में जबरदस्त तल्खी है।

आईएसआईएस ने इस्लामाबाद शिया मस्जिद में धमाके की जिम्मेदारी ली

4 गिरफ्तार, मरने वालों की संख्या बढ़कर 36 हुई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में एक्टिव आतंकी संगठन आईएसआईएस ने इस्लामाबाद की शिया मस्जिद में हुए ब्लास्ट की जिम्मेदारी ली है। इस मामले में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में इस हमले का मास्टरमाइंड भी शामिल है। इस हमले में 31 लोग मारे गए थे और 169 अन्य घायल हो गए थे। आत्मघाती हमलावर ने खदीजा अल-कुबरा मस्जिद (इमामबाड़ा) में खुद को उड़ा लिया था। दूसरी ओर भारत ने हमले की निंदा करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्रालय ने देर रात बयान जारी कर कहा कि हमले में भारत के शामिल होने का दावा निराधार है। विदेश मंत्रालय ने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान इन मुद्दों का हल ढूंढने के बजाय, दूसरों को अपनी परेशानियों के लिए दोषी ठहरा रहा है। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा- पाकिस्तान खुद को ही धोखा दे रहा है। भारत का ये बयान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस दावे के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि हमले में भारत और अफगानिस्तान शामिल थे। हमलावर की पहचान पेशावर निवासी 32 वर्षीय यासिर के रूप में हुई, जिसने मस्जिद के गेट पर सुरक्षा गार्ड पर गोली चलाई और फिर अंदर नमाज पढ़ रहे लोगों के बीच खुद को उड़ा लिया। शुरू में 31 मौतें और 169 घायल होने की खबर आई, लेकिन बाद में कुछ गंभीर घायलों की मौत के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 36 हो गई। यह हमला 2008 के मैरियट होटल बम विस्फोट के बाद इस्लामाबाद में सबसे घातक हमला माना जा रहा है, जिसने राजधानी में सुरक्षा की चिंताओं को और बढ़ा दिया। आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के क्षेत्रीय सहयोगी 'इस्लामिक स्टेट इन पाकिस्तान' (जिसे आईएसकेपी या आईएस-खोरासान प्रांत भी कहा जाता है) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने अपनी अमाक न्यूज एजेंसी और टेलीग्राम चैनल पर बयान जारी कर दावा किया कि हमलावर ने सुरक्षा गार्ड को गोली मारकर मस्जिद में प्रवेश किया और नमाजियों के निकट खुद को उड़ा लिया। यह दावा एसआईटीई इंटेलिजेंस ग्रुप जैसे संगठनों की ओर से भी पुष्ट किया गया। आईएसकेपी ने पहले भी पाकिस्तान में शिया समुदाय को निशाना बनाया है, क्योंकि वे इसे धार्मिक रूप से विरोधी मानते हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अफगानिस्तान से जुड़े लिंक का जिक्र किया, जहां हमलावर प्रशिक्षण लेता था, लेकिन तालिबान ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और इसे पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा विफलता बताया।

4 लोगों की हुई गिरफ्तारी : पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से 4 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें मुख्य साजिशकर्ता भी शामिल है। एक अफगान नागरिक को भी पकड़ा गया। सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने अफगानिस्तान की धरती से हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य नेताओं ने हमले की कड़ी निंदा की तथा जांच का आदेश दिया। पीड़ितों के अंतिम संस्कार में हजारों लोग शामिल हुए, जहां सुरक्षा चूक पर गुस्सा जाहिर किया गया। कश्मीर में शिया समुदाय ने पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन किए। यह घटना पाकिस्तान में बढ़ते सांप्रदायिक आतंकवाद और सीमा पार से जुड़े खतरों को उजागर करती है। शिया अल्पसंख्यक पहले से ही लक्षित होते रहे हैं और यह हमला सुरक्षा एजेंसियों की चुनौतियों को और गहरा बनाता है। पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने का वादा किया है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि अफगानिस्तान से जुड़े नेटवर्क और आंतरिक असंतोष को संबोधित किए बिना ऐसी घटनाएं जारी रह सकती हैं।

भारी छंटनी के बाद वाशिंगटन पोस्ट के सीईओ विल लुईस ने दिया इस्तीफा, विवादों से रहा पुराना नाता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रतिष्ठित अखबार वॉशिंगटन पोस्ट के पब्लिशर और सीईओ विल लुईस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब अखबार में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की गई है। लुईस ने कहा कि अखबार के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए कठिन फैसले लेने पड़े। वॉशिंगटन पोस्ट ने शनिवार को बताया कि विल लुईस अखबार छोड़ रहे हैं। उन्होंने कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा कि उनके कार्यकाल में अखबार के लंबे समय तक टिके रहने के लिए मुश्किल फैसले जरूरी थे। लुईस ने कहा कि उनका मकसद यह था कि अखबार आने वाले कई सालों तक लाखों पाठकों तक निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता की पत्रकारिता पहुंचाता रहे। विल लुईस को 2023 में सीईओ बनाया गया था, जब अखबार को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा था। उन्होंने फ्रेड रयान की जगह ली थी, जो करीब एक दशक तक इस पद पर रहे।

नया अंतरिम सीईओ कौन होगा : अखबार के मुख्य वित्त अधिकारी जेफ डी'ओनोफ्रियो को अंतरिम पब्लिशर और सीईओ बनाया गया है। वॉशिंगटन पोस्ट के मालिक अमेजन संस्थापक जेफ बेजोस हैं। डी'ओनोफ्रियो पिछले साल जून में अखबार से जुड़े थे। इससे पहले वह गूगल और याहू जैसी कंपनियों में काम कर चुके हैं। उन्होंने कर्मचारियों को भेजे ईमेल में कहा कि आगे के फैसले पाठकों के डेटा के आधार पर लिए जाएंगे, ताकि पाठकों को वही दिया जा सके जो उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है।

जेफ बेजोस की प्रतिक्रिया : वॉशिंगटन पोस्ट के कर्मचारियों की यूनियन ने लुईस के इस्तीफे का स्वागत किया। यूनियन ने कहा कि उनका जाना बहुत पहले हो जाना चाहिए था। यूनियन का आरोप है कि लुईस के कार्यकाल में अखबार को नुकसान पहुंचा और अब भी हालात सुधारे जा सकते हैं। यूनियन ने जेफ बेजोस से छंटनी वापस लेने या अखबार बेचने की मांग की। वहीं, जेफ बेजोस ने नेतृत्व में बदलाव को अखबार के लिए एक बड़ा अवसर बताया और कहा कि पाठक ही सफलता का रास्ता दिखाते हैं। विल लुईस का इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब अखबार ने अपने लगभग एक-तिहाई कर्मचारियों की छंटनी की। यह छंटनी सभी विभागों में हुई। छंटनी के दौरान लुईस की गैरमौजूदगी को लेकर आलोचना हुई। अखबार के पूर्व कार्यकारी संपादक मार्टी बैरन ने इसे अखबार के इतिहास के सबसे अंधेरे दिनों में से एक बताया। लुईस के कार्यकाल में अखबार ने बड़ी संख्या में सब्सक्राइबर भी खोए।

चीन का कमाल! बनाया 28 किलोमीटर का समुद्री कॉरिडोर, 20 मिनट में तय होती है 2 घंटे की दूरी

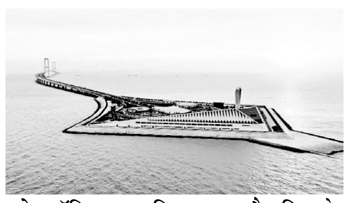

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने शेन्जेन-झोंगशान लिंक का अनावरण किया है। यह 28 किलोमीटर लंबा एक जबरदस्त समुद्री कॉरिडोर है और इसमें 6.8 किलोमीटर लंबी पानी के अंदर सुरंग भी शामिल है।

इंजीनियरिंग की बेजोड़ मिसाल पेश करता यह सी लिंक दो शहरों के बीच यात्रा के समय को लगभग दो घंटे से घटाकर सिर्फ 20 मिनट कर देता है, जिससे ग्रेटर बे एरिया में कनेक्टिविटी बेहतर होती है। इसकी खासियत यह है कि इस कॉरिडोर में प्रीफैब्रिकेटेड सुरंग सेक्शन और चीन का कमाल! बनाया 28 किलोमीटर का समुद्री कॉरिडोर, 20 मिनट में तय होती है 2 घंटे की दूरी एडवांस्ड वेंटिलेशन शामिल है। तूफानों और तेज लहरों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया यह लिंक इंफ्रास्ट्रक्चर इनोवेशन के लिए एक नए मानक तय करता है। ऊपर से देखने पर यह लिंक पानी के ऊपर उड़ते हुए विशाल पक्षी या समुद्र के ऊपर उड़ती हुई पतंग जैसा जैसा दिखता है। इस लिंक पर सुरक्षित यात्रा के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट को ऑप्टिमाइज किया गया है, जिसके लिए बिग डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित कई इंटेलिजेंट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, इंटेलिजेंट रोबोट का इस्तेमाल रोजाना इंस्पेक्शन के लिए समुद्र के नीचे बनी सुरंगों में भी किया जाता है। यह लगभग 137,000 वर्ग मीटर में फैला हुआ है, जो लगभग 19 फुटबॉल मैदानों के आकार का है और लिंगडिंगयांग के पानी में स्थित है। शेन्जेन-झोंगशान लिंक का पश्चिमी आर्टिफिशियल आइलैंड बे एरिया में एक नया समुद्री लैंडमार्क बन गया है। इस प्रोजेक्ट में पुल, द्वीप, सुरंगें और पानी के नीचे इंटरचेंज शामिल हैं। इसे पूरा होने में 14 साल से ज्यादा का समय लगा, जिसमें 15,000 से ज्यादा मजदूरों ने काम किया।

मिलान में ओलंपिक के खिलाफ भड़का जनआक्रोश, शांतिपूर्ण मार्च कैसे बना हिंसक प्रदर्शन?

मिलान, एजेंसी। इटली के शहर मिलान में शनिवार देर रात 2026 शीतकालीन ओलंपिक के खिलाफ हुआ एक प्रदर्शन हिंसा में बदल गया। दिनभर शांतिपूर्ण रहा यह मार्च रात होते-होते प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प में बदल गया। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस और पानी की बौछारों (वॉटर कैनन) का इस्तेमाल करना पड़ा। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार दिन के समय हजारों लोग मिलान की सड़कों पर उतरे थे। ये लोग 2026 में होने वाले विंटर ओलंपिक का विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ओलंपिक के लिए हो रहा निर्माण पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है और इससे आम लोगों पर आर्थिक और सामाजिक बोझ बढ़ेगा। इस प्रदर्शन का आयोजन अनसस्टेनेबल ओलंपिक्स कमेटी नाम के समूह ने किया था। इसमें मिलान, लोम्बार्डी और उत्तरी इटली के दूसरे इलाकों से लोग शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों ने इटली सरकार पर लगाए आरोप : प्रदर्शन में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, घरों के अधिकार के लिए लड़ने वाले समूह, मजदूर यूनियन, फलस्तीन समर्थक संगठन और ट्रांसफेमिनिस्ट समूह भी शामिल थे। कई प्रदर्शनकारियों ने इटली सरकार पर सख्त सुरक्षा नीतियों और नस्ली अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव का आरोप भी लगाया। बता दें कि शनिवार दोपहर तक प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। लोग हाथों में हाथ डालकर चल रहे थे, गाने गा रहे थे और नाच रहे थे। लेकिन रात के समय माहौल बदल गया। जब मार्च ओलंपिक विलेज के पास पहुंचा, जहां भारी पुलिस बल तैनात था, तभी तनाव बढ़ गया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने खिलाड़ियों के रहने की जगह की ओर पटाखे और धुएं के बम फेंके, हालांकि ये इमारतों तक नहीं पहुंच पाए। इसके बाद मार्च का एक हिस्सा रास्ता बदलकर विया बेनाको होते हुए पियाजाले कोर्वेटो पहुंचा। वहां मौजूद एक छोटे समूह ने पुलिस पर पटाखे फेंकने शुरू कर दिए। इसके जवाब में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर चार्ज किया और फिर पानी की बौछारों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। बाद में कुछ लोगों ने पुलिस की गाड़ियों को भी निशाना बनाया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शन में शामिल ज्यादातर लोग हिंसा का हिस्सा नहीं बने और वे चौक के मुख्य हिस्से में शांत खड़े रहे। इस समारोह में मशहूर इतालवी गायक आंद्रेआ बोचेली और अमेरिकी सिंगर मारिया केरी ने प्रस्तुति दी थी। इसी बीच, एक अलग घटना में उत्तरी इटली के शहर बोलोग्ना में रेलवे सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं।

बांग्लादेश के टॉप हिंदू नेता और पूर्व मंत्री की हिरासत में मौत, भड़के बांग्लादेशी बोले- ये मर्डर है

ढाका, एजेंसी। जेल में बंद बांग्लादेश के पूर्व मंत्री और अवामी लीग नेता रमेश चंद्र सेन की मौत हो गई है। उन्हें देश के शीर्ष हिंदू नेताओं में गिना जाता था, जो शेख हसीना की सरकार में जल संसाधन मंत्री रहे चुके थे। पांच बार के सांसद सेन ने साल 2024 में अपना आखिरी चुनाव जीता था। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रथम आलो की रिपोर्ट के अनुसार, रमेश चंद्र सेन को शनिवार सुबह करीब 9.10 बजे तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सेन की मौत ने जेल में रखे गए अवामी लीग के सीनियर नेताओं और पूर्व मंत्रियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। जेल सुपरिंटेंडेंट के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि पूर्व मंत्री की तबीयत शनिवार सुबह करीब 9:00 बजे अचानक बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए। उन्होंने तुरंत दिनाजपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। 9.30 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। 86 साल के रमेश चंद्र सेन कई बीमारियों से जूझ रहे थे। वहीं, मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, उन्हें जेल के अंदर देखभाल नहीं मिल रही थी।

हाथ में रस्सी बंधी तस्वीर हुई थी वायरल : रमेश चंद्र सेन को अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर हत्या समेत तीन आरोप लगाए थे। अगस्त 2024 में सेन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं, जिसमें उनके हाथ रस्सी से बंधे हुए थे। शेख हसीना की सरकार के बाद अवामी लीग के नेता हमलों से बचने के लिए देश छोड़कर भाग रहे थे या गुप्त जगहों पर छिप रहे थे, उस दौरान सेन ने घर पर रहना चुना। उन्हें यकीन था कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है।

कौन थे रमेश चंद्र सेन : ठाकुरगांव-1 निर्वाचन क्षेत्र से 5 बार सांसद रहे रमेश चंद्र सेन की गिनती देश के शीर्ष अल्पसंख्यक हिंदू नेताओं में होती थी। उनका जन्म 30 अप्रैल 1940 को ठाकुरगांव जिले के रुहिया यूनियन में हुआ था। वे 2009 से 2014 तक शेख हसीना सरकार में जल संसाधन मंत्री रहे। सेन पहली बार फरवरी 1997 में उपचुनाव जीतकर सांसद बने। बाद में वह 2008, 2014, 2018 और 2024 में सांसद बने। बांग्लादेश में रमेश चंद्र सेन की मौत को लोगों ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए इस पर सवाल उठाए हैं। कुछ लोगों ने इसे हिरासत में हत्या बताया है। हिरासत में बीमार पड़ने के बाद कम से कम पांच टॉप अवामी लीग नेताओं की मौत हो चुकी है। ढाका के प्रदीप चौधरी ने फेसबुक पर लिखा, मुझे पता है कि उनके बारे में बहुत सारी झूठी बातें फैलाई जाएंगी।

तोशाखाना केस में इमरान खान और बुशरा बीबी को मिली 17-17 साल की सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को अदालत ने तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराते हुए 17-17 साल की सजा सुनाई है। यह मामला विदेशी सरकार से मिले महंगे तोहफों को नियमों के खिलाफ बेचने से जुड़ा है। दोनों पर करोड़ों रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

क्या है मामला : रावलपिंडी की हाई-सिक्योरिटी अदियाला जेल में स्थित विशेष अदालत ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। जज शाहरुख अरजुमंद ने इमरान खान और बुशरा बीबी को कुल 17 साल की सजा दी। अदालत ने उन्हें पाकिस्तानी दंड संहिता की धारा 409 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत 10 साल और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की अलग-अलग धाराओं में 7 साल की सजा सुनाई। इसके अलावा दोनों पर 1 करोड़ 64 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। अदालत ने उम्र और महिला होने को देखते हुए सजा में कुछ नरमी बरतने की बात कही।

तोशाखाना-2 केस की पूरी कहानी : यह मामला 2021 में सऊदी अरब सरकार से मिले महंगे तोहफों से जुड़ा है। आरोप है कि इनमें महंगी घड़ियां, हीरे और सोने के गहनों के सेट शामिल थे, जिन्हें नियमों के अनुसार तोशाखाना में जमा नहीं किया गया। सरकार का कहना है कि इन तोहफों की असली कीमत करीब 7 करोड़ रुपये थी, लेकिन उनका मूल्यांकन सिर्फ 58-59 लाख रुपये दिखाया गया। आरोप है कि इमरान खान और बुशरा बीबी ने इन्हें बेहद कम कीमत पर खरीदने की कोशिश की। तोशाखाना कैबिनेट डिवीजन के तहत आने वाला विभाग है, जहां विदेशी नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों से मिले तोहफे जमा किए जाते हैं। तय नियमों के तहत इन्हें बाद में खरीदा जा सकता है।

कोर्ट की कार्यवाही : इस केस में कुल 21 गवाहों ने अदालत में बयान दिए। फैसले के समय इमरान खान और बुशरा बीबी दोनों अदालत में मौजूद थे। इमरान खान ने आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते हुए खारिज किया। इससे पहले अक्टूबर 2024 में बुशरा बीबी और नवंबर में इमरान खान को इस केस में जमानत मिली थी। हालांकि, दोनों पहले से ही अल-कादिर ट्रस्ट केस में सजा काट रहे हैं। दोनों दोषी हाईकोर्ट में इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं और उनसे मुलाकात पर पिछले एक महीने से रोक लगी हुई है। संयुक्त राष्ट्र ने भी उनकी जेल में हालत को लेकर चिंता जताई है।

रूस के मेडिकल कॉलेज में खूनी खेल, हॉस्टल में घुसकर चाकू से हमला, 4 भारतीय छात्र भी घायल

बश्कोर्तोस्तान, एजेंसी। रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य के एक विश्वविद्यालय में शनिवार को चाकूबाजी की घटना में कम से कम चार भारतीय छात्र भी बुरी तरह घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक इस हमले में कुल आठ लोगों को निशाना बनाया गया है। मीडिया में आई खबरों और यहां भारतीय मिशन की तरफ से यह जानकारी दी गई। रूस के गृह मंत्रालय ने कहा कि प्रारंभिक खबरों के अनुसार, चाकू लिए एक किशोर रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य के उफा में स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्रावास में घुस गया, उसने वहां रहने वाले छात्रों पर हमला किया और उनमें से कई को चाकू मार दिया।

खुद को भी मारा चाकू : आरटीवी आई डॉट कॉम वेबपोर्टल ने यहां के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मेजर जनरल इरिना वोल्क के हवाले से कहा, 'हमलावर ने गिरफ्तारी का विरोध किया, जिसके दौरान दो पुलिस अधिकारियों को चाकू लग गया। इसके अलावा, संदिग्ध ने खुद को भी शारीरिक नुकसान पहुंचाया।'

एक की हालत गंभीर : इसे 'दुर्भाग्यपूर्ण घटना' बताते हुए यहां स्थित भारतीय दूतावास ने कहा, 'चार भारतीय छात्रों सहित कई लोग घायल हुए हैं।' दूतावास ने कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और कज़ान स्थित वाणिज्य दूतावास के अधिकारी घायल छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिए उफ़ा रवाना हो गए हैं। एक विज्ञप्ति में रूसी संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमले में घायल चार लोगों को चिकित्सकीय उपचार दिया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से एक की हालत गंभीर है, जबकि तीन अन्य की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। 'बाज़ा' टेलीग्राम चैनल ने कहा कि हमलावर की पहचान 15 वर्षीय किशोर के रूप में हुई है,

जिसे गंभीर हालत में स्थानीय बच्चों के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मॉस्को से करीब 1200 किलोमीटर दूर स्थित बश्कोर्तोस्तान गणराज्य की राजधानी उफ़ा में इस घटना की उच्च स्तरीय जांच शुरू की गई है। बाज़ा चैनल ने दावा किया कि हमलावर एक प्रतिबंधित नव-नाजी संगठन से जुड़ा था। रेन टीवी ने एम्बुलेंस वैन द्वारा घायलों को अस्पताल ले जाने के फुटेज दिखाते हुए कहा कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 'चारों ओर खून था।

नाबालिग था हमला करने वाला : रूस की सरकार ने बताया कि जब पुलिस ने बीच बचाव की कोशिश की तो उसने जवानों पर भी हमला कर दिया। बताया गया है कि घायलों में से चार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और एक ही हालत नाजुक है। वहीं हमलावर की उम्र सिर्फ 15 साल है। उसे एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। स्थानीय प्रशासन ने घटना की जांच शुरू की है। हमले के दौरान वह होलोकॉस्ट का जिक्र कर रहा था। इसके अलावा उसने पीड़ितों के खून से दीवार पर स्वास्तिक का निशान भी बनाया। बता दें कि होलोकॉस्ट दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान लाखों यहूदियों की तहत्या को कहते हैं। एडोल्फ हिटलर की नाजी पार्टी ने यहूदियों को यातना ग्रह में डाल दिया और लाखों यहूदियों की हत्या करवा दी। यूरोप में रहने वाले 10 में से सात यहूदी को मार दिया गया था। इसी सप्ताह संसद में सरकार ने बताया था कि विदेश में कितने भारतीय छात्रों की मौत हुई है। सरकार ने संसद में बताया कि 2018 से 2025 तक 17 छात्र कनाडा में और 9 छात्र अमेरिका में मारे गए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया में एक छात्र की मौत हुई है। सरकार ने कहा कि विदेश में पढ़ने वाले छात्रों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। किसी भी घटना की जानकारी मिलते ही भारतीय दूतावास तुरंत सक्रिय हो जाता है और प्रयास करता है कि आरोपियों को सजा मिले।

आरोपी प्रतिबंधित नव-नाजी संगठन का सदस्य : रूसी संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमले में घायल चार लोगों का इलाज चल रहा है, जिनमें से एक की हालत गंभीर और तीन की स्थिति मध्यम बताई गई है। उफ़ा प्रशासन ने घटना की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। वहीं, टेलीग्राम चैनल 'बाजा' ने दावा किया है कि आरोपी एक प्रतिबंधित नव-नाजी संगठन से जुड़ा था। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से मीडिया रिपोर्टों में बताया गया कि घटनास्थल पर चारों ओर खून फैला हुआ था और घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया।

सेहत पर क्या फर्क पड़ता है, जब आप खाते हैं 1 समोसा

क्या आपको पता है कि 1 समोसा खाने से आपको कितनी कैलोरीज मिलती हैं? डॉक्टर अनुजा गौर से जानें समोसा खाने के बाद आपकी सेहत पर क्या प्रभाव पड़ता है, समोसे से मिली कैलोरीज को आप कैसे बर्न कर सकते हैं और समोसा को हेल्दी कैसे बना सकते हैं।

समोसा भारत के लगभग सभी हिस्सों में स्नैक के रूप में लोकप्रिय है। अगर किसी एक स्नैक को भारत का राष्ट्रीय स्नैक बनाया जाए, तो शायद इसे समोसा ही होना चाहिए। तीखे मसालेदार आलुओं से भरे हुए समोसों का स्वाद खट्टी-मीठी चटनियों और चाय के साथ और बढ़ जाता है। इतिहास के झरोखे में जाएं, तो आपको हैरानी होगी कि समोसा पहली बार 10वीं शताब्दी में बनाया गया था। जबकि भारत में ये लगभग 14वीं शताब्दी में आया। मगर इसमें कोई हैरानी नहीं कि आज समोसा भारतीय स्नैक्स में सबसे ज्यादा पॉपुलर है।

उत्तर और मध्य भारत में तो समोसे इतने पॉपुलर हैं कि आपको हर गली हर मोड़ में कोई न कोई समोसे की दुकान या खोमचा मिल जाएगा। हममें से ज्यादातर लोगों की समोसों के साथ बचपन की ढेर सारी यादें जुड़ी हो सकती हैं। अब इससे पहले कि आपके मुंह में पानी आ जाए और आप इमोशनल होकर समोसा खरीदने पहुंच जाएं, हम आपको बताते हैं इससे जुड़ी कुछ खास बातें। जी हां, समोसा खाने से पहले आपको इसकी कैलोरीज के बारे में भी जान लेना चाहिए, ताकि आपको इस बात की सही-सही जानकारी हो कि आप क्या खा रहे हैं और उसका आपकी सेहत पर क्या असर पड़ने वाला है।

समोसा की न्यूट्रीशनल वैल्यू

1 समोसा= 262 किलोकैलोरी
फैट- 3 ग्राम
प्रोटीन- 10.5 ग्राम
कार्बोहाइड्रेट- 45 ग्राम
डाइट्री फाइबर- 1.5 ग्राम

चूंकि समोसे में स्टार्च की मात्रा ज्यादा और फाइबर की मात्रा कम होती है, इसलिए एक रेगुलर साइज समोसा खाने से आपको लगभग 262 कैलोरीज मिलती हैं। इसके अलावा समोसे वनस्पति घी या तेलों में तले जाते हैं इसलिए इसमें बहुत अधिक ट्रांस फैट होता है, जो आपके शरीर के लिए नुकसानदायक होता है। अगर आप यह समोसा किसी गली-चौराहे की छोटी दुकान से खरीदते हैं, तो इस बात की भी पूरी संभावना होती है, वो समोसा पहले से इस्तेमाल तेल में तला गया हो। एक बार इस्तेमाल हो चुके तेल को दोबारा गर्म करके इसमें किसी खाद्य पदार्थ को डीप फ्राई करके खाना आपकी सेहत के लिए बहुत ज्यादा बुरा है।

कई बार इस्तेमाल हुए तेल में बनी चीजें खाने से आपका लिपिड प्रोफाइल बढ़ता है और आपके शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) की मात्रा बढ़ती है। हालांकि डॉ. अनुजा गौर कहती

हैं कि अगर आप कभी-कभार समोसा खा लेते हैं, तो इससे आपकी सेहत पर कोई बहुत प्रभाव नहीं पड़ता है। लेकिन अक्सर खाना या रोजाना खाना आपकी सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

समोसे में क्या होता है?

आमतौर पर समोसा बनाने के लिए निम्न चीजें इस्तेमाल की जाती हैं-
मैदा (रिफाइंड फ्लोर)
आलू
तेल
नमक
मसाले

समोसा एक तरह से मैदे और आलू से बनी पैटी है, जिसमें कई बार कुछ हल्की-फुल्की सब्जियां (मटर, प्याज, गाजर, पत्तागोभी) मिला दी जाती हैं। इसे तिकोने आकार में बनाकर तेल में डीप फ्राई किया जाता है।

एक समोसा खाने से मिली कैलोरीज कैसे बर्न करें?

1 समोसा खाने में आपको ज्यादा से ज्यादा 5 मिनट लगेंगे। इन 5 मिनटों में आपकी जीभ को मिलने वाले मसालों और फ्राइड आलू-मैदे के स्वाद से भले ही खुशी मिले, लेकिन इसे खाने के बाद आपके शरीर में जो 262 कैलोरीज पहुंचती हैं, उन्हें बर्न करना आपके लिए आसान काम नहीं होने वाला है। डॉ. अनुजा के अनुसार,

एक समोसे से मिलने वाली कैलोरीज को बर्न करने के लिए आप-

1 घंटे पैदल चलें या
1 घंटे पावर योग करें या
1 गेम टेनिस खेलें या
1 सेशन एरोबिक एक्सरसाइज करें या
1/2 घंटे स्विमिंग करें

अगर आप इतनी एक्सरसाइज करते हैं, तब जाकर एक समोसे द्वारा खाई हुई कैलोरीज आपके शरीर में इस तरह टूटती हैं कि फैट जमा नहीं होता है।

लेकिन यहां ध्यान देने वाली बात ये है कि अगर आपको समोसे से बहुत प्यार है और आप 1 समोसे के बदले एक्सरसाइज करने को भी तैयार हैं, तो भी डॉक्टर इसे खाने की सलाह नहीं देते हैं। इसका कारण है कि समोसा आपको सिर्फ कैलोरीज ही नहीं, बल्कि काफी मात्रा में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाले तत्व भी देता है। अगर आप भी समोसे के शौकीन हैं और अक्सर इसे खाते हैं, तो दूसरे फास्ट फूड्स की तरह ये आपको मोटा बना सकता है या सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। ज्यादा समोसा खाने के कारण आपका कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है, मेटाबॉलिज्म धीमा हो सकता है, डायबिटीज या ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है।

समोसा पसंद है, तो इसे हेल्दी ट्विस्ट दें

- अगर आप खुद को समोसा-लवर मानते हैं, तो कम से कम अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए आप इतना कर सकते हैं कि इसे बाहर से खरीदने के बजाय घर पर बनाएं और कुछ हेल्दी तरीके से बनाएं। आइए आपको बताते हैं समोसा को हेल्दी बनाने का तरीका-
- रिफाइंड फ्लोर यानी मैदा सेहत के लिए नुकसानदायक होता है, इसलिए इसकी जगह आप होल व्हीट फ्लोर यानी आटे का प्रयोग कर सकते हैं।
- तेल में पकाने के बजाय आप इसे माइक्रोवेव में पका सकते हैं। माइक्रोवेव में पकाने पर इसमें कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाले तत्व कम हो जाएंगे और समोसा काफी हद तक ट्रांस फैट फ्री हो जाएगा।
- आप तेल में तलने के बजाय समोसे को एयर फ्राई कर सकते हैं। आजकल बाजार में ढेर सारे एयर फायर मौजूद हैं, जिनमें खाने की चीजों को फ्राई करने के लिए तेल की जरूरत नहीं पड़ती है।
- आलू के बजाय स्टफिंग के लिए उबली सब्जियों का प्रयोग कर सकते हैं, जिससे इसमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम हो जाए।
- जाते-जाते आपको एक और बात बता देते हैं। जितनी मात्रा में कैलोरीज आपको 1 समोसा खाने से मिलती हैं, उतनी कैलोरीज आपको 5 सेब खाने से मिलेंगी। मगर सेब विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, इसलिए ये आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

रेसिपी

लहसुनी दाल

सामग्री

- अरहर दाल- 1 कप
- इमली का पेस्ट- 1/4 कप
- हरी मिर्च- 1-2
- लहसुन- 10 कलियां
- नमक- स्वादाअनुसार

तड़के के लिए

- तेल - 1 बड़ा चमच्च
- राई- 1 छोटा चमच्च
- कड़ी पत्ता- 6-7
- हरा धनिया- गार्निश के लिए

विधि

लहसुनी दाल बनाने के लिए सबसे पहले, दाल को प्रेशर कुकर में पानी और हल्दी के साथ पका लें। पकने के बाद उसे ठंडा होने के लिए रख दें। अब एक कढ़ाई में हरी मिर्च को बिना तेल के फ्राई कर अलग रख दें। अब एक मिक्सर में दाल, हरी मिर्च, लहसुन, इमली का पेस्ट और नमक डाले और पीस लेंगे। अब कढ़ाई में तेल गरम करें। इसमें राई और कढ़ी पत्ता डालें। 10 सेकेंड बाद इसमें पीसी हुई दाल डाले और गैस बंद कर दे। बंद करने के बाद, हरे धनिए से गार्निश करें।

बथुआ आलू की पूड़ी

सामग्री

- बथुआ - 250 ग्राम
- आटा- 4 बड़ी कटोरी
- आलू- 4 (उबले हुए)
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- सौंफ- 1 छोटा चम्मच
- गरम मसाला- 1 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- पानी- आवश्यकतानुसार
- तेल- तलने के लिए।

विधि

सबसे पहले बथुए को अच्छे से साफ कर लें। एक पैन में पानी और बथुआ डालकर उबाल लें। बथुए के सॉफ्ट होते ही गैस बंद कर दें। अब आटे में बथुआ, नमक और पानी डालकर मुलायम आटा गूंथ लें। और आधे घंटे के लिए रख दें। अब दूसरे बर्तन में उबले आलुओं को अच्छे से मैश कर लें। इसमें लाल मिर्च पाउडर, सौंफ, नमक और गरम मसाला मिलाएं। अब छोटी-छोटी लोई बनाकर आलू की स्टि्फंग भरकर बेल लें। अब सारी कचौड़ियां बेलकर तैयार कर लें। कड़ाही में तेल गरम करें, सारी कचौड़ियां एक-एक कर तल लें। अब इन मसालेदार स्ट्फ्ड कचौड़ियों को अचार के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

काकुरो पहेली - 1622

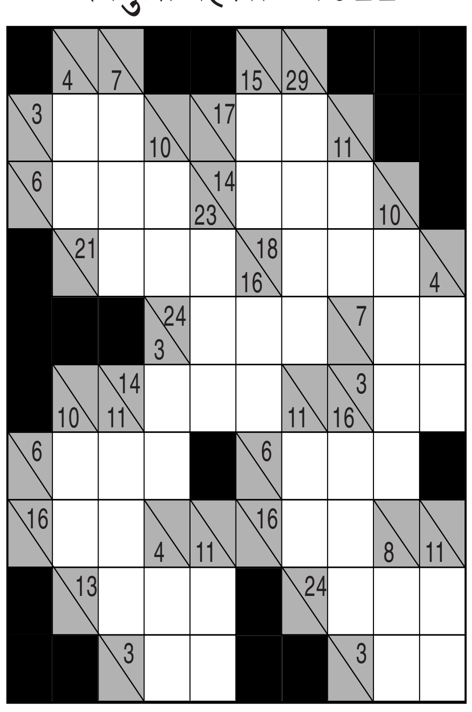

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

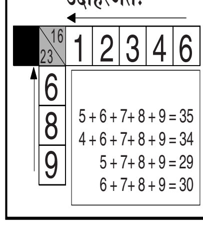

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1621 का हल

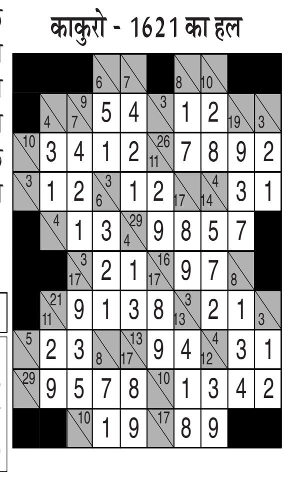

फिल्म वर्ग पहेली - 1622

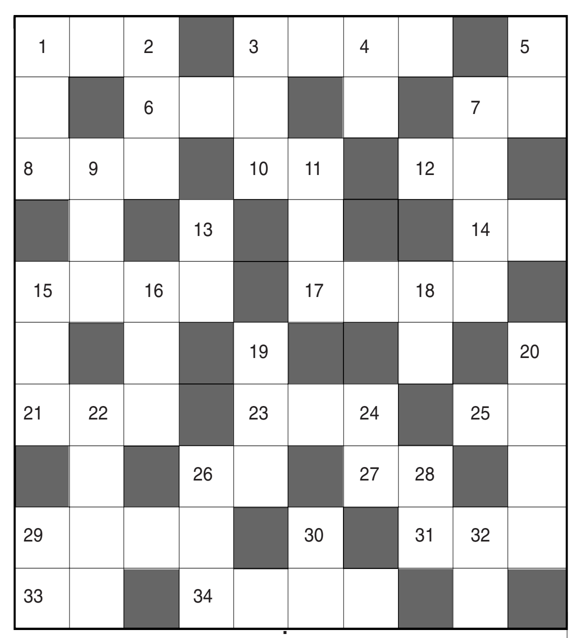

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1621

सूडोकु -1622

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1621 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 1622

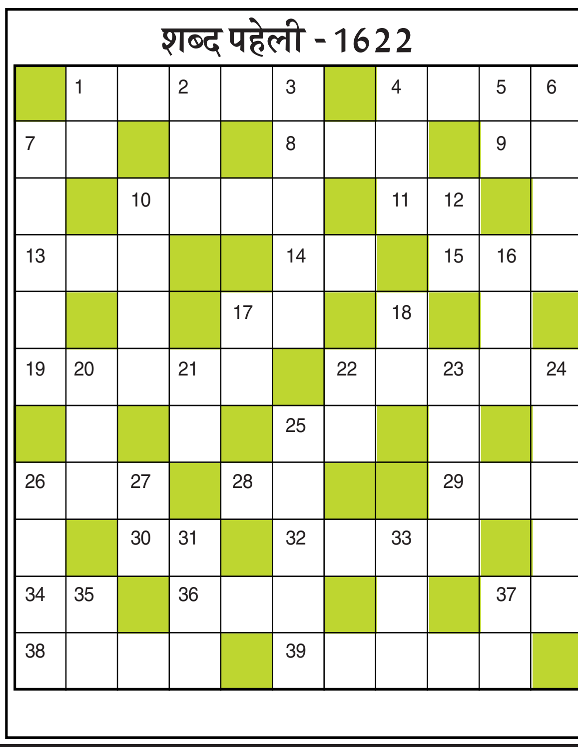

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली - 1621 का हल

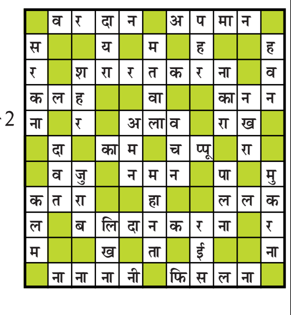

भारत-अमेरिका अंतरिम वपार समझौता; किसानों के लिए मृत्यु-पत्रः सिद्धारमैया

एजेंसी

बेंगलुरु। भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते को स्वीकार कर उसका स्वागत करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका के सामने पूरी तरह से समर्पण कर चुके हैं। आने वाले दिनों में यह समझौता 140 करोड़ भारतीयों के लिए, विशेष रूप से देश के 72 करोड़ किसानों के लिए मृत्यु-पत्र साबित होगा। यह आरोप कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने लगाया है।सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक बयानों में मुख्यमंत्री ने कहा कि दो देशों के बीच संबंध समानता और पारस्परिक सम्मान के आधार पर होने चाहिए, न कि दबाव, धमकी और एकतरफा नीति निर्धारण के आधार पर। लेकिन भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के प्रावधानों को देखने से यह साफ है कि यह मालिक के आदेश पर सेवक द्वारा सिर हिलाने जैसा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रूस से तेल खरीदने वाले भारत पर दबाव बनाने के उद्देश्य से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाया था। अब उसे 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर भारत पर उपकार करने का नाटक किया जा रहा है। इसके बदले भारत ने अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क शून्य कर दिया है। यह स्पष्ट रूप से एक असमान और अन्यायपूर्ण समझौता है, फिर भी केंद्र सरकार द्वारा इसे स्वीकार करना देशवासियों के साथ विश्वासघात है।

केएमपी एक्सप्रेसवे के दोनों ओर पांच नए शहर विकसित होंगे

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि लगभग 135 किलोमीटर लंबा कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस वे एचएसआईआईडीसी की एक अत्यंत महत्वपूर्ण संपत्ति है। वर्ष 2031 की संभावित जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए सरकार ने इसके दोनों ओर 5 नए शहर विकसित करने के उद्देश्य से पंचग्राम विकास प्राधिकरण का गठन किया है। उद्योग मंत्री ने चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि 'विकसित भारत-2047' के विजन् में दिल्ली एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की भूमिका अहम है और केएमपी एक्सप्रेस वे इस दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान करेगा। इसी अनुरूप हरियाणा सरकार ने अपनी औद्योगिक नीति में आवश्यक संशोधन किए हैं, ताकि निवेश, रोजगार और आधारभूत ढांचे को नई गति मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि एचएसआईआईडीसी का दायित्व केवल आय अर्जन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उद्योगपतियों को सुविधाजनक सेवाएं, त्वरित प्रक्रियाएं और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना निगम का मूल उद्देश्य होना चाहिए। राव नरबीर सिंह ने बताया कि वर्ष 2030 तक औद्योगिक विकास को और तेज करने के लिए 10 नई आईएमटी स्थापित करने की घोषणा की थी, जिनमें से 5 आईएमटी को स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष उद्योग विभाग के बजट में 125 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी और आगामी बजट में इस वृद्धि को और आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि प्रदेश का औद्योगिक विस्तार निरंतर बना रहे।

सोनभद्र में दर्दनाक हादसा, तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों की ली जान

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के हिन्दुआरी इलाके में तेज रफ्तार ट्रक ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, बाइक पर कुल तीन लोग सवार थे, जो किसी तिलक समारोह में शामिल होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक हिन्दुआरी के पास पहुंची, तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस हादसे में जान गंवाने वालों में चंद्रगुप्त मौर्य इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य दयाशंकर सिंह भी शामिल हैं। उनके साथ बाइक पर सवार दो अन्य लोगों की भी मौत हो गई, जिनकी पहचान हिन्दुआरी गांव निवासी प्रेम सिंह पुत्र केदार सिंह और कमला सिंह पुत्र सोमरू निवासी तिलया थाना रॉबर्ट्सगंज के रूप में हुई है। तीन लोगों की एक साथ मौत से उनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से ट्रक लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

पश्चिम बंगाल की ड्राफ्ट मतदाता सूची में बांग्लादेश की महिला वोटर का मिला नाम

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद जारी ड्राफ्ट सूची को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, इस सूची में एक बांग्लादेशी महिला के नाम को शामिल किया गया था। माइक्रो-ऑब्जर्वर की ओर से ड्राफ्ट सूची की समीक्षा के दौरान यह खुलासा हुआ। सूत्रों के मुताबिक, ड्राफ्ट मतदाता सूची में बांग्लादेश की एक महिला (मंजू रानी साहा) का नाम मिला। यह भी पता चला है कि उस महिला ने बांग्लादेश में भी वोट दिया था। उसके पास भारतीय वोटर आईडी कार्ड और आधार कार्ड दोनों हैं। इसी के आधार पर उसका नाम ड्राफ्ट लिस्ट में शामिल किया गया था। हालांकि, जब सूची जारी होने के बाद माइक्रो-ऑब्जर्वर ने समीक्षा की, तो यह नाम सामने आया। उसका नाम बांग्लादेशी वोटर लिस्ट में भी मिला। वह भारत में बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बारासात की वोटर थी। उसके भारतीय आधार कार्ड के अनुसार, उसका पता बारासात के हृदयपुर में ऋषि बंकिम सरनी है।

बनारस धर्म, विद्या, कला और सह-अस्तित्व की भूमि है: उप सभापति हरिवंश

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि बनारस केवल एक शहर नहीं, बल्कि धर्म, विद्या, कला और सह-अस्तित्व की भूमि है। हरिवंश ने यह बात नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'काशीस्थ' के लोकार्पण पर कही। पुस्तक में काशी पर एकाग्र 13 प्रसिद्ध साहित्यकारों के 17 लेख शामिल हैं। पुस्तक का सम्पादन व्योमेश शुक्ल ने किया है। मुख्य वक्ता के रूप में हरिवंश ने काशी नागरी प्रचारिणी सभा पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि बनारस, काशी या वाराणसी केवल एक शहर नहीं, बल्कि धर्म, विद्या, कला, संगीत और मानवीय सहअस्तित्व की भूमि है। काशी पर अब तक जितनी भी पुस्तकें लिखी गई हैं, यह पुस्तक उन सबसे भिन्न है, क्योंकि यह काशी को केवल विषय के

रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभूति के रूप में प्रस्तुत करती है। इसकी गलियां, घाट, स्मृतियां और बौद्धिक परंपराएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि तकनीक कितनी भी सशक्त हो जाए, वह पुस्तक का स्थान नहीं ले सकती। परम्परा को नए संदर्भों में आगे बढ़ाना ही बौद्धिक कर्म है। यह पुस्तक औचित्य, भाव, भाषा और दर्शन, हर स्तर पर पाठक को समृद्ध करती है। मुझे विश्वास है कि ऐसे प्रयास हिन्दी के बौद्धिक संसार को और अधिक सशक्त एवं समृद्ध करेंगे। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि 'काशीस्थ' काशी की परम्परा को समग्रता में समझने का एक सशक्त प्रयास है, जो अकादमिक जगत के साथ-साथ सामान्य पाठकों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा, काशी आपको पकड़ कर रखती है, उसमें गजब का सम्मोहन है। काशी को बहुत सारी उपमाएं दी गई हैं लेकिन यह एक शहर नहीं, बल्कि संज्ञा है। यह एक जगह नहीं, कई जगह विद्यमान है। काशीमय हो जाना अपने आप में एक बड़ी संज्ञा है, एक बड़ा विशेषण है। काशी में एक तेज है और हमेशा रहेगा। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीसीआर) के सदस्य सचिव प्रो. धनंजय सिंह ने काशी को भारतीय ज्ञान-परंपरा का जीवंत केंद्र बताते हुए कहा कि 'काशीस्थ' जैसी कृतियां हमारी सांस्कृतिक स्मृति को सुदृढ़ करती हैं और परंपरा व आधुनिकता के बीच सेतु का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा, यह पुस्तक सिर्फ एक शहर का नहीं, सभ्यता का इतिहास है।

आसनसोल कुमारपुर स्थित ओवर ब्रिज का रेल मंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

एजेंसी

आसनसोल। केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वर्चुअल तरीके से आसनसोल के कुमारपुर में रेलवे ओवरब्रिज का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया। मौके पर कुल्टी विधायक डॉक्टर अजय पोद्दार, आसनसोल दक्षिण की विधायक अग्निमित्रा पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष देवतनु भट्टाचार्य सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस मौके पर भाजपा विधायक अग्निमित्रा पाल ने कहा कि केंद्र की दो संस्थाएं रेल और सेल द्वारा कुमारपुर ब्रिज का निर्माण किया गया था। जिससे कि बराचक रेलवे लाइन पर ट्रेनों के आवागमन की वजह से जाम लगता था। यह सच्चाई है कि रेलवे ओवरब्रिज का काम तत्कालीन भाजपा सांसद बाबुल सुप्रियो के कार्यकाल में हुआ था। लेकिन वह तृणमूल में चले गए।

भाजपा विधायक ने कहा कि बाबुल सुप्रियो ने जो किया वह भाजपा के साथ विश्वासघात था। अग्निमित्रा पाल ने कहा कि राज्य सरकार हमेशा केंद्र के विकास कार्यों में अड़चन पैदा करती रही है और कुमारपुर ब्रिज को लेकर भी उन्होंने अड़चनें पैदा कीं। जब भाजपा विधायक से पूछा गया कि रेलवे ओवरब्रिज एक साल पहले ही बनकर तैयार हो गया था।

चुनाव से पहले उसका उद्घाटन क्या सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए किया जा रहा है। इस पर उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन के असहयोग की वजह से काफी काम बाकी था। कुछ महीना पहले ही काम पूरा हुआ। इस वजह से इसका आधिकारिक रूप से अब उद्घाटन हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कभी कोई काम चुनावी फायदे के लिए नहीं करते।

हुमायूं कबीर का बड़ा ऐलान : बंगाल में निकलेगी 'बाबरी यात्रा'

रफ़्तार हेडलाइन

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के भरतपुर विधानसभा से विधायक हुमायूं कबीर ने ऐलान किया है कि बाबरी मस्जिद के निर्माण कार्य की शुरुआत आगामी 11 फरवरी से की जाएगी। इसके ठीक अगले दिन यानी 12 फरवरी से वे 'बाबरी यात्रा' की शुरुआत करेंगे, जो राज्य के कई हिस्सों से होकर गुजरेगी। इस यात्रा के जरिए उत्तर से दक्षिण बंगाल को जोड़ने का संदेश देने की कोशिश की जा रही है। इस संबंध में मुर्शिदाबाद में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में हुमायूं कबीर ने विस्तृत जानकारी दी। हुमायूं कबीर पहले ही मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद के निर्माण की घोषणा कर चुके हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से उनकी दूरी खुलकर सामने आ चुकी है और वे पार्टी को हराने के लिए सक्रिय रणनीति बना रहे हैं। ऐसे में बंगाल में बाबरी मस्जिद निर्माण का मुद्दा आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कितना प्रभाव डालेगा, इस पर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, आगामी 11 फरवरी को कुरान पाठ के बाद बाबरी मस्जिद के निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत होगी। इसके अगले दिन 12 फरवरी को बाबरी

यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा नदिया एवं मुर्शिदाबाद के पलाशी से शुरू होकर उत्तर दिनाजपुर के इटाहार तक जाएगी। यात्रा में कुल 100 गाड़ियां शामिल होंगी और प्रत्येक वाहन में चालक सहित छह लोग सवार रहेंगे। इस तरह करीब 600 लोग इस यात्रा में हिस्सा लेंगे। पूरी यात्रा की दूरी लगभग 265 किलोमीटर बताई जा रही है। बाबरी यात्रा के उद्देश्य पर हुमायूं कबीर ने कहा कि बाबरी मस्जिद के निर्माण को लेकर कुछ लोग लगातार गलत प्रचार फैला रहे हैं। इस यात्रा का मकसद उस कथित दुष्प्रचार का जवाब देना और आम लोगों को निर्माण से जुड़ी सच्चाई से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि पहले भी एक व्यक्ति ने दुष्प्रचार करने की कोशिश की थी, लेकिन वह नाकाम रहा। आगे भी जो ऐसा करेगा, वह विफल होगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उत्तर और दक्षिण बंगाल को जोड़ने वाली इस यात्रा के जरिए हुमायूं कबीर ने परोक्ष रूप से चुनावी प्रचार भी शुरू कर दिया है। ऐसे में आने वाले दिनों में यह मुद्दा राज्य की राजनीति में और अधिक गरमाने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने धारकुंडी आश्रम में स्वामी सच्चिदानंद महाराज के अंतिम दर्शन कर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

भोपाल। उत्तर प्रदेश की सीमा पर मध्य प्रदेश के सतना जिले में स्थित धारकुंडी आश्रम के संस्थापक परमहंस स्वामी सच्चिदानंद महाराज के ब्रह्मलीन होने के बाद उनकी पार्थिव देह सड़क मार्ग से आश्रम लाई गई, जहां अंतिम दर्शन के लिए श्रद्धालुओं और अनुयायियों का जनसैलाब उमड़ पड़ा।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी रविवार शाम को सतना जिले के धारकुण्डी आश्रम पहुंचकर परमपूज्य संत शिरोमणि स्वामी परमहंस सच्चिदानंद महाराज के अंतिम दर्शन किए और उनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी जी का तप, त्याग और आध्यात्मिक मार्गदर्शन सदैव हमारी स्मृतियों में जीवित रहेगा और हम सबको लोककल्याण की प्रेरणा देता रहेगा।स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने शनिवार को 102 वर्ष की आयु में मुम्बई में अंतिम सांस ली थी। उनके परलोक गमन से पूरे क्षेत्र में गम और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। जैसे ही गुरुदेव के पार्थिव शरीर के दर्शन श्रद्धालुओं को हुए, आश्रम परिसर जयघोष और मंत्रोच्चार से गूंज उठा। उनके अंतिम दर्शन के लिए उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार नगर निगम परिषद के पूर्व अध्यक्ष सुधीर सिंह तोमर और संजय

पटारिया सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक आश्रम पहुंचे और श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रशासन की ओर से सुरक्षा और व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। रीवा रेंज से करीब 500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। संभागीय आयुक्त बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और एसपी हंसराज सिंह सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे और व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए आश्रम से लगभग पांच किलोमीटर पहले ही पार्किंग स्थल बनाया गया था, जहां से श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से आश्रम तक पहुंचाया गया। हजारों की संख्या में पहुंचे अनुयायियों ने कतारबद्ध होकर अंतिम दर्शन किए। पूरे मार्ग में सेवा शिविर की भी व्यवस्था की गई थी। गेरुआ वस्त्र पहनाकर विराजित कियाश्रद्धालुओं के दर्शन के लिए परमहंस स्वामी सच्चिदानंद महाराज की पार्थिव देह को गेरुआ वस्त्र धारण कर गद्दी पर ध्यान की मुद्रा में विराजित किया गया था।

मणिपुर के उखरुल में फिर अशांति, उग्रवादियों ने घरों में आग लगाई

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में नई सरकार के पदभार संभालने के बाद उखरुल जिले में अशांति फैल गई। उखरूल जिला के अधिकारियों ने बताया कि आज तड़के कथित तौर पर हथियारबंद उग्रवादियों ने कई घरों में आग लगा दी। इसके बाद उखरुल जिले के लिटन सरेखोंग और उसके आसपास के इलाकों में तनाव फैल गया। अधिकारियों के अनुसार, लिटन सरेखोंग और पास के गांव सिकिबुंग में रविवार शाम से तनाव है। दो आदिवासी समूहों के बीच पत्थरबाजी के बाद प्रशासन को स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी है।

आज तड़के लिटन सरेखोंग में तांगखुल नागा समुदाय के सदस्यों के कई घरों को कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों ने जला दिया। पास के इलाकों में कुकी समुदाय के कुछ घरों में भी आग लगाए जाने की खबर है। तांगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नागा जनजाति है, जबकि लिटन सरेखोंग कुकी बहुल गांव है। सूत्रों के

अनुसार, एक ग्रामीण बैंक और नागा समुदाय के कम से कम नौ घरों में आग लगा दी गई, जबकि कुकी समुदाय के तीन घरों को भी जला दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें हथियारबंद लोग घरों और गाड़ियों में आग लगाते दिख रहे हैं। वीडियो में कथित तौर पर उग्रवादी छलावरण वाली वर्दी पहने और अत्याधुनिक हथियार लिए हुए लिटन इलाके में हवा में कई राउंड फायरिंग करते भी दिख रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अशांति को रोकने और संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के लिए लिटन जाने वाले रास्तों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। उखरुल जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि लिटन गांव में तांगखुल और कुकी समुदायों के सदस्यों के बीच शांति और सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका है। आदेश में कहा गया है, चूंकि ऐसी अशांति से शांति भंग हो सकती है और सार्वजनिक शांति को खतरा हो सकता है और मानव जीवन और संपत्ति को जोखिम हो सकता है, यह कहते हुए कि मौजूदा परिस्थितियों में तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है, जिससे पहले नोटिस देना अव्यावहारिक हो गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 की उप-धारा 1 का हवाला देते हुए, उखरुल जिला मजिस्ट्रेट आशीष दास ने 08 फरवरी की शाम 7 बजे से अगले आदेश तक, अनुसूचित क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को बाधित करने वाली किसी भी गतिविधि के साथ-साथ व्यक्तियों के अपने घरों से बाहर निकलने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया। हालांकि, ये पाबंदियां सरकारी अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों पर लागू नहीं होतीं। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार रात से ही इलाके में तनाव बना हुआ था, जब लिटन गांव में तांगखुल समुदाय के एक सदस्य पर कथित तौर पर सात-आठ लोगों ने हमला किया था, जिससे फिर से अशांति फैल गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की प्रतिनिधि सभा चुनाव में जीत पर साने ताकाइची को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान की प्रतिनिधि सभा के चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने पर साने ताकाइची को बधाई दी है। उन्होंनेकहा कि भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है। नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि साने ताकाइची के सक्षम नेतृत्व में भारत-जापान मित्रता आने वाले समय में और नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। साने ताकाइची को प्रतिनिधि सभा चुनाव में उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई। हमारी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाती है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आपके नेतृत्व में हम भारत-जापान मित्रता को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाना जारी रखेंगे।

गीजर विस्फोट से लगी आग, धुएं में दम घुटने से एक की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के हजरत निजामुद्दीन इलाके में अल्वी चौक स्थित मकान नंबर 134-135 में इलेक्ट्रिक गीजर के फटने से भीषण आग लग गई। आग से उठे घने धुएं में दम घुटने से मकान मालिक की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी की जान पुलिस की तत्परता से बच गई। पुलिस के अनुसार, शाम करीब 5 बजे पीसीआर को आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां देखा गया कि मकान के अंदर आग लगी हुई है और पूरे घर में धुआं भर चुका है। मकान अंदर से बंद था, जिससे अंदर फंसे लोगों की जान पर खतरा मंडरा रहा था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हालात की गंभीरता को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने बिना देर किए मकान का दरवाजा तोड़ा और अंदर घुसकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस ने परिवार के सभी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला।

मुख्यमंत्री सरमा ने गोगोई पर लगाया वैश्विक साजिश का आरोप, जोड़े अंतरराष्ट्रीय नाम

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए भारत को अस्थिर करने की कथित वैश्विक साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने इस कथित नेटवर्क को कांग्रेस नेता गौरव गोगोई से जोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय कड़ियों का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस, पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख, ब्रिटेन की एलिजाबेथ कोलबर्न और अंत में कांग्रेस सांसद व असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई के बीच संबंधों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की। डॉ. सरमा डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने दावा किया कि यह 'सुनियोजित वैश्विक गठजोड़' भारत को अस्थिर करने के उद्देश्य से काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है, तस्वीर और अधिक जटिल होती जा रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भारत की जनता को यह जानने का

अधिकार है कि यह कथित साजिश कैसे रची गई और इसे कैसे अंजाम दिया गया। मुख्यमंत्री के इस ट्वीट के बाद राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक बयानबाजी और तेज हो गई है।

भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद, नष्ट की 27 एकड़ अवैध अफीम की खेती

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर पुलिस राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अभियान चलाते हुए पिछले 24 घंटों के दौरान भारी मात्रा में हथियार जब्त करने के साथ ही बड़े पैमाने पर पहाड़ी क्षेत्र में की गयी अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया। पुलिस राज्य में शांति-व्यवस्था एवं कानून को लागू करने के लिए लगातार अभियान चला रही है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए जारी पोस्ट में बताया गया है कि बीते सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के तेंगनौपाल थानांतर्गत मोलनोम-मोलनोई गांव और आस-पास के इलाकों से अभियान चलाते हुए भारी मात्रा में हथियार एवं विस्फोटक बरामद किया। बरामद सामग्रियों में मुख्य रूप से एक एके-राइफल, एक पिस्तौल, दो इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, एक सिंगल बैरल राइफल, दो जिंदा इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार बम, दस 7.62 एमएम के कारतूस और 14 आईईडी और आईईडी तार के बंडल जिन्हें मौके पर ही सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया। वहीं एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने नोनी जिले के नंगबा

थानांतर्गत लेंगलॉन्ग और ताइखांग के सामान्य इलाके में अभियान चलाते हुए मैगज़ीन के साथ एक 7.62 एमएम की एके-47 राइफल, मैगजीन के साथ एक यूएस कार्बाइन एम2, मैगजीन के साथ एक .22 बोर की पिस्तौल, एक डीजेआई ड्रोन, चार 8 एमएम ब्लैंक राउंड, 5.56 एमएम के 17 कारतूस, 7.62 एमएम की एके-47 के 39 कारतूस, आठ 9 एमएम की कार्बाइन राउंड, नौ 7.62 एमएम के एसएलआर के राउंड, सात 12 बोर के कारतूस, दो बाओफेंग रेडियो सेट और कॉर्टेक्स तार बरामद किया गया। मादक पदार्थों के विरूद्ध जारी अभियान की कड़ी में सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी जिले के कांगचुप थानांतर्गत अवलमून, सोंग्लुंग और ल्हांगजोल इलाकों में फैली लगभग 27 एकड़ अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया गया। खेती की जगहों पर मिली पांच झोपड़ियों को भी नष्ट कर दिया गया, साथ ही नमक के तीन बोरे और खाद के पांच बैग भी नष्ट कर दिए गए। अफीम नष्ट करने के अभियान के दौरान बाइक भी बरामद की गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया है कि, मणिपुर पुलिस मोटर वाहन अपराधों को रोकने के लिए अपना अभियान जारी रखे हुए है। इस कड़ी में बीते 2-8 फरवरी तक मणिपुर पुलिस ने मोटर वाहन अपराधियों के तहत 173 चालान जारी किए, जिनकी कुल राशि 2.67 लाख है। वहीं 10 वाहनों से टिंटेड फिल्में हटाई गईं। सुरक्षा बल जिलों में सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और एरिया डोमिनेशन जारी रखे हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं। मणिपुर के अलग-अलग जिलों में, पहाड़ों और घाटी दोनों क्षेत्र में कुल 114 नाके/चेकपॉइंट लगाए गए थे, हालांकि किसी को हिरासत में नहीं लिया गया।

'अमरावती क्वांटम वैली' देश के क्वांटम तकनीकी क्षेत्र की मजबूत नींवः डॉ जितेंद्र सिंह

एजेसी

अमरावती। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि अमरावती क्वांटम वैली केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि देश के क्वांटम तकनीकी क्षेत्र की मजबूत नींव है। डॉ सिंह ने यह बात आज 'अमरावती क्वांटम वैली' की आधारशिला रखने के दौरान कही। उनके साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू भी मौजूद रहे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, क्वांटम तकनीक अब कोई विकल्प नहीं बल्कि एक रणनीतिक आवश्यकता है। भारत ने भले ही आईटी क्रांति में देरी की हो लेकिन क्वांटम, एआई और अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में हम दुनिया का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि लगभग 6 हजार करोड़ रुपये के बजट वाला यह मिशन अब आंध्र प्रदेश को एक रणनीतिक केंद्र के रूप में उपयोग करेगा। यह मिशन 17 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 43 संस्थानों तक फैला हुआ है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने क्वांटम प्रौद्योगिकी को एक विकल्प के बजाय एक रणनीतिक आवश्यकता बताते हुए, मंत्री ने कहा कि यदि भारत आने वाले दशकों में अपनी संचार प्रणालियों, रक्षा वास्तुकला, स्वास्थ्य सेवा नवाचार और वैश्विक तकनीकी स्थिति को सुरक्षित करना चाहता है तो उसके पास इस क्षेत्र में नेतृत्व करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उनका बिना किसी दुष्प्रभाव के कैंसर ट्यूमर को लक्षित करने वाली सटीक विकिरण चिकित्सा, संचार प्रणालियों तथा रक्षा वास्तुकला को वैश्विक खतरों से सुरक्षित करना और 2030 तक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को 8 अरब डॉलर से बढ़ाकर 45 अरब डॉलर करने का लक्ष्य है। मंत्री ने राष्ट्रीय महासागर विज्ञान केंद्र का उदाहरण दिया, जो 20 वर्षों से लंबित था लेकिन वर्तमान राज्य सरकार के आने के कुछ महीनों के भीतर पूरा हो गया। यह केंद्र भारत के 'डीप ओशन मिशन' और 'नीली अर्थव्यवस्था' के लिए महत्वपूर्ण होगा। इस कार्यक्रम में शिलान्यास पट्टिका का अनावरण, अमरावती क्वांटम वैली लोगो का अनावरण, आईबीएम और टीसीएस क्वांटम क्लाउड सेवाओं का शुभारंभ, आईबीएम-टीसीएस क्वांटम इनोवेशन सेंटर की स्थापना, क्वांटम टैलेंट हब की घोषणा, एसआरएम विश्वविद्यालय द्वारा क्वांटम रेफरेंस फैसिलिटी, क्वांटम-सेफ एप्लीकेशन्स पहल और नौ उद्योग भागीदारों के साथ कई समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान शामिल था, जो एक समन्वित उद्योग-अकादमिक-सरकारी साझेदारी का प्रतीक है।

स्कॉटलैंड टी20 विश्वकप में 200 रन बनाने वाली पहली एसोसिएट टीम बनी

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश के बाहर होने के बाद शामिल हुई स्कॉटलैंड की टीम ने टी20 विश्वकप क्रिकेट 2026 में एक नया रिकार्ड बना दिया। स्कॉटलैंड की टीम ने इटली के खिलाफ हुए मुकाबले में 207 रन बनाये और इसी के साथ ही वह 200 रन बनाने वाली पहली एसोसिएट टीम बन गयी है। इस मैच में इटली ने टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। स्कॉटलैंड ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 207 रन बनाए। इसी के साथ ही स्कॉटलैंड टी20 वर्ल्ड कप में एसोसिएट टीम के तौर पर 200 या उससे अधिक रन बनाने वाली पहली टीम बन गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड अमेरिकी टीम के नाम था। पिछले टी20 विश्वकप में अमेरिका ने बतौर एसोसिएट टीम कनाडा के खिलाफ सबसे अधिक 197 रन बनाए थे।

टी 20 वर्ल्ड कप में इससे पहले साल 2024 में अमेरिका ने कनाडा के खिलाफ तीन विकेट पर 197 रन बनाये थे। /3 वहीं 2024 में कनाडा ने अमेरिका के खिलाफ पांच विकेट पर 194 रन बनाये थे। वहीं 2014 में नीदरलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ 4 विकेट पर 193 रन बनाये थे।

मैच की बात करे तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की टीम की शुरुआत सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से और माइकल जोन्स ने की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 13.5 ओवर में 126 रनों की साझेदारी हुई। जॉर्ज मुन्से ने 54 गेंदों पर 13 चौके और 2 छक्के लगाकर 84 रन बनाये। वहीं जोन्स ने 30 गेंदों पर 37 रन बनाए।

वहीं नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आये ब्रैंडन मैकमुलन ने 18 गेंदों पर 4 छक्कों की मदद से नाबाद 41 रन आये। उनका अंत में साथ माइकल लीस्क ने दिया। लीस्क ने 5 गेंदों पर 440 के स्ट्राइक रेट के साथ नाबाद 22 रन बनाए।

एशियाई चैंपियनशिप: रोमांचक शूट ऑफ में स्वर्ण पदक से चूकी मनु भाकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर सोमवार को यहां स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट ऑफ में पिछड़ गईं जिससे उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि उनकी साथी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह को कांस्य पदक मिला। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र के सबसे करीब मुकाबले में से एक में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रंग और मनु दोनों ने फाइनल में समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा जिसमें वियतनाम की खिलाड़ी ने बाजी मार ली।

फाइनल में पूर्व एशियाई एयर पिस्टल चैंपियन ट्रंग, मनु, ईशा और ओलंपियन रिदम सांगवान सभी स्वर्ण के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे थे। ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से शुरुआत की जबकि मनु और ट्रंग ने चार-चार अंक के निशाने लगाए। हर सीरीज के बाद पदक की दौड़ में स्थिति बदल रही थी लेकिन छठी सीरीज में परफेक्ट पांच के साथ वियतनाम की खिलाड़ी ने दो अंक की बढ़त बना ली। मनु और ईशा ने ट्रंग की खराब सातवीं सीरीज का फायदा उठाया जिसमें वह सिर्फ एक निशाना लगा पाईं जिससे अंतर कम हो गया।

आठवीं सीरीज के आखिर में 30 के स्कोर के साथ आगे चल रही ईशा नौवीं सीरीज में अपने सभी शॉट चूक गईं और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। अंतिम सीरीज में मनु ने तीन निशाने लगाए जबकि ट्रंग दो की निशाने लगा पाईं जिससे दोनों का कुल स्कोर 35 हो गया और मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा इससे पहले ईशा ने 'प्रिसिन' और 'ड्यूलिंग' चरण के क्वालीफिकेशन दौर में 589 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके बाद मनु (584) रहीं। रिदम ने भी फाइनल में जगह बनाई जिससे आठ में से तीन निशानेबाज भारतीय थे।

ईशा, मनु और रिदम की तिकड़ी ने कुल 1,751 अंक के साथ टीम स्वर्ण जीता। चीनी ताइपे को 1,735 अंक के साथ रजत जबकि वियतनाम को 1,729 अंक के साथ कांस्य पदक मिला। जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में नाम्या कपूर ने रोमांचक शूट ऑफ में स्वर्ण पदक जीता। विश्व चैंपियनशिप पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी ने इंडोनेशिया की रिहादतुल अस्यिफा को पछाड़ा। अंजलि भागवत ने कांस्य पदक जीता। जूनियर भारतीय टीम ने इस स्पर्धा में टीम स्वर्ण भी जीता।

पाक से मैच को लेकर आईसीसी के फैसले का सम्मान करेगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विश्वकप मैच का बहिष्कार करने के मामले में बोर्ड अंतररष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले का सम्मान करेगा। शुक्ला ने कहा है कि इस मामले में आईसीसी के जो भी फैसला लेगी। उसी का हम पालन करेगी और हमारा कोई अलग रुख नहीं होगा। शुक्ला ने कहा, मैं पहले भी स्पष्ट कर चुका हूं कि आईसीसी जो भी फैसला लेगा, बीसीसीआई उसी के अनुसार आगे बढ़ेगी। इस मामले में बोर्ड कुछ भी नहीं कहेगा। पाक ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने का विरोध करते हुए भारत के खिाफ विश्वकप मैच नहीं खेलने की बात कही है। वही पाक मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मैच की संभावनाएं हैं क्योंकि लाहौर में आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बीच इसको लेकर एक बैठक हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी इस मामले पर पाकिस्तान सरकार से स्पष्ट दिशा-निर्देश लेने वाला है। इसके बाद ही उसकी ओर से कोई औपचारिक घोषणा होगी। वहीं इससे पहले पाक सरकार ने कहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी। पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले को बांग्लादेश से जुड़े विवाद से जोड़ते हुए कहा कि ये बांग्लादेश के प्रति समर्थन दिखाने के लिए लिया गया है।।

इससे पहले बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से अपने सभी मैच भारत से बाहर कराने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने ठुकरा दिया था। इसके बाद बांग्लादेश ने विश्वकप से नाम वापस ले लिया था। आईसीसी ने पीसीबी से यह स्पष्ट करने को कहा है कि उसने बहिष्कार का कदम क्यों उठाया है। वहीं पीसीबी ने आईसीसी को संदेश भेजा था कि सरकार के आदेशों के कारण वह इस मैच से बाहर रहेगा। आईसीसी ने पीसीबी को यह भी आगाह किया है कि यदि मैच नहीं होता है, तो इससे को भारी आर्थिक और व्यावसायिक नुकसान हो सकता है। आईसीसी ने साथ ही उसे कड़ी कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। पीसीबी का मानना है कि यदि मामला कानूनी रूप लेता है, तो उनके पास मैच से बाहर रहने को लेकर अपना पक्ष रखने के मजबूत आधार है।

भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच खेलने पीसीबी ने रखीं शर्तें

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप मैच में खेलने को लेकर सौदेबाजी शुरु कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा है कि वह भारत के खिलाफ विश्व कप में खेल सकता है पर उसकी तीन मांगों को पूरा करना होगा। पीसीबी को पता है कि आईसीसी इन मांगों को मानने तैयार नहीं होगा। उसकी मांग है कि बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के लिए बढ़ा हुआ मुआवजा दिया जाए। बांग्लादेश को विश्वकप में भाग न लेने के बाद भी पार्टिसिपेशन फीस और 3-भविष्य के आईसीसी टूर्नामेंट्स के लिए पाकिस्तान को मेजबानी का अधिकार दिया जाए। इस रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी आईसीसी के सामने 2 मांगें रखी है। पहली मांग ये कि मुआवजा दो और दूसरी मांग ये कि आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी दो।

वहीं आईईसीसी के इस प्रकार की सौदेबाजी के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। इससे पहले पाक ने पिछले साल एशिया कप के दौरान भी टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी थी जब भारतीय खिलाड़ियों ने मैच के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाने से मना कर दिया था। इस बाद उसने पूरा टूर्नामेंट खेला था।

वहीं बांग्लादेश को पहले ही विश्वकप से बाहर कर दिया है। ऐसे में आईसीसी के उसे मुआवजा देने का सवाल भी नहीं उठाता है। आईसीसी ने हालांकि लाहौर में बीसीबी के अधिकारियों से बातचीत की। वहीं ये भी कहा जा रहा है पीसीबी में भी बोर्ड प्रमुख मोहसिन नकवी के प्रति नाराजगी है। नकवी केंद्रीय गृह मंत्री भी हैं। नकवी जहां भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर अड़े हुए हैं वहीं पीसीबी के कुछ अधिकारी चाहते हैं कि पाकिस्तान को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच खेलना चाहिए।

विश्व टूर में बदलाव: इंडिया ओपन बैडमिंटन का दर्जा बरकरार, सैयद मोदी टूर्नामेंट का घटा

कुआलालंपुर (एजेंसी)। विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) द्वारा सोमवार को घोषित भविष्य के कार्यक्रम में भारत का बड़ा झटका लगा है क्योंकि देश में होने वाले आयोजनों की संख्या चार से घटकर दो कर दी गई है जिसमें इस साल आयोजन संबंधी समस्याओं के बावजूद इंडिया ओपन ने अपना सुपर 750 दर्जा बरकरार रखा है लेकिन सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 का दर्जा घटाकर सुपर 100 कर दिया गया।

विश्व टूर कार्यक्रम से जिन टूर्नामेंटों को हटाया गया है उनमें गुवाहाटी और ओडिशा में आयोजित सुपर 100 टूर्नामेंट शामिल हैं। इन टूर्नामेंटों को 2023 में शुरू किया गया था। लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय का आयोजन राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन सैयद मोदी की स्मृति में होता है। यह साल 2018 से विश्व टूर सुपर 300 स्तर का टूर्नामेंट रहा है। 2009 में ग्रां प्री टूर्नामेंट के रूप में शुरू हुआ यह आयोजन अब अगले सत्र से सर्किट में शामिल आठ सुपर 100 टूर्नामेंटों में से एक होगा।

BWF ने सैयद मोदी टूर्नामेंट के स्तर को कम करने या ओडिशा और गुवाहाटी के टूर्नामेंटों को कैलेंडर से हटाने के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं किए हैं। दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया ओपन को 2023 में सुपर 750 का दर्जा दिया गया था। वह अपनी ग्रेड दो, लेवल तीन स्थिति बनाए रखेगा और 2027-30 के नए चक्र में भी पांच सुपर 750 टूर्नामेंटों में शामिल रहेगा। इस साल इंडिया ओपन विवादों में भी रहा था। कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने साफ-सफाई सहित आयोजन की अन्य खामियों की ओर इशारा किया था। नए बदलावों के तहत विश्व टूर की छह-स्तरीय संरचना में 36 टूर्नामेंट शामिल होंगे। इसमें टूर्नामेंट विश्व टूर फाइनल्स, पांच सुपर 1000 टूर्नामेंट, पांच सुपर 750, नौ सुपर 500, आठ सुपर 300 और आठ सुपर 100 टूर्नामेंट शामिल हैं। खास बात यह है कि सुपर 100 टूर्नामेंट पहली बार मुख्य टूर में शामिल होंगे। सुपर 1000 स्तर के पहले चार टूर्नामेंट होते थे लेकिन अब इस स्तर के पांच टूर्नामेंट एशिया और यूरोप में आयोजित होंगे। इसमें एकल में 48 खिलाड़ी ग्रुप और फिर एलिमिनेशन चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि युगल में 32 जोड़ियों का नॉकआउट ड्रॉ होगा। हर सुपर 1000 टूर्नामेंट 11 दिन तक दो सप्ताहांत में चलेगा और इसके 1,095 मैच पूरी दुनिया में प्रसारित किए जाएंगे। BWF ने बताया कि विश्व टूर में कुल वार्षिक पुरस्कार पूल लगभग 26.9 मिलियन डॉलर होगा। इसमें हर श्रेणी की पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की गयी है। BWF ने कहा, 'सुपर 1000 टूर्नामेंट के लिए 20 लाख डॉलर, सुपर 750 के लिए 11 लाख , सुपर 500 के लिए 5.60 लाख, सुपर 300 के लिए 2.90 लाख और सुपर 100 के लिए 1.40 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि रखी गयी है।'

आईसीसी ने पीसीबी की शर्तों को मानने से इंकार किया

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की उन शर्तों को खारिज कर दिया है जो उसने भारत के साथ मैच खेलने के लिए रखीं थीं।इससे अब 15 फरवरी को भारत और पाक के बीच मैच होने की संभावनाएं कम हो गयी हैं।आईसीसी ने पीसीबी की मांगों को मानने से साफ मना कर दिया।पीसीबी ने आईसीसी के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं।पहली, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज़ को फिर से शुरू करने की ठोस गारंटी।दूसरी आईसीसी की कुल कमाई में पाकिस्तान के हिस्से को बढ़ाने की मांग।तीसरी और अहम मांग यह थी कि भविष्य में हाथ न मिलाने जैसे घटनाक्रम दोबारा न हों और इसके लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल तय किया जाए।इसके अलावा पीसीबी ने बांग्लादेश के लिए मुआवज़ा और भविष्य के आईसीसी इवेंट्स की मेज़बानी से जुड़े मुद्दे भी उठाए।आईसीसी ने इन मांगों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।हालांकि परिषद ने यह आश्वासन ज़रूर दिया कि बांग्लादेश को आईसीसी राजस्व में उसका पूरा हिस्सा मिलेगा, लेकिन किसी भी तरह के अतिरिक्त मुआवज़े से साफ इंकार किया गया।

इटली के कप्तान मैडसेन चोटिल हुए, आगे खेलने की संभावना नहीं

कोलकाता ।इटली के कप्तान वेन मैडसन टी20 विश्व कप के अपने पहले ही मैच में चोटिल होकर बाहर हो गये हैं। स्कॉटलैंड के खि़लाफ इस मैच के चौथे ही ओवर में फ़ील्डिंग करते समय मैडसन के कंधे पर गंभीर चोट लग गयी।मैडसन उस समय मिडविकेट पर फ़ील्डिंग कर रहे थे।वह जॉर्ज मंसी के पुल शॉट को रोकने के प्रयास में गिर गये। इसके बाद उन्हें स्टेडियम से बाहर ले जाया गया।मैडसेन इटली के सबसे अनुभवी क्रिकेटर हैं।ऐसे में उनका चोटिल होना टीम के लिए करारा झटका है।वह अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं।उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है।कंधे की चोट गंभीर होती है।ऐसे में उनका अब इस टूर्नोमेंट में आगे खेलना संदिग्ध नजर आता है।जो बर्न्स के टूर्नामेंट के लिए चयनित नहीं होने के बाद मैडसेन को टी20 विश्व कप के लिए इटली का कप्तान बनाया गया था।इटली को इस मैच में 73 रनों से हार का भी सामना करना पड़ा है।स्कॉटलैंड ने ग्रुप सी के इस मैच में इटली को हराकर पहला मैच जीता।स्कॉटलैंड ने इस मैच में 208 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की टीम ने 16 औवर और चार गेंदों में 9 विकेट पर 134 रन ही बना पायी। ऑफ स्पिनर लीस्क ने 17 रन देकर चार विकेट लिए ।इटली की ओर से बेन मानेंती ने 52 और हैरी मानेंती ने 37 रन बनाये पर वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पाये।

टी20 विश्वकप : गेंदबाजों के कमाल के बाद बेनेट की नाबाद पारी से जिम्बाब्वे ने ओमान को हराया

कोलंबो (एजेंसी)। ब्लेसिंग मुजरबानी की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद ब्रायन बेनेट की 36 गेंद में नाबाद 48 रन की पारी से जिम्बाब्वे ने आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां 45 गेंद शेष रहते ओमान को आठ विकेट से शिकस्त दी। ओमान को 103 रन पर आउट करने के बाद जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर 106 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। मुजरबानी ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लेते हुए ओमान के शीर्ष क्रम को झकझोरा। उन्हें रिचर्ड नगारवा का (चार ओवर में 17 रन पर तीन विकेट) का अच्छा साथ मिला। एक अन्य तेज गेंदबाज ब्रैंड इवांस ने 3.5 ओवर में 18 रन पर तीन विकेट लेते हुए जिम्बाब्वे के निचले क्रम को आउट किया।

ओमान ने 27 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे और टीम पर काफी कम स्कोर पर आउट होने का खतरा मंडरा रहा था। विनायक शुक्ला (21 गेंद में 28 रन), सूफियान महमूद (39 गेंद में 25) और नदीम खान (18 गेंद में 20) की उपयोगी पारियों से टीम ने 100 रन के आंकड़े को पार किया। इन तीनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में रन बनाने में नाकाम रहा। विनायक और सूफियान ने छठे विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी कर ओमान को जल्दी आउट होने बचाया तो वहीं नदीम ने आखिरी ओवरों में कुछ बड़े शॉट के साथ टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे ने तेज शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज तादिवांशे मारुमनी ने 11 गेंदों में 21 रन की तेज पारी खेली, लेकिन महमूद की गेंद पर वसीम अली ने शानदार कैच लेकर उन्हें पवेलियन भेज दिया। महमूद ने उसी ओवर में डियोन मायर्स को खाता खोले बिना आउट कर दिया। इसके बाद बेनेट और अनुभवी विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर (30 गेंदों में 31 रन, रिटायर्ड हर्ट) ने तीसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी कर जिम्बाब्वे को 13.3 ओवर में ही जीत दिला दी। 22 साल के बेनेट पिछले कुछ समय से शानदार लय में है। उन्होंने इससे पहले घरेलू सरजमीं पर तीन अर्धशतक और एक शतक लगाकर जिम्बाब्वे को इस विश्व कप में जगह दिलाई थी।

अनुभवी टेलर भी पीछे नहीं रहे और उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट्स खेलते हुए टीम को आसान जीत दिलाई। जिम्बाब्वे की टीम टी20 विश्व कप के पिछले सत्र में बाहर रहने के बाद मौजूदा टूर्नामेंट में खुद को साबित करने उतरी है। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसे मुजरबानी और नगारवा ने सही साबित किया। मुजरबानी ने अपने शुरुआती दो ओवर में तीन जबकि नगावरा ने एक विकेट लिये जिससे चार ओवर के बाद ओमान का स्कोर चार विकेट पर 17 रन हो गया।

पावरप्ले के बाद गेंदबाजी के लिए आये रजा ने वसीम अली (तीन) को बोल्ड कर 27 रन तक ओमान की आधी टीम को पवेलियन की राह दिखा दी। विनायक और महमूद ने इसके बाद पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों की 42 रन की अहम साझेदारी को नगावरा ने विनायक को विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर के हाथों कैच कराकर तोड़ा। इवांस ने महमूद की को डीप स्क्वायर लेग पर कैच कराकर ओमान को 76 रन पर आठवां झटका दिया। नदीम ने इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ कुछ बड़े शॉट के दम पर टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाया।

भारत के तेजस्विन ने एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

-पूजा, तजिंदरपाल को रजत, पांच पदक जीतकर छठे स्थान पर रहा भारत

तिआनजिन (एजेंसी)। भारत के तेजस्विन शंकर ने चीन में आयोजित एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है।शंकर ने पुरुषों की हेप्टाथलॉन स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता।इसी के साथ ही भारतीय दल ने इस टूर्नोमेंट में कुल पांच पदक जीते हैं।इस प्रकार भारतीय को पदक तालिका में छठा स्थान मिला है।वहीं मेज़बान चीन ने कुल 10 स्वर्ण, 11 रजत और 13 कांस्य पदक 34 पदक के साथ ही पहला स्थान हासिल किया है।तेजस्विन ने हेप्टाथलॉन में कुल 5993 अंकों के साथ ही स्वर्ण पदक हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर इंडोर रिकॉर्ड भी तोड़ा।इससे पहले उनका सबसे अधिक स्कोर 5650 अंक का था, ये उन्होंने साल 2021 में अमेरिका में बनाया था।शंकर ने इस टूर्नामेंट में पहले दिन से ही बढ़त हासिल कर ली।जो दूसरे दिन भी जारी रखी।उन्होंने 60 मीटर बाधा दौड़ के साथ ही पोल वॉल्ट और 1000 मीटर दौड़ में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया।वहीं भारत की ही पूजा ने महिलाओं की ऊंची कूद में 1.87 मीटर छलांग लगाकर रजत जबकि तजिंदरपाल सिंह तोर ने पुरुषों की शॉट पुट में 20.05 मीटर गोला फेंककर रजत पदक हासिल किया।एंसी सोजन ने लंबी कूद में 6.21 मीटर छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।शॉट पुट स्पर्धा में चीन के चेंगयू चेन ने 20.07 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।वहीं भारत के समरदीप सिंह गिल लंबी कूद में 18.97 मीटर छलांक लगाकर पांचवें स्थान पर रहे।महिलाओं की लंबी कूद में भारत की मौमिता मंडल ने 6.01 मीटर की छलांग लगाकर छठा स्थान प्राप्त किया।

टी20 वर्ल्ड कप में अश्विन का बड़ा रिकॉर्ड खतरे में, अर्शदीप सिंह महज इतने विकेट दूर

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की बात करें तो समय के साथ यह सूची तेजी से बदलती नजर आ रही है। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने ऐसी रफ्तार पकड़ी है कि वह जल्द ही इस प्रतिष्ठित रिकॉर्ड के सबसे बड़े दावेदार बन चुके हैं। फिलहाल यह रिकॉर्ड अनुभवी ऑफस्पिनर रविचंद्रन अश्विन के नाम दर्ज है।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

रविचंद्रन अश्विन - 32
अर्शदीप सिंह - 29
जसप्रीत बुमराह - 26
हार्दिक पंड्या - 24
रविंद्र जडेजा - 22

अर्शदीप सिंह रिकॉर्ड की दहलीज पर

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियानों में अहम कड़ी बनकर उभरे हैं। अब तक वह इस टूर्नामेंट में 29 विकेट चटका चुके हैं और भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से सिर्फ3 विकेट दूर हैं। पावरप्ले और डेथ ओवर्स में उनकी सटीक यॉर्कर और स्विंग गेंदबाजी ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि कम मैचों में इस स्तर तक पहुंचना अर्शदीप की निरंतरता और अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है।

रविचंद्रन अश्विन का लंबे समय से चला आ रहा दबदबा

भारत के पूर्व मुख्य स्पिन हथियार रविचंद्रन अश्विन टी20 वर्ल्ड कप में अब तक 32 विकेट लेकर इस सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। कई संस्करणों में अपनी कसी हुई गेंदबाजी और अहम मौकों पर विकेट निकालने की क्षमता के दम पर अश्विन ने यह रिकॉर्ड कायम किया था। लंबे समय तक यह आंकड़ा भारतीय गेंदबाजों के लिए एक मानक बना रहा।

बुमराह और हार्दिक की अहम भूमिका

इस सूची में तीसरे स्थान पर भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं, जिनके नाम 26 विकेट दर्ज हैं। बुमराह की सटीक लाइन-लेंथ और दबाव में विकेट लेने की काबिलियत उन्हें खास बनाती है। वहीं चौथे स्थान पर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या हैं, जिन्होंने 24 विकेट लेकर टीम को संतुलन प्रदान किया है। हार्दिक ने कई मौकों पर साझेदारी तोड़कर भारत को मैच में वापसी दिलाई है।

जडेजा और बदलती गेंदबाजी की तस्वीर

पांचवें नंबर पर अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा हैं, जिनके नाम 22 विकेट हैं। जडेजा की किफायती गेंदबाजी और फील्डिंग ने भारत को कई अहम मुकाबलों में फायदा पहुंचाया है। जानकारों के मुताबिक, यह सूची दिखाती है कि भारतीय टी20 गेंदबाजी अब सिर्फ स्पिन पर निर्भर नहीं रही, बल्कि तेज और स्पिन के संतुलित संयोजन की ओर बढ़ चुकी है।

आगे क्या टूटेगा रिकॉर्ड?

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की यह सूची बदलाव के दौर से गुजर रही है। अर्शदीप सिंह का अश्विन के रिकॉर्ड के करीब पहुंचना भारतीय क्रिकेट में नई पीढ़ी के तेज गेंदबाजों के उभार का संकेत है। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, निगाहें इस बात पर टिकी रहेंगी कि क्या अर्शदीप इस ऐतिहासिक रिकॉर्ड को अपने नाम कर पाते हैं या नहीं।

विश्वकप में भाग लेने नहीं मैच जीतने आयी है नेपाल टीम : पौडेल

मुम्बई ।इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली नेपाल क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित पौडेल ने कहा है कि उनकी टीम विश्वकप में एक या दो टीमों को हराने का प्रयास करेगी।नेपाल का पहले टी20 मैच में अंतिम ओवर में केवल चार रनों से हार का सामना करना पड़ा है।इसके बाद से ही टीम के हौसले बुलंद हैं।टीम दो बार के विश्व चैंपियन इंग्लैंड को हराने के करीब पहुंच गयी थी पर अंतिम ओवर में वह जीत के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी।पोडेल के अनुसार उनकी टीम का लक्ष्य हर मैच में जीत के इरादे से उतरना रहेगा।जिस प्रकार से टीम का पहले मैच में प्रदर्शन रहा है उससे उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है।इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में नेपाल पर बड़ी मुश्किल से केवल 4 रनों से जीत हासिल की।इस मुकाबले में उलटफेर की संभावनाएं तेज थीं पर।गेंदबाज सेम करन ने अंतिम ओवर में टीम को जीत दिला दी।इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में नेपाल की टीम छह विकेट पर 180 रन ही बना पायी।कप्तान पौडेल ने कहा, 'खिलाड़ियों ने पहले ही मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर बहुत गर्व है।जब हम इस विश्व कप में आए थे तभी ये ठानकर आए थे कि हम यहां सिर्फ हिस्सा लेने नहीं आए बल्कि हमारा लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। .हमने हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया।अंतिम ओवर में हालांकि हम सफल नहीं रहे।.'

इस बिजनेसमैन को डेट कर रहीं शमिता शेट्टी?

एक्ट्रेस के लिए किया पोस्ट

फिल्म 'मोहब्बतें' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शमिता शेट्टी ने हाल ही में अपना 47वां जन्मदिन मनाया। इस जश्न में उनके साथ बहन शिल्पा शेट्टी और जीजू राज कुंद्रा भी मौजूद रहे। सोशल मीडिया पर सामने आईं शमिता के जन्मदिन के सेलिब्रेशन की तस्वीरों में एक शख्स ऐसा भी नजर आया, जिसके साथ शमिता का नाम जोड़ा जा रहा है। ये शख्स है टेक्नो आर्टिस्ट-बिजनेसमैन दीपेश शर्मा।

दीपेश ने शमिता के लिए किया प्यारा पोस्ट

पिछले कुछ वक्त से दीपेश शर्मा और शमिता शेट्टी के रिलेशनशिप को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। इन अटकलों को तब और भी बल मिला, जब दीपेश शर्मा ने शमिता के जन्मदिन पर उन्हें खूबसूरत अंदाज में शुभकामनाएं दीं। दीपेश ने शमिता के लिए जो बर्थडे पोस्ट किया है, उसमें शमिता दीपेश के साथ नजर आई रही हैं। साथ में शिल्पा और राज कुंद्रा भी मौजूद हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में दीपेश ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे मेरी हमेशा की हंसी का राज, जिसे मेरी सारी कहानियां पता हैं और फिर भी साथ है। लव यू माई शम्स्टर।' दीपेश की पोस्ट पर शमिता के दीपेश की इस पोस्ट पर शमिता ने कमेंट करते हुए लिखा और इसके साथ उन्होंने रेड हार्ट इमोजी भी बनाए। दीपेश की पोस्ट और उस पर शमिता के इस तरह के कमेंट के बाद अब दोनों के रिलेशन को लेकर चर्चाएं होने लगीं। फैन्स ये कयास लगाने लगे कि शमिता, दीपेश को डेट कर रही हैं। क्योंकि तस्वीरें दोनों की नजदीकियों की गवाही दे रही हैं। शमिता के रिलेशनशिप की चर्चा हुई, तो लोग दीपेश के बारे में भी सर्च करने लगे हैं।

क्या करते हैं दीपेश शर्मा?

दीपेश शर्मा की बात करें तो वो एक टेक्नो संगीत कलाकार और बिजनेसमैन हैं। वो मुंबई के फेमस नाइटलाइफ प्लेस पर मिलाग्रो और द कॉकटेल रूम के सह-संस्थापक के रूप में जाने जाते हैं। वो टुमॉरोलैंड जैसे बड़े फेस्टिवल्स में परफॉर्म करते हैं। यही नहीं दीपेश गोवा में क्रॉनिकल बीच क्लब के मालिक भी हैं। उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के अनुसार, दीपेश को बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त और सोनाक्षी सिन्हा जैसे स्टार्स फॉलो करते हैं।

क्या 'अमर विश्वास' बन सच्चाई की जंग जीत पाएंगे राजीव खंडेलवाल

बीते कुछ दिनों से अभिनेता राजीव खंडेलवाल अपने सोशल मीडिया पर वकालत से जुड़ी तस्वीरें शेयर कर रहे थे। उनकी पोस्ट देख ये कयास लगाए जा रहे थे कि उन्होंने एक्टिंग छोड़कर वकालत शुरु कर दी है। लेकिन अब एक्टर ने सारी कन्फ्यूजन क्लियर कर दी है। उनके द्वारा शेयर की गई पोस्ट उनकी आगामी वेब सीरीज 'अमर विश्वास' से जुड़ी हुई थी।

'अमर विश्वास' लेखक सुहास शिर्वालकर के उपन्यासों पर आधारित है। कहानी एक मर्डर मिस्ट्री के इर्द-गिर्द घूमती है। जिसे शुरु में ही 'ओपन एंड शट' घोषित कर दिया जाता है। लेकिन फिर बाद में इसकी परतें खुलती हैं। ट्रेलर की शुरुआत जाने-माने फिल्म निर्माता जेस्सू मोमिन के मर्डर से होती है। शक बहार चक्रवर्ती नाम की एक लड़की पर जाता है, जिसे शुरुआत में अपराधी माना जाता है। इस बीच अमर विश्वास के कैरेक्टर में राजीव खंडेलवाल आते हैं। एक अनोखे और तेज दिमाग वाले वकील। जो जानते हैं कि सच हमेशा उतना सरल नहीं होता जितना दिखता है। जब अमर बहार की ओर से केस लड़ते हैं, तो वे धीरे-धीरे कई राज खोलने लगते हैं।

ट्रेलर सिर्फ सीरीज की एक झलक

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में राजीव खंडेलवाल ने अपने रोल के बारे में बताते हुए कहा, 'अमर विश्वास कोई पारंपरिक कोर्टरूम हीरो नहीं है। वह इंसानियत से भरा, भावनात्मक और न्याय के लिए हमेशा खड़ा रहने वाला है। मुझे यह रोल इसलिए पसंद आया क्योंकि यह पूरी सीरीज में मोरल टेंशन में रहता है। हर सच पर नई कीमत चुकानी पड़ती है। ट्रेलर सिर्फ इस सफर की एक झलक दिखाता है।'

शशांत शाह द्वारा निर्देशित 'अमर विश्वास' का निर्माण अर्जुन सिंह बरन और कार्तिक डी. निशंदर ने किया है। सीरीज में राजीव खंडेलवाल के अलावा आमिर अली, रवि बेहल और बर्खा बिष्ट भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। यह सीरीज 11 फरवरी से स्ट्रीम होगी।

एक खूबसूरत प्रेम कहानी से कहीं ज्यादा है 'दो दीवाने सहर में'

संजय लीला भंसाली के बैनर तले रोमांटिक ड्रामा 'दो दीवाने सहर में' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों, भावनात्मक उलझनों और आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में प्यार की बदलती परिभाषाओं को संवेदनशील तरीके से पेश करती है, जो एक साथ निजी भी हो और बेहद रिलेटेबल भी। ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों में चर्चा का विषय बन गया है। यह फिल्म मुंबई की चमक-दमक वाली जिंदगी में दो ऐसे लोगों की कहानी बताती है जो अपनी कमियों से जूझते हुए प्यार ढूंढते हैं। ट्रेलर में संदीपा धर की छोटी लेकिन प्रभावशाली एंट्री ने खासा ध्यान खींचा है। भले ही उनका स्क्रीन टाइम कम हो, लेकिन हर फ्रेम में उनका कॉन्फिडेंस और मजबूत प्रेजेंस साफ दिखता है। संदीपा ने अपने स्क्रीन प्रेजेंस से उत्सुकता का तड़का लगाया है। उनकी मौजूदगी फिल्म के अर्बन और रोमांटिक मूड के साथ अच्छी तरह घुलमिल गई है। उनकी संयमित और सधी हुई एक्टिंग से लगता है कि संदीपा का किरदार भावनात्मक गहराई वाला है, जो फिल्म में आगे चलकर खुलकर सामने आएगा। संजय लीला भंसाली जैसे बड़े फिल्ममेकर के साथ काम करना संदीपा के करियर का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अब तक ऐसे रोल चुने हैं, जो उन्हें एक बेहतर एक्ट्रेस के रूप में आगे ले जाते हैं। इसी कड़ी में 'दो दीवाने सहर में' से उनका जुड़ाव कंटेंट-ड्रिवन और लेयर्ड सिनेमा की ओर उनके सोच-समझकर किए गए कदम को दर्शाता है। संदीपा ने फिल्म को लेकर कहा, 'फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। मृणाल, मेरी रोशनी, तुम्हारी परफॉर्मेंस में इतनी ईमानदारी और संवेदनशीलता है कि कई बार मैं भूल जाती थी कि तुम अभिनय कर रही हो।

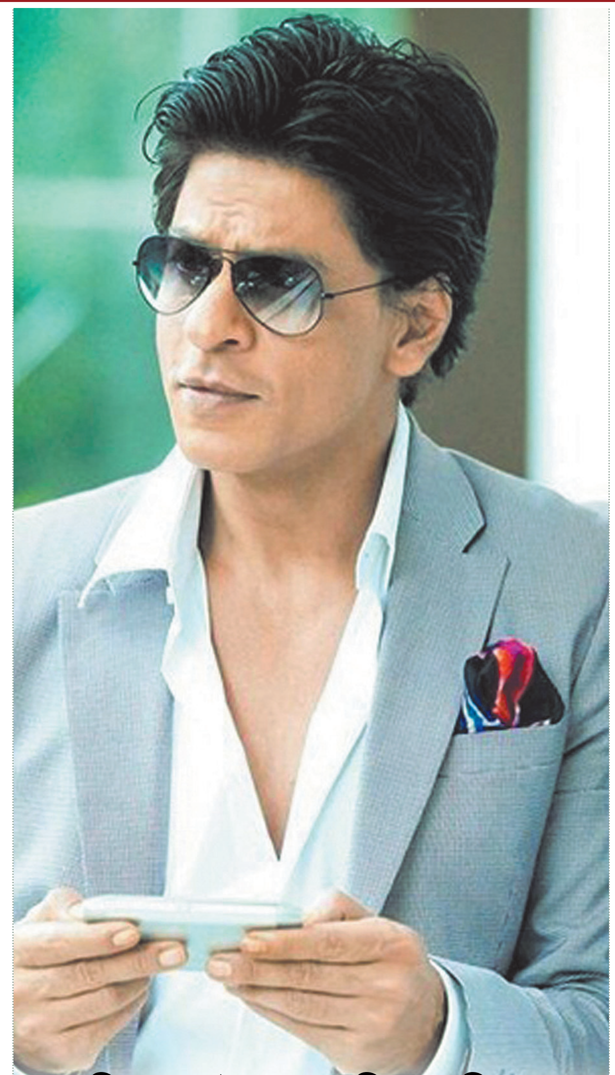

'किंग' के बाद किस फिल्म में नजर आएंगे शाहरुख खान? नए प्रोजेक्ट पर फराह खान से जारी है बातचीत

शाहरुख खान इन दिनों फिल्म 'किंग' की शूटिंग में बिजी हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही फराह खान के साथ एक नए प्रोजेक्ट पर काम करने वाले हैं। खबर यह भी है कि फराह खान 'मैं हूं ना 2' की स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं। पिंकविला के मुताबिक 'किंग' के बाद शाहरुख खान की अगली बड़ी फिल्म 'मैं हूं ना 2' हो सकती है। फिल्म को लेकर शाहरुख और फराह के बीच बात चल रही है।

शाहरुख के होंगे डबल रोल

अगर यह खबर सही है तो दो दशकों के बाद 'मैं हूं ना' का सीक्वल 'मैं हूं ना 2' बनेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फराह खान ने शाहरुख खान के लिए डबल-रोल तय किया है। फिल्म में शाहरुख खान दो अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगे।

कैसी होगी फिल्म की कहानी?

बताया जाता है कि 'मैं हूं ना 2' देशभक्ति से भरपूर होगी। इसमें ओरिजिनल कास्ट दोबारा नजर आएगी। इसकी कहानी भारत पर एक नए खतरे के इर्द-गिर्द घूमेगी। इसमें एक्शन और कॉमेडी भी होगी। मेन आइडिया खुद शाहरुख खान का है। इस आइडिया को आकाश कौशिक डेवलप कर रहे हैं।

फिल्म की कहानी सुनेंगे शाहरुख

'किंग' के बाद शाहरुख खान के बिजी शेड्यूल को देखते हुए टाइमलाइन पर काम किया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि शाहरुख खान मई 2026 में 'किंग' की शूटिंग खत्म करने के बाद 'मैं हूं ना 2' की कहानी सुनेंगे। इसके बाद वह प्रोजेक्ट पर फैसला लेंगे।

'मैं हूं ना' की स्टारकास्ट

'मैं हूं ना' (2004) को फराह खान ने डायरेक्ट किया था। इसे गौरी खान और रतन जैन ने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और वीनस मूवीज के तहत प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म में शाहरुख खान, सुष्मिता सेन, सुनील शेट्टी, अमृता राव और जायद खान ने अहम रोल निभाए थे।

'एनिमल पार्क' को लेकर संदीप रेड्डी वांगा ने दी बड़ी अपडेट, बताया कब शुरू होगी शूटिंग

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। भारत में रिलीज और अपार सफलता के लगभग दो साल बाद अब 'एनिमल' जापान में रिलीज होने वाली है। 13 फरवरी को फिल्म की रिलीज से पहले कुछ खास दर्शकों के लिए फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई। इस दौरान निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा और अभिनेता रणबीर कपूर ने लोगों से बात भी की। इसी दौरान जब फिल्म के सीक्वल 'एनिमल पार्क' के बारे में पूछा गया तो संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि कब फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।

2027 के मिड में शुरू होगी 'एनिमल पार्क' की शूटिंग

'एनिमल पार्क' के बारे में बात करते हुए संदीप रेड्डी वांगा ने कहा, 'मौजूदा फिल्म खत्म होते ही 'एनिमल पार्क' की शूटिंग शुरू हो जाएगी। इसमें और भी जानवर होंगे क्योंकि अजीज भी एक जानवर है। इसे ध्यान में रखते हुए अब कहानी दो भाइयों के बीच होगी, जो दिखने में एक जैसे हैं। इसलिए मुझे लगा कि एनिमल पार्क सही टाइटल रहेगा। मैं 2027 के मिड में शूटिंग शुरू करूंगा।' संदीप रेड्डी वांगा अभी फिलहाल प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर 'स्पिरिट' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी 'एनिमल'

एक्शन-थ्रिलर 'एनिमल' साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में पिता-पुत्र के उलझे हुए रिश्ते को दिखाया गया था। रणबीर ने रणविजय विजय सिंह का किरदार निभाया था। जबकि अनिल कपूर ने पिता का किरदार निभाया था। फिल्म में रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी भी प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और इसने दुनिया भर में 900 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। हालांकि, फिल्म के कई सीन और अत्यधिक हिंसा को लेकर इसकी आलोचना भी की गई थी।

'एनिमल पार्क' को लेकर उत्साहित हैं रणबीर

इस मौके पर रणबीर कपूर ने भी फिल्म को लेकर बात की और 'एनिमल पार्क' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। अभिनेता ने कहा, 'संदीप के साथ सेट पर वापस आने और इस किरदार को निभाने के लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। अब एक और किरदार है। चूंकि यह एक निरंतर कहानी है, इसलिए पहले भाग की शूटिंग के दौरान ही उनके दिमाग में दूसरे पार्ट की कहानी भी स्पष्ट थी। एक अभिनेता के तौर पर यह मेरे लिए बहुत रोमांचक और प्रेरणादायक है। हम दोनों लगातार बातचीत करते रहते हैं और अलग-अलग आइडिया पर चर्चा करते रहते हैं।'

'लव एंड वॉर' और 'रामायण' में नजर आएंगे रणबीर

रणबीर कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इन दिनों संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' पर काम कर रहे हैं। यह 1960 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है। इसमें उनके साथ पत्नी आलिया भट्ट और विक्की कौशल प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके इसी साल रिलीज होने की संभावनाएं हैं। इसके अलावा रणबीर नितेश तिवारी की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण: पार्ट वन' में भी नजर आएंगे। इसमें वह भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म इस साल दिवाली पर रिलीज होगी।

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्त्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए।आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है।ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है, लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत: अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।